

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर



नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | राष्ट्रीय डिग्निटी अवॉर्ड-2026: उत्कृष्ट प्रतिभाओं का ...

दूध तथा दही उत्पादन के क्षेत्र में... | 04

वर्ष : 14 | अंक : 93 | पटना, रविवार, 12 जुलाई, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

उपराष्ट्रपति ने 18वीं बिहार विधानसभा के सदस्यों के लिए अभिविन्यास-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया उद्घाटन

चुनाव वोटों से जीते जाते हैं; सम्मान सेवा से अर्जित होता है, सत्ता से नहीं : उपराष्ट्रपति



- उपराष्ट्रपति ने बिहार को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का 'मार्गदर्शक' बताया

प्रात : किरण

पटना। भारत के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बिहार के गया जी स्थित बिहार लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान में 18वीं बिहार विधानसभा के सदस्यों के लिए दो दिवसीय अभिविन्यास सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। बिहार विधानसभा और बिहार विधान परिषद के पीठासीन अधिकारियों और लोकसभा सचिवालय स्थित संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की इस पहल की सराहना करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विधायकों को उनके संवैधानिक दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में सक्षम बनाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करते हैं। वैशाली की प्राचीन गणतंत्रवादी परंपराओं का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र की जड़ें भारत में गहरी हैं, जिसे सही मायने में लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। उन्होंने बिहार को भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का मार्गदर्शक बताया और विधायकों से इसकी गौरवशाली विरासत को कायम रखने का आग्रह किया। भगवान बुद्ध की भूमि से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने कहा कि सच्चा ज्ञान इस बात को समझने में निहित है कि जन प्रतिनिधियों को शासन करने के लिए नहीं, बल्कि सेवा करने के लिए चुना जाता है।

विकसित बिहार के बिना विकसित भारत संभव नहीं: उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित बिहार के बिना विकसित भारत संभव नहीं है और विधायकों से बिहार को रोजगार और विकास का केंद्र बनाने और अन्य राज्यों से प्रवासी श्रमिकों को आकर्षित करने के लिए अवसर पैदा करने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। विधायकों को याद दिलाते हुए कि चुनाव दलगत आधार पर लड़े जाते हैं, लेकिन शासन को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना चाहिए, उन्होंने कहा कि चुनाव वोटों से जीते जाते हैं, लेकिन जनता का सम्मान और विश्वास केवल निस्वार्थ सेवा से अर्जित किया जाता है, सत्ता से नहीं। उन्होंने कहा कि बनाया गया हर कानून, उठाया गया हर प्रश्न और भाग लिया गया हर वाद-विवाद अनगिनत लोगों के जीवन को बेहतर बनाने की क्षमता रखता है।

संविधान और जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि रहनी चाहिए: उपराष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन संविधान और जन कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता सर्वोपरि रहनी चाहिए। उन्होंने कहा, विधानसभा में विचार भिन्न हो सकते हैं, लेकिन संविधान हमारा साझा मार्गदर्शक बना रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि स्वस्थ वाद-विवाद लोकतंत्र को मजबूत करता है, जबकि रचनात्मक सहयोग राष्ट्र को आगे बढ़ाता है। प्रश्नकाल, शून्यकाल और कार्य सलाहकार समिति के महत्व पर जोर देते हुए, उन्होंने सदस्यों से विधायी कार्य को सुचारू और उत्पादक रूप से संचालित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ये संसदीय व्यवस्थाएं प्रत्येक विधायक को दलीय हितों से परे अपने निर्वाचन क्षेत्र के मुद्दों को उठाने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं।सतत अधिगम के महत्व पर जोर देते हुए, श्री सीपी राधाकृष्णन ने विधायकों को सदन की कार्यवाही में भाग लेने से पहले पूरी तैयारी करने और विधायी प्रक्रियाओं, समिति प्रणालियों और संसदीय परंपराओं की अच्छी समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने सदस्यों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण और नेवा जैसी डिजिटल विधायी पहलों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने का भी आह्वान किया ताकि विधायी कार्यप्रणाली अधिक कुशल, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बन सके। अपने संबोधन के समापन में उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक सोच-समझकर किया गया हस्तक्षेप नीति को बदल सकता है, एक सुविचारित कानून पीढ़ियों का कायापलट कर सकता है और एक करुणापूर्ण निर्णय अनगिनत नागरिकों में आशा जगा सकता है। उन्होंने कहा, नेतृत्व की सच्ची पहचान सदन के अंदर मिलने वाली तालियों से नहीं, बल्कि सदन के बाहर जनता में पैदा हुए विश्वास से होती है।

'सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा' ही समृद्ध बिहार की आधारशिला: मुख्यमंत्री

पटना। गयाजी के बिपार्ड में आयोजित बिहार विधानसभा के सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सक्षम विधायक और सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला हैं।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की क्षमता, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकों को जनता ने विश्वास और अपेक्षाओं के साथ विधानसभा में भेजा है। ऐसे में प्रत्येक विधायक का दायित्व है कि वह अपने क्षेत्र की समस्याओं, जनता की आकांक्षाओं तथा विकास से जुड़े मुद्दों को पूरी तैयारी, तथ्यों एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सदन में उठाए। उन्होंने सभी सदस्यों से विधानसभा की कार्यप्रणाली, नियमों और संसदीय परंपराओं का गहन अध्ययन करने का आग्रह किया ताकि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बना सकें।मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों की रचनात्मक एवं सकारात्मक भूमिका आवश्यक है। स्वस्थ संवाद, सार्थक विमर्श और जनहित को सर्वोपरि रखने की भावना ही विधानसभा की गरिमा को बढ़ाती है तथा राज्य के विकास को नई गति देती है। उन्होंने कहा कि विधान सभा सत्र के दौरान अधिक से अधिक समय सदन को दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प एवं पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को साकार करने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि की भी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा की कार्यप्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित नई तकनीकों के उपयोग पर बल दिया। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि गया जी में आयोजित यह दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम नवनिर्वाचित विधायकों को संसदीय परंपराओं, विधायी दायित्वों एवं जनसेवा की भावना को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगा तथा एक सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा और समृद्ध बिहार के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा ।

वियतनाम में नौका डूबने से 15 भारतीय पर्यटकों की मौत

- 21 को सुरक्षित बचा लिया गया

प्रात : किरण

हनोई/एजेंसी। वियतनाम में भारतीय पर्यटकों से भरी एक नौका के शनिवार को समुद्र में पलट जाने से 15 लोगों की मौत हो गई। इस नौका में कुल 32 भारतीय और चालक दल के चार सदस्य भी थे। इनमें से शेष 21 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। स्थानीय मीडिया के अनुसार ओशन पर्ल आइलैंड कंपनी की एक चलने वाली मोटर नौका स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे मशीन में आई खराबी के कारण पलट गई जिससे उसमें सफर कर रहे लोग पानी में गिर पड़े। यह स्पीडबोट पर्यटकों को लेकर होन-मे-रुत द्वीप से अन-थोई-पोर्ट की तरफ वापस लौट रही थी। यह हादसा तब हुआ जब यह बोट होन-मे-रुत नगोई द्वीप से लगभग 400 मीटर की दूरी पर थी। यह सभी छोटे द्वीप वियतनाम के सबसे बड़े द्वीप फू क्वोक के पास स्थित हैं और यहां पर्यटक ह्यआइलैंड हॉपिंगह्व (एक द्वीप से दूसरे द्वीप की यात्रा) और डाइविंग के लिए आते हैं। दुर्घटना होते ही बचाव दल के लोग फौरन सक्रिय हो गए और नौका में सवार 21 लोगों को बचा कर सुरक्षित किनारे पर लाया गया। बचाव दल ने शेष 15 लोगों के शव बरामद कर लिए हैं। दुर्घटना के बाद स्थानीय अधिकारियों, तटरक्षक बलों और आस-पास के जहाजों को बचाव कार्य में लगाया गया। अधिकारी घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं। वियतनाम में भारतीय दूतावास ने



दुर्घटना की पुष्टि की है और उन लोगों के नाम जारी कर दिए हैं जो इस नौका में सवार थे। दूतावास ने यह भी लिखा है कि वह मामले पर नजर बनाए हुए है और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और इस त्रासदी से प्रभावित लोगों को जरूरी मदद मुहैया करा रहे हैं। इससे पहले दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा, एक दुखद घटना में कुछ घंटे पहले वियतनाम में फु क्वोक द्वीप के पास कई भारतीय पर्यटकों को ले जा रही एक नाव पलट गई। घटना के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है क्योंकि स्थानीय अधिकारियों द्वारा खोज और बचाव अभियान जारी है। प्रभावित परिवारों की सहायता के लिए हो ची मिन्ह सिटी में भारत के वाणिज्य दूतावास ने जानकारी और सहायता प्रदान करने के लिए एक कंट्रोल रूम स्थापित किया है। हनोई में भी एक अलग सहायता डेस्क स्थापित की गई है। हो ची मिन्ह सिटी में भारत के महावाणिज्य दूत में एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिससे इन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है- 84 36 281 7930, 84 91 552 37 14 और 84 33 452 0414। हनोई में भी एक कंट्रोल रूम बनाया गया है, जिससे 84 91 308 9165 पर संपर्क किया जा सकता है। वियतनाम स्थित भारतीय दूतावास ने उन सभी भारतीयों के नामों की सूची जारी कर दी है जो दुर्घटनाग्रस्त हुई नौका में सवार थे। इनमें पुरूषों में बालसुब्रमणी पलानीसामी, सेल्वम पिच्चैया, सेंथिल कुमार जयवेल, शिवकुमार मुथुकुमारासामी, निर्मल कुमार सेथुरामन, मुरुगा प्रभु अरुमुगम, रुबन सेल्वा नाथन जैकब येसुपाथम, श्रीधर धर्मराजन, विग्नेश्वर राधाकृष्णन गोपाल, रामसुब्बू अन्नावी, अबुथल्खा जहीरुद्दीन, श्रीधर सुंदरराजन, वामशीदार सेल्लूर रामराज, सेंजादैवेल कुप्पुसामी, नागला मदुगु सोहन, नल्लापेटा आदिशेषय्या रवितेजा, शेख अब्दुल्ला अब्दुल मजीद, राजीव कलैवानन, बालाजी नटेसन, विनया कुमार चिथापुरम भास्करा, रविशंकर सुगुमारन, विपुल उत्तम चंद, संतोष कुमार शांतिलालजैन, बाबू कुप्पुस्वामी, अलगुराजन सिवासामी, वसंथा कुमार आनंदन, श्रीधर मुदियम, किशोर गल्ली, एविकोट चेरियन थॉमस थॉमस, रमेश कुमार पचियप्पन शामिल हैं जबकि महिलाओं में जया लक्ष्मी गल्ली, लोवेनी थॉमस के नाम सूची में शामिल हैं।

पीएम मोदी समेत अन्य ने जताया शोक

नई दिल्ली। वियतनाम नाव हादसे पर देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नेताओं ने दुख जताया है। हादसे पर उपराष्ट्रपति सीपी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह बेहद पीड़ादायक घटना है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

भारत केवल बाजार नहीं, वैश्विक विकास का लॉन्चपैड है : मोदी

प्रात : किरण



ऑकलैंड/एजेंसी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत केवल एक बड़ा बाजार नहीं, बल्कि वैश्विक विकास का लॉन्चपैड बन चुका है। उन्होंने न्यूजीलैंड के उद्योग जगत से भारत की विकास यात्रा में साझेदार बनने का आह्वान करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, सेवाओं और प्रतिभा के आदान-प्रदान के नए अवसर खोलेगा। ऑकलैंड में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के साथ दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपतियों और मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि भारत और न्यूजीलैंड साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, कानून के शासन, विविधता और सतत विकास की प्रतिबद्धता से जुड़े हुए हैं। यही आधार दोनों देशों की आर्थिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने मात्र नौ महीने के रिकॉर्ड समय में मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है, जो द्विपक्षीय संबंधों में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने विश्वास जताया कि दोनों देश वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 7 अरब न्यूजीलैंड डॉलर (करीब 35 हजार करोड़ रुपये) तक पहुंचाने के लक्ष्य को हासिल करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। यह केवल निवेश नहीं, बल्कि भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने का संकल्प भी है।

मुख्यमंत्री ने हाजीपुर जिला निबंधन कार्यालय से राज्य की अत्याधुनिक पेपरलेस निबंधन प्रणाली का किया शुभारंभ

पेपरलेस डिजिटल रजिस्ट्री शुरू : 75 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को घर बैठे मिलेगी निबंधन सुविधा

प्रात : किरण

हाजीपुर। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शनिवार को वैशाली (हाजीपुर) जिला निबंधन कार्यालय से राज्य की अत्याधुनिक पेपरलेस निबंधन प्रणाली (होम रजिस्ट्री डिजिटल सिस्टम) का शुभारंभ किया। इसके तहत होम रजिस्ट्रेशन, भूमि संबंधी ऑनलाइन जांच, पेपरलेस निबंधन और जीआईएस तकनीक आधारित स्थल निरीक्षण जैसी चार नई डिजिटल सेवाएं शुरू की गईं। इस अवसर पर सीएम सम्राट चौधरी ने बुजुर्गों के घर जाकर निबंधन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मोबाइल रजिस्ट्रेशन यूनिट वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 83 वर्षीय अवधेश कुमार के घर पर डिजिटल निबंधन प्रक्रिया का लाइव प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग द्वारा विकसित नई पेपरलेस प्रणाली पर आधारित लघु फिल्म का अवलोकन किया और इस व्यवस्था को डिजिटल बिहार की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। सीएम ने कहा कि पहले यह सुविधा 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के नागरिकों के लिए प्रस्तावित थी, लेकिन अब सरकार ने आयु सीमा घटाकर 75 वर्ष कर दी है। इससे अधिक संख्या में बुजुर्ग अपने घर बैठे ही संपत्ति का निबंधन करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य आम लोगों के जीवन को आसान बनाना तथा सरकारी सेवाओं को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है।



उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत के निर्माण के लिए लगातार काम कर रहे हैं, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्ध बिहार का संकल्प लिया था। राज्य सरकार उसी संकल्प को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल शासन और बेहतर नागरिक सेवाओं पर विशेष जोर दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई व्यवस्था के तहत भूमि की खरीद-बिक्री से पहले जीआईएस तकनीक और ऑनलाइन सत्यापन के माध्यम से भूमि की वास्तविक स्थिति की जांच होगी। इससे फर्जीवाड़े और भूमि विवादों में कमी आएगी तथा खरीदारों का हित सुरक्षित रहेगा। साथ ही निबंधन से जुड़े दस्तावेज अब व्हाट्सएप और ई-मेल के माध्यम से भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

15 जुलाई से 213 नए डिग्री कॉलेजों की शुरूआत होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 जुलाई से राज्य के विभिन्न प्रखंडों में 213 नए डिग्री कॉलेजों की शुरूआत होगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा का विस्तार होगा। उन्होंने यह भी बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत प्रत्येक माह की 10 तारीख को लगभग एक करोड़ लाभार्थियों के बैंक खातों में 1,100 रुपए की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी जा रही है।कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन मंत्री मदन सहनी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय कुमार सिंह, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा सहित कई विधायक, जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निबंधन कार्यालयों में आने वाले लोगों के लिए सभी आवश्यक मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही राज्य से बाहर रहने वाले लोगों के लिए भी आवेदन के माध्यम से डिजिटल निबंधन की सुविधा



संक्षिप्त खबरें

झमाझम बारिश, छुट्टी के समय भीगते हुए घर लौटे स्कूली बच्चे

फतुहा। फतुहा में हुई झमाझम बारिश ने भीषण गर्मी से लोगों को बड़ी राहत दी। स्कूल की छुट्टी के समय शुरू हुई बारिश ने बच्चों के चेहरे पर अलग ही मुस्कान ला दी। कई स्कूली बच्चे बारिश की फुहारों में भीगते हुए घर की ओर जाते नजर आए। किसी ने छाता खोल लिया तो कई बच्चे बिना किसी परवाह के बारिश का आनंद लेते रहे। बारिश के कारण सड़कों पर हल्की चहल-पहल रही, लेकिन बच्चों का उत्साह देखते ही बन रहा था। बरसात की ठंडी फुहारों के बीच बच्चों की खिलखिलाहट ने पूरे माहौल को खुशनुमा बना दिया। गर्मी से राहत दिलाने वाली इस बारिश ने न सिर्फ मौसम को सुहावना बनाया, बल्कि बच्चों के लिए यह पल यादगार बन गया। बारिश में भीगते और मस्ती करते स्कूली बच्चों का यह नजारा लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता रहा। बरसात के साथ बच्चों की मासूम मुस्कान ने फतुहा के मौसम को और भी खूबसूरत बना दिया।

जय मां काली मंदिर ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने बड़हरा की नई थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी का किया सम्मान

बड़हरा, भोजपुर। जय मां काली मंदिर ट्रस्ट, बखोरापुर (भोजपुर) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को बड़हरा थाना पहुंचकर नवपदस्थापित थानाध्यक्ष सुश्री चुनमुन कुमारी का सम्मान किया। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें मां काली का प्रसाद, मंदिर में अर्पित चुनरी, सिल्क शॉल, मिठाई तथा धार्मिक पुस्तक भेंट कर उनके सफल कार्यकाल एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सम्मान समारोह में ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक सुनील सिंह गोपाल, सह मुख्य संरक्षक रविशंकर सिंह, कमल किशोर सिंह सहित ट्रस्ट के कई पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने विश्वास व्यक्त किया कि सुश्री चुनमुन कुमारी के नेतृत्व में बड़हरा थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा आम लोगों को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि समाज और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा का वातावरण और मजबूत होगा। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं होटल मौर्या, पटना के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बी.डी. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण तिवारी, उपाध्यक्ष पवन किशोर शर्मा, मुख्य सलाहकार सिद्धार्थ कुमार उर्फ दीपू जी, कर्नल राणा प्रताप सिंह, सरोज कुमार, कंचन कुमार, धर्मेंद्र राय सहित ट्रस्ट से जुड़े अनेक पदाधिकारियों एवं मां काली के श्रद्धालुओं ने भी नवपदस्थापित थानाध्यक्ष को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान उपस्थित लोगों ने पुलिस और समाज के बीच सहयोगात्मक संबंधों को मजबूत बनाने तथा जनहित में मिलकर कार्य करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

लोक संवाद गोष्टी में नशा एवं महिला सुरक्षा पर हुई चर्चा

गोह (औरंगाबाद)। गोह थाना पुलिस द्वारा बुद्ध नगर भवन में लोक संवाद गोष्ठी का आयोजन किया गया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं ने महिलाओंज नाबालिग बच्चियों में साथ हो रहे दुष्कर्म पर खुलकर बात की। सीमा कुमारी, शबनम खातून, रेखा देवी सहित अन्य महिलाओं ने कहा कि कालांतर समय में दुष्कर्म की हो रही घटना से वे लोग चिंतित हैं। नशा के चपेट में भी युवा पीढ़ी आ रही है। जिससे अपराध का बढ़ावा मिल रहा है। एसआई पिंकी कुमारी, अवर थानाध्यक्ष अशोक कुमार दास ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता की जरूरत है। साईबर अपराध से बचने के लिए बच्चो कक सोशल मीडिया से दूरी बनाने की जरूरत है। जब भी पुलिस को मदद की जरूरत हो तुरंत सूचित करें। समाजसेवी सह पत्रकार दिलीप कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि बदलते हुए व्यवस्था में हर समय सचेत एवं सजग रहने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक बिट्टू सिंह ने किया। सुनिल श्रमज सरपंच मनोरमा देवीज बिकु त्रिपाठी, चिंटू सिंह, सत्येंद्र शर्मा सहित कई लोग उपस्थित थे।

पितृपक्ष मेला महोत्सव जम्होर को मिला राजकीय दर्जा

औरंगाबाद। पितृपक्ष मेला महोत्सव जम्होर औरंगाबाद को राजकीय दर्जा प्राप्त होने पर जम्होर एवम् औरंगाबाद जिले में खुशी कि लहर दौड़ गई है। विदित हो कि आश्विन माह के कृष पक्ष में प्रत्येक वर्ष गया जी जिला की भाती औरंगाबाद जिले के पुनपुन बटाने संगम स्थल पर अवस्थित विष्णु धाम के करीब धर्मशाला के पास पुनपुन नदी के तट पर जो औरंगाबाद प्रखंड के जम्होर में अवस्थित है के पवन तट पर गया जी जाने के पूर्व प्रथम पिण्ड दान की प्रक्रिया श्रद्धालु पिंड दान कर पूरी करते है। विष्णु भगवान का दर्शन कर यात्री गण गया जी के लिए प्रस्थान करते है यह पुरानी और पौराणिक व्यवस्था जम्होर में सदियों से चली आ रही है। कलकत्ते के सेठ सूरज मल जी के द्वारा पुनपुन नदी के तट पर ऐक भव्य धर्मशाला का निर्माण कराया गया था, जिसमें देश विदेश से आने वाले यात्री अपने पित्रों को मोक्ष प्रदान करने के लिए यह पधारते थे।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में एनडीए जिलाध्यक्षों की बैठक संपन्न

प्रात : किरण संवाददाता



फतुहा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पटना पूर्वी के जिलाध्यक्ष रंजीत यादव ने बताया कि राजधानी पटना स्थित एक अणे मार्ग लोक सेवक आवास (मुख्यमंत्री आवास) में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में एनडीए गठबंधन के सभी जिलाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। रंजीत यादव ने बताया कि बैठक के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सभी जिलाध्यक्षों से उनके-अपने जिलों में शासन-प्रशासन की स्थिति, विकास कार्यों तथा एनडीए गठबंधन के संगठनात्मक समन्वय को लेकर अलग-अलग फीडबैक लिया। इस दौरान जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं, जनभावनाओं और संगठनात्मक गतिविधियों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी जिलाध्यक्षों की बातों को गंभीरता से सुना और प्राप्त सुझावों व समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की बात कही। बैठक में एनडीए गठबंधन के विभिन्न घटक दलों के जिलाध्यक्ष उपस्थित रहे। इस बैठक में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) पटना पूर्वी के जिलाध्यक्ष रंजीत यादव भी शामिल हुए।

औरंगाबाद का नया उप विकास आयुक्त बनी : अनुपम सिंह

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत वरिष्ठ अधिकारी कुमारी अनुपम सिंह को औरंगाबाद का नया उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद नियुक्त किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। इससे पहले पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, बिहार, पटना में विशेष कार्य पदाधिकारी (ओएसडी) के रूप में कार्यरत थीं। पूर्व डीडीसी अनन्या सिंह के ट्रांसफर के बाद यह पद खाली था। कुमारी अनुपम सिंह के लिए औरंगाबाद नया जिला नहीं है। प्रशासनिक करियर के शुरूआती दौर में उन्होंने यहीं परीक्ष्यमान वरीय उप समाहर्ता के रूप में काम किया था। इसके बाद मदनपुर प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) की जिम्मेदारी भी निभाई। बाद में दाउदनगर अनुमंडल की एसडीओ बनने पर उन्होंने कानून-व्यवस्था, जन शिकायतों के त्वरित निष्पादन और विकास योजनाओं की मॉनिटरिंग को लेकर अपनी अलग कार्यशैली की पहचान बनाई। इसके अलावा वे बक्सर में वरीय उप समाहर्ता, भभुआ सदर एवं पटना सदर की एसडीओ, नवादा में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी तथा बक्सर में एडीएम (राजस्व) जैसे अहम पदों पर भी सेवाएं दे चुकी हैं। औरंगाबाद की भौगोलिक और प्रशासनिक परिस्थितियों का अनुभव होने के कारण उनकी नियुक्ति को जिले के लिए सकारात्मक माना जा रहा है। माना जा रहा है कि उनके नेतृत्व में पंचायतों से जुड़ी योजनाओं, जिला परिषद के कार्यों, मनरेगा सहित ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में और गति आएगी। प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्रों में उनकी नियुक्ति का स्वागत किया जा रहा है। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को उम्मीद है कि उनके अनुभव का लाभ जिले के समग्र विकास और योजनाओं के प्रभावी संचालन में मिलेगा।

फतुहा के त्रिवेणी घाट से 6 वर्षीय मासूम लापता, परिजन परेशान

प्रात : किरण संवाददाता



फतुहा। फतुहा के त्रिवेणी घाट से एक 6 वर्षीय मासूम बच्चा लापता हो गया है। परिजन पिछले कई दिनों से उसकी तलाश में जुटे हैं, लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। लापता बच्चे की पहचान बादल कुमार (6 वर्ष) के रूप में हुई है। वह अमित कुमार का पुत्र है और बौरी सराय, थाना- खुदागंज, जिला- नालंदा का निवासी है। परिजनों के अनुसार, बच्चा शुक्रवार, 3 जुलाई 2026 को फतुहा के त्रिवेणी घाट से लापता हुआ था। बच्चे की तलाश के लिए परिजनों ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी को बादल कुमार के संबंध में कोई भी जानकारी मिले तो तुरंत 7209335073 अथवा 6201459903 पर संपर्क करें। परिजनों ने आम लोगों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि एक छोटी-सी सूचना भी मासूम को उसके परिवार तक पहुंचाने में मददगार साबित हो सकती है।

फतुहा के गोदाम पर डीआरआई का छापा, 17,880 बोतल प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप जब्त

प्रात : किरण संवाददाता



फतुहा। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) मुजफ्फरपुर की विशेष टीम ने फतुहा स्थित एक गोदाम में छापेमारी कर प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप की बड़ी खेप बरामद की है। तलाशी के दौरान कार्टन में छिपाकर रखी गई ह्वाइट 28 डाब्ल्यू ब्रांड की 100 एमएल की कुल 17,880 बोतलें जब्त की गईं, जिनमें पहली खेप से 8,000 और दूसरी खेप से 9,880 बोतलें शामिल हैं। अधिकारियों के अनुसार, सिरप में कोडिन फॉस्फेट और ट्राइप्रोलिडीन हाइड्रोक्लोराइड जैसे तत्व पाए गए हैं, जिनका दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है। जांच में पहली खेप के निर्धारित प्राप्तकर्ता का ड्रग लाइसेंस पहले से रद्द पाया गया, जबकि दूसरी खेप के दस्तावेजों में दर्ज पता पूरी तरह फर्जी निकला। डीआरआई ने पूरी खेप को जब्त कर लिया है और आशंका जताई है कि इसे अवैध रूप से काले बाजार में खपाने की तैयारी थी। मामले में मुख्य सरगनाओं, स्थानीय वितरकों और पूरे सप्लाई नेटवर्क की पहचान के लिए जांच तेज कर दी गई है।

स्वयंसेवको ने प्लास्टिक मुक्त भारत का दिया संदेश : प्राचार्या



पटना सिटी। राजकीय महिला महाविद्यालय, गुलजारबाग, पटना में सेमेस्टर 4 की छात्राओं द्वारा प्रेम यूथ फाउंडेशन के तत्वाधान में किए गए सामाजिक कार्यों के लिए प्रमाण पत्र वितरित किया गया। छात्राओं ने इसके तहत महाविद्यालय परिसर की सफाई की, गरीब बच्चों को भोजन तथा अन्य जरूरी सामान दिया। कपड़ों के थैले सीकर जरूरतमंद लोगों के बीच वितरित किया। प्राचार्या प्रोफेसर श्रुति तेतरवे ने संस्था के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी को पौधा एवं अंगवस्त्र दे कर सम्मानित किया। गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि अब महात्मा गांधी का सपना साकार हो रहा है। फाउंडेशन के वॉलंटियर लगातार पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, नशा मुक्ति अभियान, प्लास्टिक मुक्त भारत को लेकर सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का युवा देश है युवाओ के बल पर हर समस्याओं का हल किया जा सकता है। नई शिक्षा नीति में विद्यार्थियों को एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर डॉ०उषा यादव,संगीता विश्वनाथ,आयशा बानो,अनिता एक्का,सुनीता कुमारी,उषा पासवान,अनिता मिंज,विनीता कुमारी कुमारी मणि सिंह ,आदि प्रोफेसर तथा छात्राएं उपस्थित रहे।

वाणिज्य महाविद्यालय का कॉमन रूम नए स्वरूप में हुआ जिर्णोद्धार

प्रात : किरण संवाददाता



पटना। विश्वविद्यालय के वाणिज्य महाविद्यालय मे 20 लाख रुपये की लागत से छात्रों केलिय कॉमन रूम, प्राचार्य कक्ष, महिला शिक्षकों एवं छात्राओं केलिए शौचालय का व्यापक जीर्णोद्धार कर उसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। यह जीर्णोद्धार पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य के विकास निधि से किया गया। नवनिर्मित कॉमन रूम का उद्घाटन शनिवार को बिहार विधान परिषद के सदस्य, प्रो. नवल किशोर यादव ने किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं को संबोधित करते मुख्य अतिथि प्रो. नवल किशोर यादव ने कहा कि मेरा विकास निधि सिर्फ शिक्षन संस्थानों केलिय है। उन्होंने कहा कि मैं शिक्षकों के साथ हमेशा खड़ा रहता हूँ और हर हाल में उनकी समस्याओं को हल करने की पूरी कोशिश करता हूँ। प्राचार्य, प्रो. सुहेली मेहता ने कहा कि कॉमन रूम को अत्याधुनिक स्वरूप देते हुए नए फॉल्स सीलिंग, एलईडी केलाइटिंग, वातानुकूलित व्यवस्था, आकर्षक फ्लोरिंग, आधुनिक फर्नीचर, पर्दे तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। इस कॉमन रूम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को मुख्य रूप से टेबल-टेनिस, शतरंज एवं कैरम केलिय कोच की व्यवस्था कर प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा साथ ही विश्वविद्यालय स्तर पर इंडोर खेल की प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। इसके अलावे पीछे कुछ महीनों में इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी कक्षाओं में डिजिटल स्मार्ट बोर्ड लगाए गए हैं। इससे शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी, तकनीक आधारित और विद्यार्थियों के लिए सहज बन सकेगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पटना विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष, प्रो. अनिल कुमार ने महाविद्यालय के छात्र, छात्राओं एवं पूरे महाविद्यालय परिवार को बधाई दी। विश्वविद्यालय के संकायाध्यक्ष, छात्र कल्याण प्रो. कामेश्वर पंडित ने कहा कि इस प्रकार की सुविधा छात्र-छात्राओं के चौमुखी विकास केलिए आवश्यक है और उन्होंने प्रो. नवल किशोर यादव का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के कुलानुशासक, प्रो. सूरज देव सिंह ने कहा कि इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर से कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं की क्रिएटिविटी बढ़ती है और परिसर में अनुशासन कायम रहता है। मंच का संचालन महाविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर, डॉ. प्रेम पंकज एवं धन्यवाद ज्ञापन पटना विश्वविद्यालय के छात्र संघ के अध्यक्ष, शांतनु शेखर ने किया।

पटना जिला के विक्रम प्रखंड के स्कूलों में ट्रांसमिशन अस्सेस्मेंट सर्वे-1 की हुई शुरूआत

- विद्यार्थियों की हुई फाइलेरिया जांच
- क्यू फैट किट से फाइलेरिया संक्रमण की हो रही जांच

प्रात : किरण संवाददाता



पटना। ट्रांसमिशन अस्सेस्मेंट सर्वे-1 (टास-1) की शुरूआत जिला के स्कूलों से की गयी. यह गतिविधि जिला के सरकारी और निजी स्कूलों में शुरू की गयी. जिला शिक्षा पदाधिकारी के निदेर्शानुसार कक्षा 1 और कक्षा 2 के बच्चों का रक्त सैंपल संद्रह किया जा रहा है. सैंपल इकठ्ठा करने के बाद क्यू फैट किट से फाइलेरिया संक्रमण की जांच की जाएगी. इसी क्रम में आज शनिवार को जिला के विक्रम प्रखंड से टास-1 की शुरूआत की गयी. विक्रम प्रखंड के में जिला वेक्टर बॉर्न डिजीज नियंत्रण पदाधिकारी डॉ सुभाष चंद्र प्रसाद द्वारा इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार, प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक मनोज कुमार, कल्याणी,मनीष कुमार, पिरामल स्वास्थ्य से प्रदीप कुमार उपस्थित थे. इस अवसर विद्यालय के प्रधान शिक्षक उत्तम कुमार, सहायक शिक्षक अमरदीप कुमार एवं अनु कुमारी फईलेरिया के जांच टीम को सहयोग किया. मालूम हो कि जिला के बख्तियारपुर, बिक्रम, बाढ़, बेलची, मोकामा, घोसवरी और पटना के शहरी क्षेत्रों में फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत टास-1 गतिविधि जिला के सरकारी और निजी स्कूलों में शुरू की जाएगी और क्यू फैट किट द्वारा ब्लड सैंपल की जांच किया जाएगा। साथ ही नौबतपुर प्रखंड में संचालित गतिविधि में 1533 बच्चों की जांच में किसी में भी फाइलेरिया संक्रमण पॉजिटिव नहीं मिला. शनिवार से यह गतिविधि विक्रम प्रखंड के अब यह गतिविधि सभी टास-1 प्रखंडों में आयोजित की जाएगी।

बिहार पेंशनर्स समाज द्वारा मुफ्त आंख जांच शिविर का हुआ आयोजन



प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार पेंशनर्स समाज पटना जिला मुख्यालय भद्र घाट में आयोजित मुफ्त आंख जांच शिविर का आयोजन, अध्यक्ष डॉ अविनाश प्रसाद जी के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुफ्त जांच के लिए एक,एस, जी, मल्टिस्पेसलिसट अस्पताल के औपथलमोलोजिस्ट शोभा कुमारी की तकनीक सराहनीय रहा। सहयोगी चिकित्सक सहायक नवीन जी और आलोक जी ने जांच,सलाह और मुफ्त दवा वितरण में सहयोग करते रहे। समाज के सदस्यों का सहयोग भी सराहनीय रहा। विशेष रूप से सचिव डॉ सुरेन्द्र प्रसाद जी का आयोजन और सक्रियता उत्कृष्ट रहा। सहयोगी उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी कुमारी, चंद्रीप प्रसाद,आर,पी सिन्हा, डॉ दिलीप कुमार, रामस्वरूप प्रसाद, प्रोफेसर राजेश्वर प्रसाद, एस,एन, सिन्हा, इत्यादि सक्रिय रहे। जांच में समाज के २९(उन्तिस)। लोगों को लाभ पहुंचाने में पेंशनर्स समाज पटना जिला अपनी आशीर्वाद प्राप्त किया। धन्यवाद ज्ञापन चंद्र दीप प्रसाद ने किया, अध्यक्ष ने सवों जलपान कराए और धन्यवाद के साथ कार्य क्रम का समापन फोटो सेसन के पश्चात किए।

भीरखुंद पंचायत में पुर्व मुखिया की दबंगई, बिहार सरकार के जमीन पर किया अवैध कब्जा

प्रात : किरण संवाददाता



भागलपुर। जिले सुल्तानगंज प्रखंड के भीरखुंद पंचायत में पुर्व मुखिया संजीव कुमार सुमन के द्वारा बिहार सरकार के जमीन पर अबैध कब्जा करते हुए मिट्टी की खरिद बिक्री कर समुदायिक भवन को तोडकर नये भवन निर्माण का मामला प्रकाश में आया है/इस मामले में सरपंच उदित नारायण मंडल एवं ग्रामीणों ने बताया कि पुर्व मुखिया संजीव कुमार सुमन के द्वारा बिहार सरकार के जमीन पर अबैध कब्जा करते हुए मिट्टी की खरीद बिक्री कर लिया और कहा कि भीरखुंद पंचायत के समुदायिक भवन को तोड़फोड़ कर नये भवन निर्माण कराया जा रहा है कि बात कही है/और कहा कि इस मामले के लिए मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, जिला पदाधिकारी, प्रखंड के पदाधिकारी को लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराया जाएगा कि बात कही/वहीं इस मामले में पुर्व मुखिया संजीव कुमार सुमन ने बताया कि ऐसा कोई बात नहीं है यह झुठा आरोप लगाया गया है कि बात कही/इस दौरान दर्जनों ग्रामीण वासी मौजूद थे।

स्थानांतरण पर प्राथमिक शिक्षक संघ ने बीईओ को दी विदाई

बिहटा। गोपाल विद्यार्थी. स्थानीय प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी नभेश कुमार के स्थानांतरण को लेकर शनिवार को प्राथमिक शिक्षक संघ के नेतृत्व में शिक्षकों ने प्रखंड सभागार में समारोह आयोजित कर विदाई दी मौके पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता संघ के प्रदेश अध्यक्ष जयराम शर्मा व संचालन प्रदेश सचिव आनंद कुमार मिश्रा ने किया वहीं मुख्य अतिथि बिहटा बीडीओ शिवजन्म राम, विशिष्ट अतिथि उप प्रमुख वरुण कुमार,कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश कुमार यादव, बिससूत्री अध्यक्ष कृष्णानु शांडिल्य, कृषि पदाधिकारी पवन ओझा, पंचायत समिति सदस्य नीरज कुशवाहा, अजय यादव व जदयू नेता बिपिन बिहारी समेत अन्यों ने संयुक्त रूप से किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीडीओ शिवजन्म राम ने कहा कि प्रत्येक सरकारी कर्मचारी व अधिकारी को अपने कर्तव्य से पीछे नहीं हटना चाहिए। वहीं संघ अध्यक्ष जयराम शर्मा समेत अन्य वक्ताओं ने कहा कि बीईओ नभेस कुमार का कार्यकाल सक्रियता और पारदर्शिता के लिए याद रखा जाएगा. अपने कार्यकाल में उन्होंने शिक्षकों की समस्या से जुड़े मामलों के त्वरित निबटारे को उन्होंने प्राथमिकता दी. वहीं कई शिक्षकों ने कहा कि बीईओ के साथ बिताए समय को वे हमेशा याद रखेंगे। मौके सिमरी उच्च विद्यालय के प्राचार्य डॉ खालिद हुसैन, सतीश कुमार, उमेश सिंह, बबन सिंह, राजीव कुमार, राजेश्वर यादव, अमरेंद्र कुमार, राकेश पासवान, विनय पासवान, अशोक आजाद, कन्हाई सिंह प्रवीण रंजन, ज्योति रंजन, गोविंदा पासवान, पंकज पाठक, श्वेता कुमारी, निशा कुमारी, वंदना शरण राहुल कुमार सुरेंद्र सिंह सहित कई अन्य मौजूद रहे।

जल जमाव की जायजा लेने अनुमंडलाधिकारी अनिरुद्ध पांडेय निकले

दानापुर। नगर के अंतर्गत बारिश के बाद होने वाली जल जमाव की स्थिति का जायजा लेने शनिवार को अनुमंडलाधिकारी अनिरुद्ध पांडेय निकले। इस दौरान साथ में कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार, नगर प्रबंधक ब्रजेश कुमार सिंह, कनीय अभियंता दिवाकर कुमार उपस्थित है। पदाधिकारियों के साथ गोला रोड, झखड़ी महादेव मार्ग, आरपीएस, रामजयपाल नगर, नहर मार्ग, कोथवां समेत कई इलाकों का भ्रमण किया एवं स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने साथ रहे पदाधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। श्री पांडेय ने बताया की बारिश के बाद पूर्व की तरह जल जमाव की समस्या नहीं है। सभी जगह से पानी निकल रहा है। बुडको द्वारा भी जल निकासी को लेकर पंप आदि का कार्य किया गया है। कुछ जगह पर अधूरा एवं खुला नाला से परेशानी हो रही है। जिसको लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। कार्यपालक पदाधिकारी पंकज कुमार ने बताया कि निर्माण कार्य के कारण कई जगहों पर सड़कों पर कीचर आदि की समस्या उत्पन्न हुई है। जिसको लेकर आवश्यक निर्देश दिया गया है।

बिहटा पब्लिक स्कूल में वेस्ट मैटेरियल प्रतियोगिता बच्चों ने दिया कचरे से कमाल का संदेश

कक्षा 4- 6 आश्विन व सहर्ष सोन ग्रुप एवं 8-10 में ऋचा ग्रुप बने विजेता



बिहटा। गोपाल विद्यार्थी।पर्यावरण संरक्षण व रचनात्मकता के प्रति बच्चों को जागरूक करने के उद्देश्य से स्थानीय बिहटा पब्लिक स्कूल में शनिवार को वेस्ट मैटेरियल प्रतियोगिता आयोजित की गई। मौके पर आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के प्राचार्य डॉ. उदय कुमार सिंह एवं निदेशिका सोनी सिंह ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से बच्चों में कचरे के सही इस्तेमाल और नवाचार की भावना विकसित होती है। कचरा भी काम आ सकता है का संदेश देते हुए बच्चों ने बोतल, कार्डबोर्ड, प्लास्टिक और अन्य अनुपयोगी सामान से आकर्षक मॉडल और सजावटी सामान बनाए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आश्विन ग्रुप एवं सहर्ष सोन, द्वितीय स्थान तान्या ग्रुप एवं तृतीय स्थान दीपिका ग्रुप को मिला।वहीं सीनियर विंग में ऋचा ग्रुप को प्रथम, संतोषी ग्रुप को द्वितीय तथाःआदित्य ग्रुप को तृतीय स्थान मिला। विजेता बच्चों को प्राचार्य और निदेशक द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया।निर्णायक की भूमिका शिक्षिका करिश्मा सिंह ने निभाई। मौके पर वीर बहादुर सिंह, सुषमा कुमारी, यशोदा कुमारी, सदानंद सिंह आदि मौजूद रहे।

मोनिया घाट पर अज्ञात वृद्ध का शव बरामद, पहचान कराने की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

फतुहा। नदी थाना क्षेत्र के मौजीपुर कृपालटोला स्थित मोनिया घाट के समीप गंगा नदी के किनारे शनिवार दोपहर लगभग एक बजे एक अज्ञात वृद्ध का शव बरामद हुआ। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची नदी थाना पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक जांच शुरू की। पुलिस ने बताया कि मृतक की अब तक पहचान नहीं हो सकी है। तलाशी के दौरान उसकी जेब से 10 जुलाई 2026 का एकंगरसराय से फतुहा तक का रेल टिकट बरामद हुआ। इसके अलावा उसके पास एक लाठी और सफेद रंग की चप्पल भी मिली। मृतक ने कमीज और धोती पहन रखी थी तथा उसके पैर में हल्की चोट के निशान पाए गए हैं। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना भेज दिया गया है। नदी थाना पुलिस ने आम लोगों से मृतक की पहचान कराने में सहयोग की अपील की है। यदि किसी व्यक्ति को मृतक के संबंध में कोई जानकारी हो या उसकी पहचान हो, तो वे मोबाइल नंबर 9031825910 पर सूचना दे सकते हैं। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा पहचान होने के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

सार्थक विमर्श और जनहित को सर्वोपरि रखने की भावना ही विधानसभा की गरिमा को बढ़ाती है: सम्राट

- गयाजी के बिपार्ड में आयोजित बिहार विधानसभा के सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) एवं मुख्यमंत्री शसम्राट चौधरी ने संयुक्त रूप से शुभारंभ किया
- विधायकों को जनता ने अपनी आवाज बनाकर सदन में भेजा है, इसलिए जनहित के मुद्दों को पूरी तैयारी और प्रभावी ढंग से सदन में उठाना उनकी जिम्मेदारी है
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के सपने को साकार करना है
- 15 जुलाई को बिहार के विभिन्न प्रखंडों में 213 नये डिग्री कॉलेजों की शुरूआत होगी

प्रात: किरण संवाददाता





पटना। गयाजी के बिपार्ड में आयोजित बिहार विधानसभा के सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानपरिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार एवं उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। बिपार्ड (गयाजी), प्राइड (लोकसभा) एवं बिहार विधानसभा सचिवालय के संयुक्त तत्वावधान में यह दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रबोधन कार्यक्रम को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन एवं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने संबोधित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों की रचनात्मक एवं सकारात्मक भूमिका आवश्यक है। स्वस्थ संवाद, सार्थक विमर्श और जनहित को सर्वोपरि रखने की भावना ही विधानसभा की गरिमा को बढ़ाती है तथा राज्य के विकास को नई गति देती है। उन्होंने कहा कि विधान सभा सत्र के दौरान अधिक से अधिक समय सदन को दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री' नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के समृद्ध बिहार के सपने को साकार करने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बिहार में पीपीपी मॉडल के माध्यम से बस स्टैंड, टाउनशिप तथा अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को गति देकर विकास को नई दिशा दी जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सहयोग कार्यक्रम चला रही है। मेरा अनुरोध है कि आप सभी इसमें सक्रिय भूमिका निभायें। आपकी सक्रिय भागीदारी से लोगों को न्याय और बेहतर सेवायें मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार की ऐतिहासिक पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि 15 जुलाई से राज्य के विभिन्न प्रखंडों में 213 नए डिग्री कॉलेजों की शुरूआत की जायेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल उच्च शिक्षा के विस्तार, युवाओं को अपने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने तथा समृद्ध बिहार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि गया जी में आयोजित यह दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम नवनिर्वाचित विधायकों को संसदीय परंपराओं, विधायी दायित्वों एवं जनसेवा की भावना को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान करेगा तथा एक सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा और समृद्ध बिहार के निर्माण की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उद्घाटन सत्र के पश्चात उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त), मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण ने संयुक्त रूप से तस्वीर खिंचवाई। प्रबोधन कार्यक्रम को बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार, बिहार विधानपरिषद् के सभापति श्री अवधेश नारायण सिंह एवं उप मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया।

ये रहें मौजूद:-

कार्यक्रम के दौरान बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेन्द्र नारायण यादव सहित मंत्रीगण, विधायकगण, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार,बिपार्ड के महानिदेशक डॉ बी राजेन्दर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री संजय कुमार सिंह, मगध प्रमंडल की आयुक्त डॉ सफीना एएन, मगध प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक विकास वैभव, जिलाधिकारी श्री शशांक शुभंकर, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री सुशील कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे। बिहार विधानसभा के सदस्यों के लिये दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में भाग लेने के लिये गयाजी पहुँचने पर उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गयाजी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया।

मरीजों को बिना पर्याप्त कारण उच्च संस्थानों के लिए रेफर नहीं किया जाए: मंत्री

- रेफरल व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर विभाग का विशेष जोर

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राज्य में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं मरीज-केंद्रित बनाने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के लिए रेफरल व्यवस्था को मजबूत करने संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। यह पहल सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित ₹सुलभ स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन₹ संकल्प को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मरीजों को उनके निकटतम सरकारी स्वास्थ्य संस्थान में ही गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध हो तथा अनावश्यक रेफरल पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार द्वारा समीक्षा बैठकों के दौरान स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि मरीजों को बिना पर्याप्त कारण उच्च संस्थानों के लिए रेफर नहीं किया जाए। स्वास्थ्य मंत्री के अनुसार जिला अस्पतालों एवं अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों, विशेषज्ञ चिकित्सकों तथा आधुनिक सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को अपने जिले में ही बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नए दिशा-निर्देश इन्हीं निर्देशों को प्रभावी रूप से लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हैं। स्वास्थ्य विभाग के सचिव कुमार रवि द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और केवल आवश्यकता पड़ने पर ही उच्च संस्थानों में रेफर करना सुनिश्चित करने की व्यवस्था सभी सिविल सर्जन द्वारा किया जाना है। मरीजों का पंजीकरण, चिकित्सकीय परामर्श, जांच, दवा, रेफरल एवं उपचार संबंधी सभी विवरण पोर्टल पर उपलब्ध रहेंगे। भर्ती मरीजों का आभा आई डी बनाकर उनका ईएचआर तैयार किया जाएगा, जिससे भविष्य में उपचार और अधिक सुगम एवं प्रभावी होगा। निदेशों में सभी जिला अस्पतालों में सात दिनों के भीतर आईसीयू एवं 247 इमरजेंसी सेवाओं के प्रभावी संचालन, चिकित्सकों एवं पारा मेडिकल कर्मियों के भव्य पोर्टल पर पंजीकरण, ड्यूटी रोस्टर की ऑनलाइन प्रविष्टि तथा सभी उपलब्ध चिकित्सीय सुविधाओं की अद्यतन जानकारी दर्ज करने को अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही मरीज को रेफर करने से पूर्व संबंधित चिकित्सक को यह सुनिश्चित करना होगा कि आवश्यक चिकित्सा सुविधा संबंधित संस्थान में उपलब्ध नहीं है। प्रत्येक रेफरल का स्पष्ट कारण दर्ज करना अनिवार्य होगा तथा मरीज की पोर्टल पर पूर्ण रूप से अपडेट करते हुए उसकी कंप्यूटरीकृत प्रति मरीज अथवा उसके परिजन को उपलब्ध कराई जाएगी। गंभीर मरीजों को रेफर करने से पहले एम्बुलेंस से भेजने के भी निर्देश दिए गए हैं। रेफरल व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में जिला पदाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण समिति का गठन किया गया है। यह समिति नियमित रूप से रेफरल मामलों की समीक्षा करेगी तथा अनावश्यक रेफरल की रोकथाम के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेगी। इसके लिए राज्य स्तर पर भी एक नोडल पदाधिकारी नामित किए गए हैं, जो सभी जिलों के साथ नियमित समीक्षा कर व्यवस्था की सतत निगरानी करेंगे। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में इन दिशा-निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन से मरीजों को अपने निकटतम सरकारी अस्पतालों में बेहतर एवं समयबद्ध उपचार उपलब्ध होगा, सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा राज्य की रेफरल व्यवस्था अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुदृढ़ बनेगी।

ग्रामीण आजीविका मिशन के लिए 833 करोड़ रुपए जारी, मिलेगी नई रफ्तार

- ग्रामीण विकास मंत्री ने कहा, योजना में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सुदृढीकरण है मुख्य उद्देश्य

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। ग्रामीण विकास तथा सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के माननीय मंत्री श्रवण कुमार ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत दीनदयाल उपाध्याय-ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) योजना के क्रियान्वयन के लिए 833.33 लाख रुपये जारी करने के साथ ही व्यय की स्वीकृति मिली है। इस राशि में केन्द्रांश के सामान्य, अनुसूचित जाति और जनजातीय क्षेत्रीय उपयोजना मद में 500.00 लाख (पांच करोड़) एवं इसके 60:40 के अनुपात में देय आनुपातिक राज्यांश की राशॉ 333.33 लाख (तीन करोड़ तैंतीस लाख तैंतीस हजार) रुपये शामिल है। ग्रामीण विकास मंत्री कुमार ने आगे कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन कर रहे निर्धन परिवारों के लिए जीविकोपार्जन और उसका विस्तार, वित्तीय समावेशन, रोजगार पाने योग्य कुशल बनाने के साथ-साथ स्वरोजगार को बढ़ावा देने एवं आजीविका संवर्द्धन से जोड़ने के लिए एनआरएलएम योजना वर्ष 2011-12 से चलाई जा रही है। इसका उदेश्य राज्य के युवाओं को बेरोजगारी के दंश से बचाने एवं उनको रोजगार मुहैया कराकर आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना है। उन्होंने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार की ओर से शुरू मुहिम को और धार देने के लिए हमारी एनडीए की सरकार कृत संकल्पित है।

गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से 16 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा



पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आषाढ़ शुक्ल द्वितीया गुरुवार 16 जुलाई को गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकलेगी। इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष पूर्व विधान पार्षद प्रोफेसर रणबीर नंदन ने बताया कि बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से रथयात्रा का समय 3 बजे निर्धारित है। रथयात्रा की आरती और झाड़ू लगाकर शुरूआत करने के लिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी जी को आमंत्रित किया गया है। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद की ओर से आयोजित गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी से निकलने वाली रथयात्रा की तैयारी में श्री राधा कुंज बिहारी मठ के संत-महात्मा लगे हुए हैं हैं। भगवान जगन्नाथ के साथ बलदेव व सुभद्रा के काष्ठ का विग्रह जगन्नाथपुरी से आया है। जबकि 40 फीट ऊंचा हाइड्रोलिक रथ बेगूसराय से मंगाया गया है। इसकी जागरुकता के लिए 14 से 15 जुलाई तक दिन के तीन बजे से संध्या 6 बजे तक गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में भगवान जगन्नाथ की महाकथा होगी। जगन्नाथ महकथा के मंच पर भगवान का उत्सव विग्रह मौजूद रहेगा। परमपूज्य भक्ति प्रमोद भागवत स्वामी महाराज कथा सुनाएंगे। वही 16 जुलाई को जगन्नाथ महकथा एक से ढाई बजे तक होगी। महाकथा के बाद हरदिन भक्तों के बीच प्रसाद का वितरण किया जाएगा। पूजा-आरती के बाद 3 बजे से रथयात्रा निकलेगी। जो गर्दनीबाग, मिठापुर, अनीसाबाद, कच्ची तालाब, बेउर मोड़ होते हुए वापस गर्दनीबाग ठाकुरवाड़ी पहुंचेगी। वहाँ भगवान की आरती के बाद भगवान को छप्पन भोग प्रसाद अर्पित करने के बाद विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन ने बताया कि रथयात्रा के लिए बंगाल के मायापुर के मृदंग वादक और वृंदावन की कीर्तन मंडली मुख्य आकर्षण होंगे। प्रो रणबीर नंदन ने कहा कि शास्त्रों में कहा गया है कि जो व्यक्ति एक बार भगवान जगन्नाथ को रथ पर विराजमान देखता है या रथ की रस्सी को स्पर्श करता है वह जन्म मृत्यु के चक्र से बाहर निकलने के योग्य हो जाता है। उन्होंने बताया कि सामान्यतः भक्त भगवान के दर्शन के लिए मंदिर जाते हैं। लेकिन, रथयात्रा में भगवान स्वयं मंदिर से निकल भक्तों को दर्शन देते हैं। जो व्यक्ति किसी कारण मंदिर नहीं जा सकता, उसे भी भगवान दर्शन देते हैं। रथ खींचने का अर्थ है कि जीवन को भगवान की इच्छा के अनुसार चलाने का संकल्प लें। पुराणों में वर्णित है कि जो श्रद्धा और भक्ति से भगवान के रथ को खींचता है, उसके कई जन्मों के पापकर्म क्षीण होते हैं। रथयात्रा में कोई रथ खींचता है, कोई कीर्तन करता है, कोई प्रसाद बांटता है, कोई सफाई करता है, कोई जल सेवा करता है। वैष्णव दर्शन के अनुसार भगवान की सेवा का प्रत्येक रूप आध्यात्मिक उन्नति का साधन है। वहीं राधा कुंज बिहारी मठ के अध्यक्ष रक्षक गिरधारी दास ने बताया कि रथयात्रा में भगवान की लीला पर आधारित झांकियों के साथ पूरे रास्ते रंगोली बनेगी और पुष्प वर्षा भी होगी। उन्होंने बताया कि 14 और 15 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की कथा 3 बजे से और 16 को दिन के 1 बजे से होगी। 14-15 को हलवा, खीर और 16 जुलाई की शाम में चावल-दाल-सब्जी आदि का भंडारा होगा।

राष्ट्रीय डिग्निटी अवॉर्ड-2026: उत्कृष्ट प्रतिभाओं का सम्मान समाज में सकारात्मक बदलाव की सबसे बड़ी प्रेरणा: श्रवण

प्रात: किरण संवाददाता



नई दिल्ली/पटना।दिल्ली स्थित दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज के सभागार में शनिवार को आयोजित नेशनल डिग्निटी अवॉर्ड-2026 समारोह में शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा, साहित्य और व्यवसाय समेत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार, असम-मिजोरम-अंडमान निकोबार-नागालैंड के पूर्व गवर्नर प्रो. जगदीश मुखी और यूपी सरकार के मंत्री डॉ. रघुराज सिंह बतौर मुख्यातिथि उपस्थित हुए। श्री श्रवण कुमार ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए और कहा कि किसी भी समाज की असली ताकत उसके वे लोग होते हैं, जो अपने कार्यों से दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं। समारोह का आयोजन अभिकल्पना संस्था की ओर से किया गया था।

सम्मान समारोह के दौरान देश के अलग-अलग राज्यों से आए शिक्षाविदों, चिकित्सकों, उद्यमियों, सामाजिक कार्यकताओं और साहित्यकारों को मंच पर आमंत्रित कर स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में कई ऐसे लोग भी शामिल रहे, जिन्होंने वर्षों से अपने-अपने क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए समाज के लिए नई मिसाल कायम की है।

मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पुरस्कार केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं होते, बल्कि वे समाज को बेहतर दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति के समर्पण और मेहनत को सार्वजनिक रूप से सम्मान मिलता है तो उससे नई पीढ़ी को भी उत्कृष्ट कार्य करने का उत्साह मिलता है। उन्होंने विजेताओं को बधाई देते हुए उनसे समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका आगे भी निभाने का आह्वान किया।

मंच से सभी अतिथियों ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान समारोह प्रतिभाओं को पहचान देने के साथ-साथ सेवा और समर्पण की भावना को भी मजबूत करते हैं।

आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष नेशनल डिग्निटी अवॉर्ड के तहत शिक्षा, चिकित्सा, सामाजिक सेवा, साहित्य और व्यवसाय सहित अनेक श्रेणियों में सम्मान प्रदान किए गए। समारोह में बड़ी संख्या में शिक्षाविद, प्रशासनिक अधिकारी, सामाजिक संगठन के प्रतिनिधि और विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं।

हरित रोजगार और सस्टेनेबल टूरिज्म की दिशा में बिहार की बड़ी पहल, 13 को इन्वेस्टर्स मीट

- प्रकृति का खजाना अब बनेगा पर्यटन का गढ़, विभाग का बड़ा इकोटूरिज्म प्लान

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। राज्य में इकोटूरिज्म के सुनियोजित विकास और निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए 13 जुलाई को पटना के होटल मौर्या में इकोटूरिज्म इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया जा रहा है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से आयोजित इस सम्मेलन के माध्यम से प्रदेश के 29 जलाशयों तथा 247 तालाबों, पोखरों, झीलों एवं आर्द्रभूमियों पर इकोटूरिज्म आधारित परियोजनाओं के विकास के लिए देशभर के इच्छुक निवेशकों को आमंत्रित किया गया है। विभाग राज्य की प्राकृतिक संपदा को पर्यटन के साथ जोड़कर सतत विकास, संरक्षण और स्थानीय आर्थिक सशक्तिकरण का लक्ष्य रखा है। पीपीपी मॉडल पर जोर: विभाग पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल के तहत निजी निवेश को प्रोत्साहित कर रहा है। चयनित निवेशकों को परियोजनाओं के विकास के लिए संबंधित स्थल 30 वर्ष की लीज पर उपलब्ध कराए जाएंगे। परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए सभी आवश्यक विभागीय अनुमतियां समयबद्ध तरीके से दी जाएंगी तथा वित्तीय व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (भीजीएफ) के माध्यम से वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी।

परियोजनाओं की श्रेणियां: परियोजनाओं को दो श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ग्रुप-ए में जलाशय आधारित इकोटूरिज्म परियोजनाएं शामिल हैं, जबकि ग्रुप-बी में तालाब, पोखर, झील एवं अन्य जल निकाय आधारित परियोजनाएं रखी गई हैं। न्यूनतम टर्नओवर की शर्तें: ग्रुप-ए की परियोजनाओं के लिए प्रति स्थल न्यूनतम 10 करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर अनिवार्य होगा। एक से अधिक स्थलों के चयन की स्थिति में यह सीमा बढ़ेगी, लेकिन अधिकतम 50 करोड़ रुपये तक सीमित रहेगी। ग्रुप-बी के लिए प्रति स्थल न्यूनतम 2 करोड़ रुपये का वार्षिक टर्नओवर निर्धारित है, जिसकी अधिकतम सीमा 10 करोड़ रुपये रखी गई है।

वर्तमान स्थिति एवं आरएफपी: वर्तमान में भीमबांध वाइल्डलाइफ सेंचुरी में इकोटूरिज्म परियोजना के लिए आरएफपी जारी किया गया है, जिसकी अंतिम तिथि 28 जुलाई है। अन्य परियोजनाओं के लिए ईओआई (एक्सपिरियन्स ऑफ इंट्रेस्ट) भी आमंत्रित किए गए हैं। विदित हो कि बीते 24 मई 2026 को विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री आनंद किशोर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इन परियोजनाओं की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा हुई थी। बैठक में बताया गया कि राज्य के 29 जलाशयों और 247 अन्य जल निकायों को इकोटूरिज्म विकास के लिए चिन्हित किया गया है। बैठक में बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के सचिव अनिल कुमार, सीकेसीपीएल आर्किटेक्ट्स के निदेशक शोभित राज, बिहार होटल्स के वरिष्ठ सलाहकार एस पी सिन्हा, सहित लगभग 25 निवेशकों और विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। यह निवेशक सम्मेलन राज्य में सतत पर्यटन को बढ़ावा देने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, स्थानीय समुदायों के आर्थिक सशक्तीकरण तथा हरित रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विभाग ने देशभर के उद्यमियों और निवेशकों से आह्वान किया है कि वे इस सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लेकर बिहार में इकोटूरिज्म विकास का भागीदार बनें।

राम मंदिर चंदा चोरी मामले पर प्रधानमंत्री मौन क्यों हैं? : रमण

कहा- सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज के नेतृत्व में राम मंदिर ट्रस्ट चंदा चोरी मामले की हो जांच



पटना। राम मंदिर चंदा चोरी मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार मौन धारण किए हुए जबकि ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ तो इस मामले में नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्हें अपनी जवाबदेही स्पष्ट करनी चाहिए। इस मामले में यदि कोई गड़बड़ी नहीं हुई है तो फिर राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े चंपत राय बंसल और अनिल मिश्र ने इस्तीफा क्यों दिया ? चंदा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज के निगरानी में स्वतंत्र जांच की मांग से फिर ट्रस्ट से जुड़े लोग और सरकार डर क्यों रही है ? ये बातें प्रयागराज से कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा। लोकसभा सांसद उज्ज्वल रमण सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा भी भाजपा और आरएसएस की राजनीतिक लूट का शिकार हो चुका है। मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। आज करोड़ों रामभक्त यह पूछने को मजबूर हैं कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ावा आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया ? यह केवल आर्थिक घोटाला नहीं है। यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और भावनाओं के साथ किया गया घोर विश्वासघात है।

भाजपा में कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी ताकत, मंडल का कार्यकर्ता भी बन सकता है प्रत्याशी : नीरज

- भाजपा प्रत्याशी का दावा- बांकीपुर में फिर खिलेगा कमल

प्रात: किरण संवाददाता



पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा द्वारा प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद भाजपा नेता नीरज कुमार सिन्हा ने केंद्रीय नेतृत्व एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा ही देश की एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है, जहां एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत, समर्पण और संगठन के प्रति निष्ठा के बल पर सर्वोच्च जिम्मेदारियां प्राप्त कर सकता है। नीरज कुमार सिन्हा ने कहा कि जब उन्हें पार्टी द्वारा बांकीपुर से प्रत्याशी बनाए जाने की जानकारी मिली, उस समय वे मंडल स्तर पर संगठन के कार्य में जुटे हुए थे और कार्यकर्ताओं के बीच पर्ची बांट रहे थे। उन्होंने कहा कि यह केवल भाजपा की कार्यकर्ता-आधारित संस्कृति में ही संभव है कि संगठन में जमीन पर काम करने वाले एक साधारण कार्यकर्ता पर इतना बड़ा विश्वास जताया जाता है। इसके लिए उन्होंने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा, संगठनात्मक मजबूती और समर्पित कार्यकताओं की शक्ति के सामने अन्य कोई राजनीतिक दल टिक नहीं सकता। भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित और जनसेवा को सर्वोपरि मानकर काम करता है और यही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं को पार्टी का एक अनुशासित और समर्पित कार्यकर्ता मानते हैं तथा संगठन के प्रत्येक निर्देश का पालन करना उनका दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धियों और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के विकास कार्यों और बांकीपुर की जनता के स्नेह एवं आशीर्वाद के बल पर भाजपा एक बार फिर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर बांकीपुर में कमल खिलाने का कार्य करेगी।

अलर्ट: बाढ़ से प्रभावित होने वाले विद्यालयों की पहचान कर वैकल्पिक स्थान की पूर्व योजना बनाई जाए

- शिक्षा विभाग ने संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। शिक्षा विभाग ने बाढ़ से प्रभावित होने वाले विद्यालयों की पहचान कर बाढ़ आने से पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण कर लेने का आदेश दिया है। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के पास पत्र भेजा है। शिक्षा विभाग ने कहा है कि जो विद्यालय बाढ़ से प्रभावित रहते हैं उन विद्यालयों के अभिलेख, शिक्षण सामग्री और उपकरण सुरक्षित स्थान पर रखा जाए।

जिन विद्यालयों में राहत शिविर लगाने की संभावना हो, वहां पढ़ाई के लिए वैकल्पिक स्थान की पूर्व योजना बनाई जाए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को बाढ़ के दौरान क्या करें और क्या न करें की नियमित जानकारी दी जाए।

विद्यार्थियों और अभिभावकों को पठन-पाठन सामग्री सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया जाए। राहत शिविर में रहने वाले बच्चों के लिए प्रतिदिन 3 से 4 घंटे की पठन-पाठन, खेलकूद और ज्ञानवर्धक गतिविधियों की व्यवस्था की जाए।

बच्चों को बाढ़ से बचाव, डूबने से सुरक्षा एवं नाव सुरक्षा संबंधित जानकारी दी जाए। वहीं विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों की सुरक्षा एवं उचित देखभाल हो। राहत शिविरों में बच्चों को पोषण, स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल एवं हाथ धोने जैसी आदतों पर विशेष ध्यान देने, विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए पर्याप्त खाद्यान और गैस सिलेंडर की व्यवस्था करने, सभी विद्यालयों में प्राथमिक चिकित्सा किट उपलब्ध कराने आदि का निर्देश दिया गया है।

पर्यावरण मंत्री ने 24 नवनियुक्त वन क्षेत्र पदाधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

- जलवायु परिवर्तन ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए वन क्षेत्र पदाधिकारियों को मिलेगा प्रशिक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

पटना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने शुक्रवार को अरण्य भवन के सभागार में 24 नवनियुक्त वन क्षेत्र पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम में विभागीय मंत्री डॉ. रामचंद्र प्रसाद ने नव नियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए राज्य की प्राकृतिक धरोहर के संरक्षण के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय चुनौतियों के बढ़ते संकट के बीच वन क्षेत्र पदाधिकारियों की जिम्मेदारी और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। मंत्री ने इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिकारियों को बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। विभाग के अपर मुख्य सचिव आनंद किशोर ने नव नियुक्त अधिकारियों को संबोधित करते हुए विभाग के कार्यों और दायित्वों को पांच खंडों में विभक्त कर वन क्षेत्र पदाधिकारियों की भूमिका को विस्तार से स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों के बढ़ते आयामों को देखते हुए अधिकारियों को स्वयं को तदनुरूप तैयार करना होगा। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त किया कि नव नियुक्त अधिकारी नवीन तकनीकों, वैज्ञानिक प्रबंधन, ईको-पर्यटन और जनसहभागिता के माध्यम से राज्य के वन संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) अरविंदर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वन क्षेत्र पदाधिकारी विभाग की अग्रिम पंक्ति के अधिकारी होते हैं और विभागीय कार्यों के निर्वहन में उनकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से सेवा में अनुशासन, सत्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और व्यावसायिक उत्कृष्टता बनाए रखने का आह्वान किया तथा विभाग की गौरवशाली परंपराओं के अनुरूप कार्य करने की प्रेरणा दी। इस मौके पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कैम्पा) सुरेन्द्र सिंह, मुख्य वन संरक्षक (आईटी) एस चन्द्रशेखर, विशेष सचिव आलोक कुमार एवं अन्य वरीय पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि ट्रस्ट के शीर्ष

संक्षिप्त खबरें

जहरीला पदार्थ सेवन से विवाहिता की मौत

दरभंगा। मनीगाछी थाना क्षेत्र के सकरी स्थित एक निजी अस्पताल में शनिवार सुबह जहरीला पदार्थ से गंभीर विवाहिता की मौत इलाज के दौरान हो गई। मृत की पहचान मनीगाछी के जलेगर गांव निवासी राजाराम यादव की पत्नी शांति देवी के तौर पर हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। पुलिस ने मृत के भाई सच्चिदानंद यादव व बलराम कुमार के बयान पर मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट तैयार किया। इस क्रम में शांति देवी के बाल में गोबर लगा दिखा। स्वजन ने बताया कि मृत के दो लड़का और एक लड़की है। बच्चों की बेहतर पढ़ाई के लिए दरभंगा शहर के एक मोहल्ले में पति-पत्नी दोनों रहते थे। तीन दिनों पहले अचानक बच्चों के साथ दंपत्ति गांव पहुंचे। फिर दोनों के बीच जमकर कहासुनी और मारपीट हुई। इससे गुस्से में आकर शांति देवी ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इसकी जानकारी होने के बाद स्वजन उसका उपचार सकरी के निजी अस्पताल में भर्ती करा रहे थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर स्वजन को सौंप दिया है।

मारपीट के एक मामले पंचायत समिति सदस्य को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बेनीपुर (दरभंगा)।घनश्यामपुर थाना क्षेत्र के बूढ़ेव इनायतपुर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य तुलमोहन राम को मारपीट के एक मामले में पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। आरोपी की गिरफ्तारी शुक्रवार देर रात उसके पैतृक गांव कुमरौल से की गई। जानकारी के अनुसार, कुमरौल गांव में हुई मारपीट की घटना को लेकर पीड़ित पक्ष राम चंद्र मुखिया के द्वारा घनश्यामपुर थाना में 16 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी तुलमोहन राम पुलिस कार्रवाई के डर से घर छोड़कर फरार चल रहा था। थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अपने घर पर मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार देर रात छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान का आगाज

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के जगतारणी उत्क्रमित उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खम्हार में शनिवार को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता लाने के लिए ह्यएक पेड़ मां के नामह्ल पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानाध्यापिका आरती आनंद ने महोगनी का पौधा लगाकर किया। उन्होंने पौधारोपण को एक महापर्व के रूप में मनाने का संदेश दिया। विद्यालय के वरीय शिक्षक सुरेश कुमार ने बच्चों को अपने घरों के आसपास भी पेड़ लगाने और जल संरक्षण के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विज्ञान शिक्षक मनोज कुमार साह और नोडल शिक्षक कुणाल कुमार ने पर्यावरण सुरक्षा को नागरिकों की जिम्मेदारी बताया। कार्यक्रम में नवगठित इको क्लब और यूथ क्लब के सदस्यों सहित सभी शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

परिवार कल्याण स्टॉल का हुआ उद्घाटन 6 महिलाओं का होगा बंध्याकरण

विभूतिपुर/समस्तीपुर। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विभूतिपुर में परिवार कल्याण से संबंधित एक विशेष स्टॉल लगाया गया। स्टॉल का उद्घाटन मुख्य रूप से चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मधु कुमारी, बीएचएम अनिल कुमार राय, बीसीएम रंजना कुमारी और ह्यसंपर्क विहारह्ल के प्रतिनिधि गौतम कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।मौके पर अस्पताल के सभी कर्मी उपस्थित थे।इस अभियान के तहत ह्यसंपर्क विहारह्ल संस्था के सहयोग से कुल छह महिला मरीजों को बंध्याकरण ऑपरेशन के लिए लाइन-लिस्ट किया गया है। ऑपरेशन के लिए चयनित मरीजों में सविता देवी, पूजा कुमारी, मंजू कुमारी, नसीमा खातून और ज्योति कुमारी शामिल हैं।

टीबी मरीजों के बीच प्रोटीन युक्त फूड पैकेट का वितरण

विभूतिपुर/समस्तीपुर। जिला पदाधिकारी के निदेर्शानुसार शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विभूतिपुर में टीबी मरीजों के बीच प्रोटीन युक्त फूड पैकेट का वितरण किया गया। मरीजों को जल्द स्वस्थ होने और बेहतर पोषण प्रदान करने के उद्देश्य से यह राहत सामग्री बांटी गई।इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. मधु कुमारी, ब्लॉक हेल्थ मैनेजर अनिल कुमार राय, सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर प्रदीप कुमार, वरीय लिपिक मृत्युंजय कुमार और विनोद कुमार दास उपस्थित थे।

अब महादलित टोलो में घर-घर बनेंगे आयुष्मान कार्ड, 21 जुलाई से विशेष अभियान, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

●महादलित टोलों में आयुष्मान कार्ड बनाने को विशेष अभियान डीएम ने अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

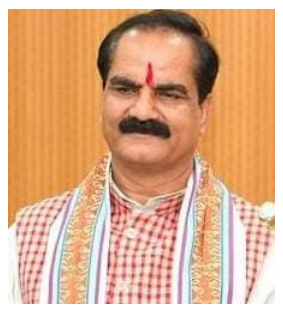
प्रात : किरण संवाददाता



मधुबनी। जिले के सभी पात्र लाभार्थियो को आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं आयुष्मान वय वंदना योजना से जोड़ने के लिए 21 जुलाई से विशेष अभियान चलाया जाएगा। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने इस संबंध में सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए है। अभियान के तहत 15 दिनो तक विकास मित्रो के माध्यम से अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलों में घर-घर पहुंचकर आयुष्मान कार्ड तथा आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। वहीं 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को उनकी सामाजिक अथवा आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना आयुष्मान वय वंदना कार्ड से आच्छादित किया जाना है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिले की सभी पंचायतों के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति टोलों में शेष पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उनका आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड हर हाल में बनाया जाए। इसके लिए विकास मित्रों के माध्यम से विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही लाभार्थियों को आवश्यकतानुसार निकटवर्ती कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) भेजकर भी कार्ड बनवाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।जिलाधिकारी ने अभियान के दौरान किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही पर संबंधित विकास मित्रों एवं अन्य कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।अभियान के प्रभावी संचालन एवं अनुश्रवण के लिए वरीय उप समाहर्ता ज्योति रानी को नोडल पदाधिकारी नामित किया गया है। वे जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक (आयुष्मान भारत) के साथ पूरे अभियान की निगरानी करेंगी। वहीं जिला क्रियान्वयन इकाई, आयुष्मान भारत को नए यूजर आईडी निर्माण सहित सभी आवश्यक तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

दूध तथा दही उत्पादन के क्षेत्र में दरभंगा को आत्मनिर्भर बनाने की हो रही पहल : सांसद

प्रात : किरण संवाददाता



दरभंगा। मिथिला क्षेत्र को दूध तथा दही उत्पादन के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस पहल की जा रही है। पिछले दिनों लोकसभा सत्र के दौरान स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने केन्द्रीय पशुपालन, मत्स्यपालन तथा डेयरी विकास मंत्री राजीव रंजन सिंह को पत्र देकर इस संबंध में शीघ्र पहल करने का आग्रह किया था जिसका सकारात्मक परिणाम अब सामने आया है तथा दरभंगा में दूध एवं दही प्रसंस्करण इकाई की स्थापना की पहल शुरू कर दी गई है। केंद्रीय पशुपालन मत्स्यपालन तथा डेयरी मंत्रालय के द्वारा सांसद डा ठाकुर को इस संबंध में भेजे गए पत्र के आलोक में सांसद डा ठाकुर ने बताया है कि पिछले दिनों नई दिल्ली में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ह्यललन सिंहह्ल से भेंट कर दरभंगा में डेयरी क्षेत्र के व्यापक विकास एवं आधुनिक डेयरी अवसंरचना की स्थापना के संबंध में एक विस्तृत प्रस्ताव सौंपा था जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। सांसद डा ठाकुर ने बताया है कि केंद्रीय मंत्री ने इस मुद्दे पर सकारात्मक पहल करते हुए अवगत कराया है कि दरभंगा में 2 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले अत्याधुनिक डेयरी प्रसंस्करण संयंत्र तथा 30 मीट्रिक टन प्रतिदिन क्षमता वाली दही निर्माण इकाई की स्थापना की दिशा में पहल प्रगति पर है। सांसद डा ठाकुर ने दरभंगा सहित मिथिला क्षेत्र को दुग्ध तथा दही उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस पहल बताते हुए कहा है कि यह पहल दरभंगा के दुग्ध उत्पादक किसानों, पशुपालकों एवं युवाओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी तथा रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति प्रदान करेगी। सांसद डा ठाकुर ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के द्वारा किसानों, पशुपालकों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए निरंतर किए जा रहे कार्यों की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि दरभंगा के ग्रामीण विकास एवं जनहित से जुड़े प्रत्येक विषय के संबंध में केंद्र सरकार के द्वारा निरंतर पहल किए जा रहे हैं तथा दरभंगा जिले के विकास को नई गति प्रदान की जा रही है।

डॉ.अभय कुमार शर्मा ने किया दरभंगा पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य पद का कार्यभार ग्रहण

शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रयोगशाला आधारित शिक्षा पर दिया विशेष बल



प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, बिहार, पटना के निर्देश के आलोक में डॉ. अभय कुमार शर्मा ने दरभंगा पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया। कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत डॉ.शर्मा ने महाविद्यालय परिसर का व्यापक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न शैक्षणिक शाखाओं, प्रयोगशालाओं, कक्षाओं, प्रशासनिक कार्यालयों तथा अन्य उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं का अवलोकन किया।निरीक्षण के क्रम में उन्होंने महाविद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की नई ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए सभी को समर्पित भाव से कार्य करना होगा। उन्होंने महाविद्यालय के सभी व्याख्याताओं एवं कर्मियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए नियमित कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रयोगशाला आधारित व्यावहारिक शिक्षण पर विशेष बल दिया जाए।उन्होंने स्पष्ट किया कि तकनीकी शिक्षा में प्रयोगात्मक ज्ञान का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है,इसलिए सभी प्रयोगशालाओं का अधिकतम उपयोग करते हुए विद्यार्थियों को व्यावहारिक दक्षता प्रदान की जाए। डॉ.शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सहयोग से दरभंगा पॉलिटेक्निक कॉलेज तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल करेगा तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान करने के अपने उद्देश्य को और अधिक प्रभावी ढंग से पूरा करेगा।

मिथिला विश्वविद्यालय पीजी भूगोल विभाग में विश्व जनसंख्या दिवस कार्यक्रम आयोजित

मानव जनसंख्या को अधिक उपयोगी और महत्त्वपूर्ण संसाधन बनाने पर जोर

प्रात : किरण संवाददाता



दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग में विश्व जनसंख्या दिवस अत्यंत गरिमापूर्ण माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ अनुरंजन ने की। इस अवसर पर विभाग के प्राध्यापक, शोधार्थी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप में बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के विभागाध्यक्ष डॉ रूपा कुमारी उपस्थित रहीं। वहीं मुख्य वक्ता के साथ ही मुजफ्फरपुर से भूगोल विभाग के ही डॉ सिरिन हयात ने भी अपने विचार साझा किए। अपने संबोधन में मुख्य वक्ता ने विशेष रूप से नारी सशक्तिकरण, जनसंख्या नियंत्रण और महिला स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न गंभीर पहलुओं पर प्रकाश डाला और समाज में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। अध्यक्षीय भाषण देते हुए विभागाध्यक्ष डॉ अनुरंजन ने जनसंख्या के प्रति एक सकारात्मक और नया दृष्टिकोण को सामने रखा। उन्होंने कहा कि नए भारत और बिहार की बढ़ी हुई जनसंख्या कोई अभिशाप नहीं, बल्कि एक वरदान है। आज हमें केवल सजग होने की आवश्यकता है। यदि हम मानव के भीतर छिपे गुणों को निखारें और उन्हें सही शिक्षा व कौशल प्रदान करें तो हम देश की विशाल आबादी को एक कुशल मानव संसाधन के रूप में बदल सकते हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में विभाग के डॉ रश्मि शिखा, डॉ मनु राज शर्मा और डॉ सुनील कुमार सिंह की सक्रिय भूमिका रही। इसके साथ ही विभाग के शोधार्थी- नन्दन कुमार सत्यम, अभिषेक आकर्ष, सुरभि कुमारी, समद आजम एवं संजय कुमार कामत सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और परिचर्चा में भाग लिया।

प्रख्यात अधिवक्ता पंडित ताराकांत झा की 99वीं जयंती पर अधिवक्ताओं ने किया नमन

प्रात : किरण संवाददाता



दरभंगा। मिथिला राज्य की मांग को लेकर जीवनभर संघर्ष करने वाले प्रख्यात अधिवक्ता एवं पूर्व महाधिवक्ता पंडित ताराकांत झा की 99वीं जयंती पर शनिवार को जिला बार एसोसिएशन, दरभंगा के वकालतखाना भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता रमणजी चौधरी ने की। इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने उनके तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिवक्ता अरुण कुमार चौधरी ने कहा कि पंडित ताराकांत झा वर्ष 1956 से 2014 तक विधि व्यवसाय से जुड़े रहे। उन्होंने बिहार विधान परिषद के सभापति, बिहार के पूर्व महाधिवक्ता, बार काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्वाचित सदस्य, बिहार स्टेट बार काउंसिल के चेयरमैन तथा बिहार विधान परिषद में प्रतिपक्ष के नेता सहित अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उन्होंने कहा कि ह्लभीख नहि अधिकार चाही, हमरा मिथिला राज्य चाहीह्ल का नारा देने वाले तारा बाबू राजनीतिक शुचिता, विधि सेवा और मिथिला के अधिकारों के लिए किए गए संघर्ष के कारण सदैव याद किए जाएंगे। इस अवसर पर नोटरी पब्लिक किरण कुमारी, अधिवक्ता दीनबंधु झा, प्रदीप यादव, संजीव कुमार, रंजीत कुमार संडवार, अमरनाथ मंडल, जाहिद हुसैन, मनोज कुमार, बूलन कुमार झा, रामवृक्ष सहनी, अमरनाथ झा, श्याम बिहारी राय ह्यसरसह्ल, अनिल कुमार मिश्रा, गोमती कुमारी, संतोष कुमार सिन्हा, अभय यादव, चंदन साह, कुलदीप दीवान, अधिवक्ता लिपिक विनय कुमार झा, मुरारी यादव सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे।

कुशेश्वरस्थान पूर्वी को मिले नए सीओ राकेश रोशन भारती,किया विधिवत पदभार ग्रहण

प्रात : किरण संवाददाता



कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। अंचल को शनिवार को नया नेतृत्व मिला. राकेश रोशन भारती ने अंचलाधिकारी के रूप में विधिवत पदभार ग्रहण किया। कार्यालय पहुंचते ही उन्होंने सभी शाखाओं का निरीक्षण किया और कर्मियों से परिचय लेकर लंबित मामलों की जानकारी ली. पदाधिकारियों और कर्मियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।पदभार के बाद पत्रकारों से बातचीत में नए सीओ ने साफ कहा कि उनका फोकस पारदर्शी और समय पर सेवा देना होगा।सीओ राकेश रोशन भारती ने कहा कि दाखिल-खारिज, परिमार्जन, अतिक्रमण, जाति, आय और आवासीय प्रमाण-पत्र जैसे काम तय समय सीमा में निपटाए जाएंगे. कार्यालय आने वाले हर फरियादी की बात गंभीरता से सुनी जाएगी. समस्याओं का नियमानुसार त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा. ताकि लोगों को बार-बार चक्कर नहीं लगाना पड़े।उन्होंने कहा कि कुशेश्वरस्थान पूर्वी बाढ़ प्रभावित क्षेत्र है. मानसून के दौरान प्रशासन पूरी सतर्कता से काम करेगा. राहत और पुनर्वास कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. सरकारी भूमि की सुरक्षा, अवैध अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई और राजस्व वसूली भी प्राथमिकता में रहेगी। नए सीओ श्री भारती ने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन होगा. इसके लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और आम लोगों के साथ बेहतर समन्वय बनाया जाएगा. अंचल कार्यालय को अधिक जवाबदेह और जनहितैषी बनाने का प्रयास होगा। पदभार ग्रहण के समय अंचल कार्यालय के पदाधिकारी, कर्मचारी और कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. नए सीओ के आने से लोगों को उम्मीद है कि राजस्व और जनहित से जुड़े कार्यों में तेजी आएगी और समस्याओं का समयबद्ध निपटारा होगा।

श्यामा मंदिर न्यास समिति के सदस्यों व दंडाधिकारी के समक्ष गलाया गया दान से प्राप्त जेवर

प्रात : किरण संवाददाता



दरभंगा। मां श्यामा मंदिर में दान से प्राप्त गहना एवं जेवर को शुक्रवार को गलाया गया। यह काम मां श्यामा मंदिर न्यास समिति के सदस्यों एवं विधिवत नियुक्त दंडाधिकारी के समक्ष पारदर्शितापूर्ण तरीके से किया गया। सभी गहना एवं जेवर को गलाने के बाद उसका वजन किया गया। इस अवसर पर न्यास समिति के अध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र मोहन झा, उपाध्यक्ष पं. कमला कांत झा, प्रभारी सह सचिव मधुबाला सिन्हा, कोषाध्यक्ष सह प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर रविरंजन कुमार, न्यास समिति के सदस्य डा. संतोष कुमार पासवान, पूर्व सह सचिव सह सदस्य डा. श्रीपति त्रिपाठी, प्रभारी प्रबंधक रमानाथ झा की मौजूदगी में दंडाधिकारी के रूप में राकेश कुमार, अपर समाहर्ता, विभागीय जांच एवं सहायक दंडाधिकारी के रूप में सुश्री प्रियंका तैनात थे। सुरक्षा एवं तकनीकी जांच की व्यवस्था हेतु विश्विद्यालय थाना की पुलिस एवं डगरू सेठ ज्वेलर्स के संतोष लाठ की टीम के सदस्यों की मौजूदगी में दान पेटी से प्राप्त तथा काउंटर से प्राप्त सफेद एवं पीले धातु की शुद्धता की जांचकर सभी के समक्ष धातु को लैब में गलाकर टुकड़े के रूप में तैयार किया गया। कोषाध्यक्ष ने प्रभारी प्रबंधक को उपाध्यक्ष की उपस्थिति में जेवर गलाने के उपरांत 1369 ग्राम चांदी एवं 59.819 ग्राम सोना का प्रमाण सहित अभिरक्षा में रखवाया। इससे पूर्व शुक्रवार की सुबह 11 बजे से चले इस अभियान में देर सायं तक संबंधित लोग उपस्थित रहे। हालांकि इसके बावजूद सभी गहना की गणना एवं गलाने का कार्य पूरा नहीं हो सका। इसके लिए न्यास समिति के अध्यक्ष ने शीघ्र अगली तिथि निर्धारित किए जाने बात कही।

सीओ रणधीर रमन को दी गई भावपूर्ण विदाई, अब केउटी में संभालेंगे कमान

प्रात : किरण संवाददाता



विभूतिपुर/समस्तीपुर। विभूतिपुर अंचल में 2 वर्ष 4 महीने 27 दिन का कार्यकाल पूरा होने पर अंचल अधिकारी रणधीर रमन को शुक्रवार शाम समारोहपूर्वक विदाई दी गई। उप प्रमुख सुजीत कुमार चौधरी की अध्यक्षता एवं कृष्णदेव प्रसाद सिंह के संचालन में आयोजित कार्यक्रम को स्थानीय विधायक अजय कुमार, प्रखंड प्रमुख सुनीता देवी, आरजेडी प्रखंड अध्यक्ष रविंद्र कुमार राय, वरिष्ठ नागरिक राधाकांत चौधरी, प्रभारी बीडीओ संजीव कुमार, आर ओ कैलाश प्रसाद मंडल, श्याम किशोर कमल, प्रमुख प्रतिनिधि दिलीप नारायण सिंह, श्याम कुशवाहा, रमाकांत राय, मिथिलेश कुमार सिंह, निरंजन कुमार, राहुल कुमार और जौकी ने संबोधित करते हुए सीओ के सेवाकाल की सराहना की। अंत में केउटी अंचल में स्थानांतरित हुए सीओ रणधीर रमन को अंग वस्त्र देकर सम्मानित व विदा किया गया। मौके पर दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद थे।

डीएमसीएच में कर्मचारियों का धरना चौथे दिन भी जारी, अधीक्षक को हटाने की मांग तेज

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (डीएमसीएच) के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल परिसर में शनिवार को विभिन्न मांगों को लेकर कर्मचारियों का धरना-सत्याग्रह चौथे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. जगदीश चन्द्र को पद से हटाने, उनके पिछले छह माह के कार्यकाल की जांच कराने, प्रभारी उपाधीक्षक डॉ. सुरेन्द्र कुमार पर कार्रवाई करने तथा बीएससी नर्सिंग कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती भवानी भारती को बर्खास्त करने सहित 20 सूत्री मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखा। धरना सभा को संबोधित करते हुए संघ के अध्यक्ष अनिल कुमार सिन्हा एवं मंत्री अजय कुमार साह ने आरोप लगाया कि अधीक्षक की कार्यशैली के कारण डीएमसीएच की व्यवस्था लगातार बदहाल हो रही है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त सरकारी राशि उपलब्ध होने के बावजूद मरीजों को आवश्यक दवाएं और जांच सामग्री समय पर उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। साथ ही, कर्मचारी विरोधी रवैये और मनमानी कार्रवाई का भी आरोप लगाया गया। वक्ताओं ने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। फिलहाल शांतिपूर्ण तरीके से धरना-सत्याग्रह जारी है, लेकिन मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना में मो. जमील, मधु महतो, अमरेन्द्र कुमार सिंह, लालन शर्मा, सुरेश कुमार साह, मो. सदर आलम, विजय कुमार, चन्द्रनारायण, नवल किशोर साह, रामबालक यादव, पूनम कुमारी, शारदा सिन्हा, बैद्यनाथ ठाकुर, रोहित कुमार, प्रमोद राम, उषा कुमारी, जयन्ती कुमारी, शिखा राज, संगीता कुमारी, प्रभा कुमारी, प्रकाश कुमार सहनी, जानकी कुमारी, संजय कुमार, नवकला देवी, शीला कुमारी, कल्याणी कुमारी, रामानन्द पासवान, कंचन कुमारी, वसंत हरिजन सहित बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लेकर आंदोलन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर संगोष्ठी आयोजित बढ़ती आबादी पर जताई चिंता

विभूतिपुर/समस्तीपुर। प्रखंड के डीबीकेएन कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना और अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वाधान में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया गया। इस अवसर पर ह्यबढ़ती जनसंख्याः चुनौती और समाधानह्ल विषय पर एक संगोष्ठी और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस अधिकारी डॉ. शशि शेखर द्विवेदी ने की। उन्होंने बढ़ती आबादी के खतरों और उसके समाधान पर जोर दिया। समन्वयक डॉ. राम प्रकाश ने आंकड़ों के जरिए जनसंख्या विस्फोट पर चिंता व्यक्त की। कार्यक्रम की व्यवस्था डॉ. यशरंजन ने संभाली और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अंशु चौधरी ने किया। प्रतियोगिता में डिग्री और बीएड के छात्र-छात्राओं सहित कॉलेज कर्मियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मौके पर पंकज कुमार, संजय कुमार, कुमार रितेश, दीपक राम, गौतम कुमार आदि मौजूद थे।

युवक गोलीबारी की घटना में घायल बेहतर ईलाज हेतु रेफर , पुलिस मामले की जांच में जुटी



प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर थाना क्षेत्र के पड़वा बेलही पंचायत में गोलीबारी की घटना में एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। गोलीबारी की घटना को लेकर लोगों की भीड़ जुट गई। घायल युवक की पहचान थाना क्षेत्र के पड़वा बेलही पंचायत के वार्ड छः निवासी राजकिशोर यादव का लगभग 20 वर्षीय पुत्र प्रिंस कुमार बताया जाता है। गोली लगने से घायल युवक को स्थानीय लोगों के सहयोग से ईलाज हेतू जयनगर अनुमण्डल अस्पताल भर्ती कराया । चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार के पश्चात गम्भीर रूप से घायल युवक को बेहतर ईलाज हेतू रेफर कर दिया गया। रेफर किए गए युवक को जयनगर एक निजी अस्पताल में ईलाज हेतू ले जाया गया लेकिन वहां से रेफर कर दिया गया। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। थाना अध्यक्ष रमन कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल व घटना स्थल पर पहुँच कर मामले की विस्तृत जानकारी छानबीन और जांच व आगे के कार्रवाई में जुट गए। घटना शुक्रवार की रात का है। बताया जाता है कि युवक को फोन कर बुलाया गया और हमलावर द्वारा युवक को गोली मार दिया और फरार हो गया। युवक को कंधे में गोली लगी है।

जलजमाव से बेहाल प्रखंड क्षेत्र की कई सड़कें, राहगीर परेशान

प्रात : किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर । प्रखंड क्षेत्र में दो दिनों से हो रही बारिश के कारण विभिन्न मुख्य और संपर्क सड़कों पर जलजमाव की स्थिति गंभीर हो गई है। सड़कों पर जल भराव होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।खोकसाहा पुराना पंचायत भवन से दाहिने मुख्य सड़क पर जलजमाव के कारण सड़क तालाब में तब्दील हो गई है।वहीं आलमपुर के पहाड़पुर से प्रखंड मुख्यालय को जाने वाली सड़क पर भी पानी जमा है।वहीं दलसिंहसराय- सिंघियाघाट मुख्य सड़क एस एच 88 पर कल्याणपुर गंज के निकट और बैंती पार राम जानकी मंदिर व रजक टोल के पास सड़कों पर घुटनों तक पानी भरा है, जिससे बड़ी गाड़ियों के पलटने का खतरा बना हुआ है।इस जलजमाव के कारण दुपहिया वाहनों और पैदल चलने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण हर साल यह समस्या उत्पन्न होती है। लोगों ने जिला प्रशासन और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द जल निकासी कराने तथा सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है।

एसएसबी ने 90 लीटर नेपाली शराब के साथ एक तस्कर आरोपी को मामले में गिरफ्तार किया

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर एसएसबी के द्वारा शराब मामले में की गई कार्रवाई को लेकर दी गई जानकारी के मुताबिक भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर की ई समवाय, बाह्य सीमा चौकी खौना ने एक सफल कार्रवाई करते हुए 90 लीटर नेपाली शराब एक मोटरसाइकिल एवं अन्य सामान के साथ मामले में एक तस्कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आसूचना के आधार पर विशेष गश्ती दल का गठन कर बाह्य सीमा चौकी खौना के कार्यक्षेत्र में निगरानी बढ़ाई गई। भारतीय क्षेत्र में एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से नेपाली निर्मित शराब की 300 बोतलें (प्रत्येक 300 मि.ली.), कुल 90 लीटर, एक मोटरसाइकिल, एक एल्यूमिनियम हांडी तथा एक मछली पकड़ने का जाल बरामद किया गया।प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि बरामद शराब नेपाल से भारत लाई जा रही थी। गिरफ्तार व्यक्ति जिला मधुबनी का निवासी है तथा प्रारंभिक जांच में उसके द्वारा नेपाल के एक व्यक्ति से शराब प्राप्त कर भारत में पहुंचाने की बात सामने आई है।बरामद 90 लीटर नेपाली शराब, मोटरसाइकिल एवं अन्य सामान सहित गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुए थाना बासोपट्टी को सुपुर्दगी की प्रक्रिया जारी है।कमांडेंट, 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, जयनगर ने बताया कि भारत-नेपाल सीमा पर अवैध शराब एवं अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकने हेतु सशस्त्र सीमा बल पूरी सतर्कता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सीमा क्षेत्र में तस्करी के विरुद्ध भविष्य में भी सघन अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

कुलपति डॉ. पीएस पांडेय ने खुद की धान रोपनी छात्रों को दिया व्यावहारिक कृषि का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता



डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के प्रायोगिक फार्म में अनोखा नजारा देखने को मिला। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने वैज्ञानिकों और छात्रों के साथ स्वयं खेत में उतरकर धान की रोपनी की इस धान रोपाई मिलन कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को प्रयोगशाला से निकलकर खेत की वास्तविकताओं से जोड़ना था। रोपनी के दौरान कुलपति डॉ पांडेय के साथ पीजीसीए के डीन डॉ. मयंक राय, धान वैज्ञानिकों की टीम और बड़ी संख्या में स्नातकोत्तर छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ. पी. एस. पांडेय ने कहा कि कृषि शिक्षा सिर्फ किताबों और लैब तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जब तक हमारे वैज्ञानिक और छात्र खुद खेत में नहीं उतरेंगे, तब तक ह्यलैब टू लैंडह्न का सपना पूरा नहीं होगा। आज हमने छात्रों के साथ मिलकर धान रोपनी की है ताकि वे मिट्टी, पानी और फसल की बारीकियों को प्रत्यक्ष रूप से समझ सकें। हमारा लक्ष्य है कि विश्वविद्यालय का हर अनुसंधान सीधे किसान के खेत और उसकी आमदनी से जुड़े। डीन पीजीसीए डॉ. मयंक राय ने कहा कि कुलपति डॉ पांडेय के निर्देश पर आयोजित यह कार्यक्रम छात्रों के लिए कौशल विकास का बेहतरीन मंच है। रोपनी, खेत की तैयारी और पौधों की दूरी जैसे हर चरण का व्यावहारिक अनुभव उन्हें भविष्य में बेहतर कृषि वैज्ञानिक और उद्यमी बनने में मदद करेगा। कुलपति सर के नेतृत्व में हम ऐसे और फील्ड आधारित कार्यक्रम चलाते रहेंगे। कार्यक्रम में छात्रों ने पैडलिंग, ले-आउट डिजाइनिंग और वैज्ञानिक तरीके से रोपनी का प्रशिक्षण लिया। धान वैज्ञानिक डॉ नीलांजय ने कहा कि इस तरह के व्यावहारिक प्रदर्शन से छात्रों में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे जलवायु-स्मार्ट खेती के लिए वे बेहतर तरीके से तैयार हो सकेंगे।

भोपाल में एसबीआई के 22 एटीएम से 20 लाख की हाईटेक ठगी का मास्टरमाइंड मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भोपाल में भारतीय स्टेट बैंक के 22 एटीएम बूथों से करीब 20 लाख रुपये की हाईटेक ठगी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड को आखिरकार मुजफ्फरपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। भोपाल के शाहपुरा थाना पुलिस ने मुजफ्फरपुर सदर थाना पुलिस के सहयोग से भगवानपुर स्थित एक किराये के मकान में छापेमारी कर आरोपी अभिषेक कुमार को दबोच लिया। वह कैश लोडिंग एजेंसी में सीनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत था और पूरे गिरोह का संचालन कर रहा था। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार अभिषेक कुमार मूल रूप से सारण (छपरा) जिले के खलपुरा का रहने वाला है। उसने छपरा और गया के युवकों को साथ लेकर एक संगठित गिरोह बनाया था, जिसमें इंजीनियरिंग के दो छात्र भी शामिल थे। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद सागीर, साहिल अली, प्रिंस गुप्ता, सोनू उर्फ विपुल और साकेत खेतान शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से 50 हजार रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त कार भी बरामद की है। जांच में सामने आया है कि अभिषेक ने छपरा के डोरीगंज इलाके में बाकायदा एक ट्रेनिंग सेंटर बना रखा था। यहां नए सदस्यों को एटीएम मशीन से छेड़छाड़ करने की विशेष तकनीक सिखाई जाती थी। उन्हें मास्टर चाबी से एटीएम का शटर खोलने और मशीन से नकदी निकालने के ऐसे तरीके बताए जाते थे, जिससे बैंक के सर्वर पर ट्रांजैक्शन फेल दिखाई दे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि गिरोह सुनसान इलाकों में स्थित एसबीआई के एटीएम को निशाना बनाता था। आरोपी कैश डिस्पेंसर में तकनीकी छेड़छाड़ कर ग्राहकों के रुपये मशीन में फंसा देते थे। इसके बाद ग्राहकों से कहते थे कि कुछ देर में राशि उनके खाते में वापस आ जाएगी। ग्राहक के जाने के बाद आरोपी मशीन खोलकर फंसे हुए रुपये निकाल लेते थे। इतना ही नहीं, कई एटीएम बूथों पर कस्टमर केयर नंबर की जगह अपना मोबाइल नंबर लिख देते थे, ताकि जरूरत पड़ने पर ग्राहक उन्हें फोन करें और वे उन्हें झांसे में लेकर ठगी कर सकें। भोपाल पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार मास्टरमाइंड अभिषेक कुमार और गया निवासी सोनू उर्फ विपुल को ठगी की रकम का 10 प्रतिशत हिस्सा मिलता था, जबकि शेष राशि गिरोह के अन्य सदस्यों में बांटी जाती थी। मोहम्मद सागीर की निशानदेही पर ही मुजफ्फरपुर में छापेमारी कर अभिषेक को गिरफ्तार किया गया। अब पुलिस मुजफ्फरपुर के सदर, अहियापुर और मिठनपुरा थाना क्षेत्रों में हाल के दिनों में हुई करीब 20 एटीएम फ्रॉड की घटनाओं में भी उससे पूछताछ कर रही है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर उसके नेटवर्क तथा अन्य राज्यों में हुई वारदातों की भी जांच जारी है।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो वर्षा जलजमाव कीचड़ से राहगीर आम जन परेशान जीवन अस्त व्यस्त

प्रात : किरण संवाददाता

मधुबनी। जयनगर के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रो में हो रही वर्षा के पश्चात अनुमण्डल मुख्यालय स्थित अनुमण्डल कार्यलय और प्रखण्ड कार्यलय परिसर स्थित विभिन्न कार्यलय में आवागमन के रास्ते में जलजमाव और कीचड़ से पदाधिकारियो कर्मियों राहगीरो आम जनो को काफी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है। प्रखण्ड सह अंचल कार्यलय परिसर और परिसर स्थित बीडीओ, सीओ, प्रमुख, उप प्रमुख , पीजीआरो , एन एच , वेटनरी, आरटीपीएस काउंटर, समेत कर्मियों के कार्यलय के पास जलजमाव और कीचड़ समस्या हो गई । कार्यलय परिसर में रखे कागजत योजनाओं से सम्बोधित बुकलेट समेत अन्य कागजत भी जलजमाव और कीचड़ की चपेट में आ सकते है। वही वकालत खाना परिसर अग्निशमन कार्यलय अनुमण्डल अस्पताल परिसर , बीआरसी कार्यलय, एफसीआई परिसर , एसएसएफसी, व्यपाड़ मण्डल, पीएचसी परिसर , जिला परिषद स्थित अशोक बाजार सब्जी मंडी ,निधि कम्प्लेक्स, डाक बंगला, रेलवे स्टेशन परिसर , ब्लॉक रोड, यूटर्न, एफसीआई रोड समेत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रो के विभिन्न सड़को मुहल्लों में जलजमाव और कीचड़ उतपन्न हो गया। अशोक बाजार सब्जी मंडी निधि कम्पेल्क्स के कई दुकानों में बारिश का पानी चला गया। दुकानदार के द्वारा पानी निकालते देखें गये। राह गिर दुकानदारों आम लोगों ग्राहकों समेत विभिन्न कार्यलयो में जलजमाव कीचड़ से पदाधिकारियो कर्मियो एवं विभागीय कार्य से आम लोगो को भी जलजमाव कीचड़ से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वर्षा वृष्टी रेलवे स्टेशन परिसर में जलजमाव से यात्रियों को आवागमन में लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार रुक रुक कर हो रही बारिश से आम जन जिवन अस्त व्यस्त हो गया है रोजमर्रा नकी जिंदगी प्रभावित हो रही है।

उत्तर बिहार में झमाझम बारिश तापमान में आई गिरावट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। उत्तर बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केंद्र द्वारा जारी मौसम बुलेटिन के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 76.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। लगातार बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई है और लोगों को उमस व गर्मी से राहत मिली है। मौसम बुलेटिन के अनुसार, शनिवार को अधिकतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2.5 डिग्री कम है। सुबह 7 बजे सापेक्ष आर्द्रता 97 प्रतिशत तथा दोपहर 2 बजे 88 प्रतिशत दर्ज की गई। वाष्पोत्सर्जन 0.4 मिमी रिकॉर्ड किया गया। पछिया दिशा से 8.2 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली। विशेषज्ञों के अनुसार, लगातार हो रही बारिश से खेतों में पर्याप्त नमी बनी हुई है, जिससे धान की रोपनी और खरीफ फसलों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हैं। हालांकि, किसानों को जलभराव वाले क्षेत्रों में निकासी की व्यवस्था बनाए रखने की सलाह दी गई है।

शादी के 8 महीने बाद विवाहिता ने लगाया 25 लाख दहेज मांगने का आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। शादी के महज आठ महीने बाद एक विवाहिता ने अपने पति और ससुराल पक्ष पर 25 लाख रुपये दहेज की मांग, मारपीट और घर से निकालने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता फिलहाल अपने माता-पिता के साथ मुजफ्फरपुर में रह रही है और न्याय की गुहार लेकर पुलिस के पास पहुंची है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़िता ने बताया कि उसकी शादी राजस्थान के एक परिवार में हुई थी। उसका पति वहां मोबाइल कारोबार से जुड़ा है। विवाह के शुरूआती दिनों तक सब कुछ सामान्य रहा, लेकिन कुछ समय बाद पति का व्यवहार अचानक बदल गया। आरोप है कि वह देर रात घर लौटता था और कारण पूछने पर विवाद कर मारपीट करता था। विवाहिता का आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष ने उसके रिटायर्ड रेलवे अधिकारी पिता से 25 लाख रुपये दहेज लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। जब उसने इतनी बड़ी रकम लाने में असमर्थता जताई तो उसके साथ लगातार प्रताड़ना की गई और अंततः मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर पीड़िता के बुजुर्ग माता-पिता राजस्थान पहुंचे और दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने का प्रयास किया। हालांकि, उनका आरोप है कि ससुराल पक्ष ने बातचीत से इनकार कर दिया और उन्हें घर में प्रवेश तक नहीं करने दिया। इसके बाद पीड़िता अपने माता-पिता के साथ मुजफ्फरपुर लौट आई और राजस्थान तथा मुजफ्फरपुर के संबंधित थानों में शिकायत दर्ज कर न्याय की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले में लगाए गए आरोपों की सत्यता की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

एसएसबी जवानों ने मानव तस्करी के प्रयास को विफल कर नाबालिग नेपाली बालिका को सुरक्षित बचाया

मधुबनी। जयनगर भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल एसएसबी जयनगर की बाह्य सीमा चौकी जटही चेक पोस्ट पीपरौन ने सतर्कता एवं त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग नेपाली बालिका को मानव तस्करी का शिकार होने से बचाया तथा मामले में एक संदिग्ध युवक को पकड़ लिया।मामले में एसएसबी द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक जटही चेक पोस्ट पर नियमित जांच के दौरान सीमा स्तंभ संख्या 284/35 के निकट लगभग 20 मीटर भारतीय क्षेत्र में नेपाल से भारत की ओर आ रहे एक युवक एवं एक नाबालिग बालिका को संदेह के आधार पर रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान युवक ने बालिका को अपनी पत्नी बताया, किन्तु दोनों के ब्यानों में गंभीर विरोधाभास अंतर पाए गए। नाबालिग बालिका अपने साथ आए युवक के संबंध में संतोषजनक जानकारी नहीं दे सकी तथा दोनों के पास कोई वैध पहचान पत्र भी नहीं पाया गया। परिस्थितियों एवं पूछताछ के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि युवक नाबालिग बालिका को शादी का झांसा देकर भारत लाने का प्रयास कर रहा था, जो मानव तस्करी का मामला प्रतीत हुआ।एसएसबी द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लिया गया। तत्पश्चात आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल एपीएफ की उपस्थिति में बालिका एवं संबंधित युवक को आगे की कार्रवाई हेतु नेपाल के गैर-सरकारी संगठन पीस रिहैबिलिटेशन सेंटर की काउंसलर को सुरक्षित सुपुर्द किया जा रहा है।

सराफा कारोबारी को गोली मारकर लूट डेढ़ लाख रुपये लेकर बदमाश फरार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के औराई थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात बेखौफ अपराधियों ने एक सर्राफ कारोबारी को गोली मारकर सनसनीखेज लूटकांड को अंजाम दिया। बदमाशों ने कारोबारी पर ताबड़तोड़ फायरिंग की, जिसमें एक गोली उन्हें जा लगी। इसके बाद अपराधी बैग में रखी करीब एक से डेढ़ लाख रुपये की नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना के बाद इलाके के स्वर्ण व्यवसायियों में दहशत का माहौल है। घायल कारोबारी का इलाज श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एसकेएमसीएच) में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, महिसौथा निवासी स्वर्ण व्यवसायी बबलू कुमार उर्फ बबलू साह शुक्रवार की रात करीब आठ बजे अपनी सोना-चांदी की दुकान बंद कर बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान दो संदिग्ध युवक उनका पीछा करते हुए पहुंचे और रास्ते में रोककर बैग के बारे में पूछताछ करने लगे। कारोबारी ने बैग में कुछ खास नहीं होने की बात कही, जिसके बाद दोनों उन्हें जाने देने का नाटक करते हुए आगे बढ़ गए। कुछ दूरी तय करते ही पहले से घात लगाए बाइक सवार अन्य बदमाश सामने आ गए और कारोबारी को चारों तरफ से घेर लिया। अपराधियों ने बैग छीनने का प्रयास किया, जिससे बैग का स्ट्रैप टूट गया। विरोध करने पर बदमाशों ने पिस्टल निकाल ली। जान बचाने के लिए बबलू कुमार बाइक छोड़कर भागने लगे, लेकिन अपराधियों ने उन पर दो राउंड फायरिंग कर दी। पहली गोली निशाने से चूक गई, जबकि दूसरी गोली उन्हें जा लगी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े। घायल होने के बाद बदमाश बैग में रखी करीब एक से डेढ़ लाख रुपये की नकदी लेकर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही औराई थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल कारोबारी को इलाज के लिए एसकेएमसीएच भेजा। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर इलाके की कानून-व्यवस्था और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मोबाइल पर दूसरी युवती का फोन आते ही भड़की प्रेमिका, सड़क पर हुआ हाई-वोल्टेज ड्रामा

मुजफ्फरपुर। शहर के मिठनपुरा थाना क्षेत्र स्थित क्लब रोड पर शनिवार को उस समय अफरातफरी का माहौल बन गया, जब एक युवती ने अपने प्रेमी को दूसरी लड़की से फोन पर बात करते हुए पकड़ लिया। इसके बाद बीच सड़क पर दोनों के बीच तीखी बहस और हंगामा शुरू हो गया, जिसे देखने के लिए राहगीरों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, युवक अपनी प्रेमिका को स्कूटी पर बैठाकर क्लब रोड से गुजर रहा था। इसी दौरान उसके मोबाइल पर एक दूसरी युवती का फोन आया। मोबाइल स्क्रीन पर दूसरी लड़की का नाम देखते ही प्रेमिका नाराज हो गई और उसने स्कूटी रुकवा दी। इसके बाद दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते सड़क पर हाई-वोल्टेज ड्रामे में बदल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवती ने युवक पर दूसरी लड़की से संबंध रखने का आरोप लगाया और बीच सड़क पर जमकर नाराजगी जताई। मौके पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा, जिससे सड़क पर लोगों की भीड़ लग गई और यातायात भी कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ। बताया जाता है कि मामला बढ़ता देख युवती ने डायल 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने दोनों को आवश्यक समझाइश देकर मामला शांत कराया। घटना को लेकर किसी पक्ष की ओर से औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी रही और मौके पर मौजूद कई लोगों ने इसका वीडियो भी बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से साझा किया जा रहा है।

बेनीबाद के टूटे पुल का दर्द : अब जनप्रतिनिधियों से कार्रवाई की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के बेनीबाद का पुराना पुल एक बार फिर स्थानीय लोगों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। वर्षों से जर्जर और टूटा पड़ा यह पुल आज भी लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि हर चुनाव में पुल निर्माण का वादा किया जाता है, लेकिन चुनाव खत्म होते ही यह मुद्दा ठंडे बस्ते में चला जाता है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बेनीबाद बाजार की राजनीति हो या विकास की चर्चा, इसकी शुरूआत अक्सर इसी पुल से होती है। चुनावी सभाओं में नेता पुल निर्माण का भरोसा देते हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हो सकी है। ग्रामीणों का कहना है कि पुल टूटने के कारण बेनीबाद बाजार दो हिस्सों में बंट गया है। इससे आम लोगों, व्यापारियों, छात्रों और राहगीरों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों का मानना है कि यदि इस पुल का निर्माण हो जाए तो बेनीबाद बाजार के विकास को नई गति मिलेगी और राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के अलावा लोगों को एक वैकल्पिक मार्ग भी उपलब्ध होगा। स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्र की विधायक कोमल सिंह से जनहित के इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर शीघ्र पहल करने की अपील की है। उनका कहना है कि जब इसी मार्ग पर सियारी, पिरौछा और गायघाट पुल का निर्माण हो चुका है, तो बेनीबाद का पुल अब तक अधूरा क्यों है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द पुल निर्माण की दिशा में सकारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो जनहित में लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन और अनशन का रास्ता अपनाया जाएगा। स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस लंबे समय से लंबित समस्या का स्थायी समाधान निकालें, ताकि क्षेत्र के हजारों लोगों को राहत मिल सके।

खेल खेल में बच्चें सीख रहें हैं नाट्य कला के गुर

मुजफ्फरपुर ।सांस्कृतिक संस्था मगध विकास लोक,कोसुत, पटना द्वारा गुरु शिष्य परम्परा के अन्तर्गत शनिवार को राजकीय मध्य विद्यालय नई बाजार,नगर क्षेत्र, मुजफ्फरपुर में नाट्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सांस्कृतिक संस्था मगध विकास लोक,कोसुत, पटना के कलाकारों द्वारा विद्यालय के बच्चो को नाटक की बारिकीयो की जानकारी दी गई।नाट्य कार्यशाला में प्रमुख गतिविधियाँ में परिचय एवं आत्मविश्वास निर्माण,समूह में घुलना-मिलना,झिझक दूर करना आत्मविश्वास बढ़ाने के खेल,मंच पर प्रभावशाली उपस्थिति, स्वर एवं वाणी प्रशिक्षण,आवाज को स्पष्ट और प्रभावी बनाना संवाद बोलने की तकनीक,अभिनय प्रशिक्षण भाव-भंगिमा इम्प्रोवाइजेशन खेल आधारित प्रशिक्षण,रचनात्मक खेल, अभिनय कौशल, संवाद कला, शरीर भाषा, रचनात्मकता, मंच प्रस्तुति का प्रशिक्षण दिया गया.नाट्य प्रशिक्षक सुनील कुमार ने बताया कि नाट्य कार्यशाला एक ऐसा प्रशिक्षण कार्यक्रम होता है जिसमें प्रतिभागियों को अभिनय, रंगमंच और व्यक्तित्व विकास का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है इसमें केवल नाटक करना ही नहीं, बल्कि एक कलाकार बनने की पूरी प्रक्रिया सिखाई जाती है। नाट्य कार्यशाला से आत्मविश्वास में वृद्धि,स्पष्ट एवं प्रभावी बोलने की क्षमता, नेतृत्व क्षमता का विकास,टीमवर्क में सीखना,रचनात्मक सोच विकसित होता हैं। इससे मंच भय दूर होने के साथ ही व्यक्तित्व का विकास होता हैं.नाट्य कार्यशाला में बच्चों ने विभिन्न प्रकार की कहानियों और दृश्यों का निर्माण करने और अपनी रचनात्मकता को व्यक्त करने के लिए कठपुतली कला के बारे में जाना।

एक पेड़ मां के नाम अभियान में छात्र छात्राओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

प्रात : किरण संवाददाता



मुजफ्फरपुर। वन महोत्सव के अवसर पर ललित नारायण तिरहुत महाविद्यालय में शनिवार को ह्यएक पेड़ माँ के नामह्न अभियान के तहत व्यापक पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर में महोगनी, पॉपुलस, जामुन, अमरूद, सागवान सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। मानसून की शुरूआत के बीच रिमझिम बारिश में आयोजित इस कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण किया। उपस्थित लोगों ने कहा कि पेड़-पौधे जीवन का आधार हैं। ये हमें स्वच्छ हवा, हरियाली और बेहतर पर्यावरण प्रदान करते हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. ममता रानी ने कहा कि यदि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए हरित और सुरक्षित पृथ्वी छोड़ना चाहते हैं, तो ह्यएक पेड़ माँ के नामह्न अभियान से जुड़कर पौधारोपण को जन आंदोलन बनाना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई यह पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें सभी की सहभागिता आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के एनएसएस समन्वयक संतोष कुमार सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने पौधारोपण के साथ वन महोत्सव मनाया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधों की देखभाल का भी संकल्प लिया।

डेढ़ सौ रुपये के उधार के विवाद का 45 साल बाद आया फैसला

मुजफ्फरपुर। महज 150 रुपये के उधार को लेकर शुरू हुआ विवाद आखिरकार करीब 45 साल बाद अदालत में अपने अंतिम मुकाम पर पहुंचा। लंबे समय तक चली सुनवाई के बाद जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश-20 शरद चंद्र कुमार की अदालत ने मामले के एकमात्र जीवित बचे आरोपित भिखारी सहनी (75 वर्ष) को मारपीट और बंधक बनाने का दोषी पाया। हालांकि, उनकी वृद्धावस्था और मुकदमे की असाधारण लंबी अवधि को देखते हुए अदालत ने उन्हें जेल भेजने के बजाय आपराधिक परिवीक्षा अधिनियम के तहत चेतावनी देकर रिहा कर दिया। यह मामला 5 मई 1981 की रात का है। गायघाट थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली कबूतरी मलाहिन ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, उसी दिन दोपहर में उनके बेटे लोढ़न सहनी ने गांव के ही भिखारी सहनी से 150 रुपये का पुराना उधार (पैंचा) मांगा था। इसी बात से नाराज होकर रात करीब 11 बजे भिखारी सहनी समेत कई लोग लाठी-डंडों से लैस होकर उनके घर पहुंच गए। एफआईआर के मुताबिक, गाली-गलौज का विरोध करने पर कबूतरी मलाहिन के साथ मारपीट की गई। शोर सुनकर जब उनका बेटा लोढ़न सहनी बचाव के लिए आया तो भिखारी सहनी और महेंद्र सहनी ने उसके हाथ-पैर रस्सी से बांध दिए। आरोप है कि इसके बाद हमलावरों ने घर में आग लगा दी, जिससे चौखट, किवाड़, दो मन धान, एक मन गेहूं, खैनी, कपड़े समेत लगभग 2,500 रुपये की संपत्ति जलकर नष्ट हो गई। घटना के बाद 5 मई 1981 को गायघाट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने 14 जून 1981 को आरोप पत्र दाखिल किया और 17 जनवरी 1983 को अदालत ने आरोप तय किए। इसके बाद मामला चार दशक से अधिक समय तक अदालत में विचाराधीन रहा। लंबी सुनवाई के बाद अदालत ने भिखारी सहनी को मारपीट और बंधक बनाने का दोषी माना, लेकिन उनकी 75 वर्ष की आयु और करीब 45 वर्षों तक चले मुकदमे को देखते हुए मानवीय आधार पर जेल भेजने के बजाय चेतावनी देकर रिहा करने का आदेश दिया। यह फैसला न्यायिक प्रक्रिया में अत्यधिक विलंब का भी एक उल्लेखनीय उदाहरण माना जा रहा है।

नशा मुक्ति अभियान और संगठन की मजबूती पर दिया जोर

मधुबनी। लदनिया में बैठक, संगठन को मजबूत बनाने और मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखने का आह्वान लदनिया प्रखंड के कमतौलिया ब्रह्मस्थान पंचायत सरकार भवन के सभागार में शनिवार को बिहार ग्राम रक्षा दल, लदनिया प्रखंड इकाई की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कुमरखत (पश्चिमी) के मुखिया प्रतिनिधि अमर बहादुर कामत ने की। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों का मिथिला की परंपरा के अनुसार पाग एवं शाल भेंट कर स्वागत से हुई।बैठक को संबोधित करते हुए बिहार ग्राम रक्षा दल के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रसाद राऊत ने ग्राम रक्षा दल के प्रशिक्षण, संगठन की भूमिका और भावी कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित एवं अनुशासित ग्राम रक्षा दल पंचायत, समाज और प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करता है। इसलिए संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की आवश्यकता है।बैठक में नशा मुक्ति अभियान को लेकर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बेनीबाद में पेट्रोल पंपों पर पुलिस की सघन जांच

मुजफ्फरपुर। बेनीबाद क्षेत्र में शनिवार को पुलिस ने पेट्रोल पंपों पर विशेष जांच अभियान चलाकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बेनीबाद एवं गायघाट थाना पुलिस ने क्षेत्र के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर पहुंचकर सीसीटीवी व्यवस्था, कर्मचारियों की सतर्कता और ग्राहकों की सुरक्षा से जुड़े इंतजामों की जांच की। अभियान का उद्देश्य पेट्रोल पंपों पर संभावित धोखाधड़ी की घटनाओं पर रोक लगाना, सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना तथा ग्राहकों को जागरूक करना था। पुलिस टीम ने पंपों पर मौजूद सुरक्षा मानकों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों ने पेट्रोल पंपों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की पड़ताल की। यह सुनिश्चित किया गया कि सभी कैमरे सुचारु रूप से कार्य कर रहे हैं और उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित तरीके से संरक्षित की जा रही है, ताकि किसी भी घटना की स्थिति में साक्ष्य उपलब्ध हो सके। पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप कर्मचारियों से बातचीत कर उन्हें ग्राहकों के साथ लेनदेन में पूरी पारदर्शिता बरतने, निर्धारित प्रक्रिया का पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने का निर्देश दिया। इस दौरान पेट्रोल भरवाने आए ग्राहकों को भी जागरूक किया गया। पुलिस ने लोगों से अपील की कि पेट्रोल भरवाते समय मीटर और भुगतान की प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दें तथा किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या धोखाधड़ी की आशंका होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। बेनीबाद थाना प्रभारी राजकुमार गौतम ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षित, पारदर्शी और अपराधमुक्त माहौल बनाए रखने के उद्देश्य से इस तरह के अभियान लगातार चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस की सक्रिय निगरानी से पेट्रोल पंपों की सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी तथा आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।

बिहार में दौड़ेगी रैपिड रेल, पटना-मुजफ्फरपुर समेत चार कॉरिडोर पर शुरू हुई तैयारी

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। बिहार में आधुनिक परिवहन व्यवस्था को नई पहचान देने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। दिल्ली-एनसीआर की तर्ज पर राज्य में रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। इस योजना के तहत पटना से मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, आरा और गयाजी तक 160 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से रैपिड रेल चलाने की योजना है। इसके लिए मौजूदा रेलवे लाइन से अलग समर्पित ट्रैक बिछाया जाएगा। रैपिड रेल परियोजना के लागू होने के बाद पटना, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, वैशाली, सारण, जहानाबाद, गयाजी और भोजपुर समेत आठ जिलों के 16 छोटे-बड़े शहर तेज रेल नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। इससे रोजाना नौकरी, पढ़ाई, इलाज और अन्य कार्यों के लिए राजधानी आने-जाने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही यात्रा का समय भी काफी कम हो जाएगा। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में बिहार में चार रैपिड रेल कॉरिडोर विकसित करने की मंजूरी दी है। परियोजना का विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने की जिम्मेदारी दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल का संचालन करने वाली नेशनल कैपिटल रीजन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन को सौंपी गई है। डीपीआर तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। प्रस्तावित योजना के अनुसार पटना से मुजफ्फरपुर रूट पर सोनपुर और हाजीपुर, पटना से आरा रूट पर दानापुर और बिहटा, पटना से गयाजी रूट पर मसौढ़ी और जहानाबाद तथा पटना से बेगूसराय रूट पर फतुहा, बख्तियारपुर, बाढ़, मोकामा और बरौनी के रास्ते रैपिड रेल का संचालन किया जाएगा। डीपीआर तैयार करते समय यह भी अध्ययन किया जाएगा कि किन शहरों से सबसे अधिक यात्री प्रतिदिन पटना आते-जाते हैं। उसी आधार पर स्टेशनों का चयन किया जाएगा और उन्हें आसपास के प्रमुख सड़क मार्गों से जोड़ा जाएगा। साथ ही पटना, मुजफ्फरपुर, गयाजी और सोनपुर में प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप तथा औद्योगिक क्षेत्रों को भी इस नेटवर्क से जोड़ने की संभावनाओं का आकलन किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि रैपिड रेल परियोजना से राजधानी पटना और आसपास के शहरों के बीच संपर्क और मजबूत होगा। इससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति मिलेगी, राजधानी पर आबादी का दबाव कम होगा और रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा व्यापार से जुड़े लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी। दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल की तर्ज पर यह परियोजना बिहार के परिवहन क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव साबित हो सकती है।

सम्पादकीय

शहरों में पैदल चलने का अधिकार या संघर्ष ?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत के शहर तेजी से बदल रहे हैं। चौड़ी सड़कों, ऊँचे फ्लाईओवरों, एक्सप्रेस-वे, मेट्रो नेटवर्क और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं को आधुनिक विकास का प्रतीक माना जा रहा है। लेकिन इस चमकदार विकास के बीच एक बुनियादी प्रश्न लगातार उपेक्षित रहा है—क्या हमारे शहर इंसानों के लिए बने हैं या केवल वाहनों के लिए? क्या एक नागरिक को सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक ढंग से पैदल चलने का अधिकार वास्तव में उपलब्ध है? राइट टू वॉक (Right to Walk) केवल परिवहन का मुद्दा नहीं है, बल्कि आधुनिक शहरी परिदृश्यों में स्थानिक न्याय (Spatial Justice), सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा का गंभीर प्रश्न है। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में सार्वजनिक स्थानों पर समान अधिकार प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति सड़क पर सुरक्षित रूप से पैदल नहीं चल सकता, तो यह केवल यातायात की समस्या नहीं बल्कि उसके नागरिक अधिकारों के सीमित होने का संकेत है। भारत में करोड़ों लोग आज भी अपनी दैनिक यात्राओं का बड़ा हिस्सा पैदल तय करते हैं। स्कूल जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएँ, दिव्यांगजन, मजदूर, छोटे दुकानदार और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने वाले अधिकांश लोग किसी न किसी चरण में पैदल ही चलते हैं। इसके बावजूद हमारी शहरी योजना में पैदल यात्रियों को सबसे कम प्राथमिकता दी जाती है। फुटपाथ या तो हैं ही नहीं, या अतिक्रमण से घिरे हैं, या उनकी स्थिति इतनी खराब है कि लोग मजबूर होकर सड़क पर चलने लगते हैं। परिणामस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है। विडंबना यह है कि जिन लोगों के पास निजी वाहन नहीं हैं, वही सबसे अधिक जोखिम उठाते हैं। जिनके पास कार है, उनके लिए चौड़ी सड़कें बनती हैं; जिनके पास वाहन नहीं, उनके लिए सुरक्षित फुटपाथ भी उपलब्ध नहीं। यह असमानता केवल आर्थिक नहीं बल्कि स्थानिक अन्याय का उदाहरण है। स्थानिक न्याय का अर्थ है कि शहर के सार्वजनिक संसाधनों, स्थानों और सुविधाओं पर सभी नागरिकों का समान अधिकार हो। यदि शहर का अधिकांश सार्वजनिक स्थान वाहनों को समर्पित कर दिया जाए और पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों तथा दिव्यांगजनों के लिए पर्याप्त व्यवस्था न हो, तो यह सार्वजनिक स्थानों के असमान वितरण को दर्शाता है। भारतीय शहरों की अधिकांश सड़कें वाहन-केंद्रित सोच के साथ विकसित हुई हैं। यातायात प्रबंधन का प्रमुख उद्देश्य वाहनों की गति बढ़ाना माना जाता है, जबकि सड़क का वास्तविक उद्देश्य लोगों को सुरक्षित रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाना होना चाहिए। यही कारण है कि कहीं फुटपाथ अचानक समाप्त हो जाते हैं, कहीं बिजली के खंभे, ट्रांसफार्मर या ठेले उनके बीच खड़े मिलते हैं, तो कहीं पार्किंग ने पूरी जगह घेर रखी होती है। महिलाओं के लिए सुरक्षित पैदल मार्ग केवल सुविधा नहीं बल्कि स्वतंत्रता का प्रश्न है। यदि किसी महिला को शाम के समय अंधेरे, सुनसान अथवा टूटी हुई सड़क से गुजरना पड़े तो उसकी आवाजाही सीमित हो जाती है। इसी प्रकार बुजुर्गों के लिए ऊँचे फुटपाथ, बिना रैंप के क्रॉसिंग और तेज रफ्तार यातायात गंभीर बाधाएँ उत्पन्न करते हैं। दिव्यांगजन तो अनेक बार सार्वजनिक स्थानों का उपयोग ही नहीं कर पाते। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (SDGs) समावेशी, सुरक्षित और सुलभ शहरों पर विशेष बल देते हैं। शहर तभी समावेशी कहलाएँगे जब प्रत्येक नागरिक—चाहे उसकी आय, आयु, लिंग या शारीरिक क्षमता कुछ भी हो—समान सम्मान के साथ सार्वजनिक स्थानों का उपयोग कर सके। आज शहरी विकास में एक बड़ी विडंबना यह है कि विकास का मूल्यांकन प्रायः इस आधार पर किया जाता है कि सड़क पर कितनी तेजी से वाहन चल सकते हैं। जबकि किसी भी विकसित शहर का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि वहाँ पैदल चलना कितना सुरक्षित, आरामदायक और सहज है। विश्व के अनेक देशों ने पिछले वर्षों में वॉकेबल सिटी की अवधारणा को अपनाया है। उन्होंने महसूस किया कि अत्यधिक वाहन-निर्भरता प्रदूषण, ऊर्जा संकट, मानसिक तनाव, सड़क दुर्घटनाओं और सामाजिक अलगाव को बढ़ाती है।

विद्यार्थियों के लिए पर्यावरण ?

डॉ. खुशाल सिंह पुरोहित

विद्यार्थी केवल दूसरों को सलाह देने तक सीमित न रहें, बल्कि स्वयं अपने व्यवहार से उदाहरण प्रस्तुत करें। यदि वे सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखें, अनावश्यक प्लास्टिक का उपयोग न करें, पानी और बिजली की बचत करें, पौधों की नियमित देखभाल करें तथा प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करें, तो उनका आचरण दूसरों के लिए प्रेरणा बनेगा। इन दिनों विद्यालयों में वन-महोत्सव के अंतर्गत पौधारोपण के विशेष अभियान चल रहे हैं। विद्यार्थी उत्साह के साथ पौधे लगा रहे हैं, उनकी देखभाल का संकल्प ले रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दे रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम केवल औपचारिक गतिविधियां नहीं हैं, बल्कि बच्चों और युवाओं में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के तेजी से होते दोहन जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है, तब पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारों या विशेषज्ञों का विषय नहीं रह जाता। यह समाज के प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी बन चुका है। इस जिम्मेदारी को निभाने में विद्यार्थियों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण मानी जा सकती है, क्योंकि वे केवल भविष्य के नागरिक ही नहीं, बल्कि समाज को नई दिशा देने की क्षमता भी रखते हैं। इसके लिए पहली आवश्यकता है, विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता विकसित करना। विद्यालय इस दिशा में सबसे प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। इको-क्लब, प्रकृति भ्रमण, पोस्टर प्रतियोगिताएं, भाषण, वाद-विवाद, निबंध लेखन और विज्ञान प्रदर्शनियों जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को केवल जानकारी ही नहीं देते, बल्कि उन्हें पर्यावरण संरक्षण से भावनात्मक रूप से भी जोड़ते हैं। जब कोई विद्यार्थी किसी पौधे को अपने हाथों से लगाता है और उसकी देखभाल करता है, तब उसके भीतर प्रकृति के प्रति अपनापन विकसित होता है। यही अपनापन आगे चलकर जिम्मेदारी में बदलता है। स्वच्छ हवा, शुद्ध जल, उपजाऊ भूमि, घने वन और जैव विविधता के कारण ही पृथ्वी पर जीवन संभव है, किंतु इसका प्राकृतिक संतुलन लगातार बिगड़ता जा रहा है। शहरों में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, नदियां दूषित हो रही हैं, भूजल तेजी से नीचे जा रहा है और अनियोजित विकास के कारण जंगलों का दायरा सिमटता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के कारण कभी अत्यधिक वर्षा तो कभी लंबे सूखे जैसी परिस्थितियां देखने को मिल रही हैं। इन समस्याओं का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं रहता, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन पर भी पड़ता है। आज का युवा रचनात्मक सोच और तकनीकी समझ से भरपूर है। विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में वे ऐसे प्रयोग कर रहे हैं, जो पर्यावरण संरक्षण में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। सौर-ऊर्जा से चलने वाले मॉडल, जैविक कचरे से खाद बनाने की तकनीक, वर्षा-जल संरक्षण के सरल उपाय, कम लागत वाले जल-शुद्धिकरण मॉडल और ऊर्जा बचाने वाले उपकरणों पर विद्यार्थियों द्वारा किए जा रहे प्रयोग यह साबित करते हैं कि सही मार्गदर्शन मिलने पर वे समाज के सामने व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत कर सकते हैं। कई विद्यार्थी डिजिटल माध्यमों और मोबाइल अनुप्रयोगों के जरिए लोगों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी जानकारी भी उपलब्ध करा रहे हैं। तकनीक का यह सकारात्मक उपयोग भविष्य के लिए नयी आशा जगाता है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में हिमालय से लेकर समुद्र तक, घने जंगलों से लेकर मरुस्थलों तक, प्रकृति के अनेक रूप दिखाई देते हैं। इन प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा तभी संभव है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी भूमिका निभाए। विद्यार्थी अपने स्थानीय परिवेश के अनुसार भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वे जलस्रोतों की स्वच्छता, वृक्षों के संरक्षण और जैविक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ा सकते हैं। वहीं शहरी क्षेत्रों में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने, वर्षा जल संचयन और घर के आसपास और छतों पर हरियाली बढ़ाने जैसे प्रयासों में सक्रिय भागीदारी निभा सकते हैं।

मिशन 2027 उत्तर प्रदेश में फिर कमल खिलाने की तैयारी

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर प्रारंभिक स्तर पर विचार शुरू हो गया है। भाजपा जानती है कि सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को संतुलित रखना चुनावी सफलता के लिए आवश्यक होगा। इसलिए सहयोगियों को सम्मानजनक भागीदारी देने की तैयारी भी दिखाई दे रही है।दूसरी ओर विपक्ष भी चुनावी मैदान में सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है लेकिन अभी तक वह कोई स्पष्ट रणनीति या साझा दृष्टि प्रस्तुत नहीं कर पाया है। अलग अलग दल अपने अपने स्तर पर सरकार की आलोचना कर रहे हैं लेकिन जनता के सामने ऐसा व्यापक विकास मॉडल नहीं रख पाए हैं जो मतदाताओं को नया भरोसा दे सके। विपक्ष के भीतर नेतृत्व और गठबंधन को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल सरकार की आलोचना करके चुनाव नहीं जीते जा सकते। जनता अब विकास रोजगार निवेश आधारभूत सुविधाओं और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस योजनाएं देखना चाहती है। यदि विपक्ष इन विषयों पर स्पष्ट कार्यक्रम नहीं देता तो उसके लिए भाजपा को चुनौती देना आसान नहीं होगा। भाजपा का दावा है कि पिछले वर्षों में प्रदेश की तस्वीर बदली है। गांवों तक सड़कें पहुंची हैं।



कांतिलाल मांडोत

(लेखक)



उत्तर प्रदेश की राजनीति ने एक बार फिर चुनावी रफ्तार पकड़ ली है। विधानसभा चुनाव में अभी समय है लेकिन भारतीय जनता पार्टी ने मिशन 2027 की तैयारी अभी से शुरू कर दी है। पार्टी संगठन से लेकर सरकार तक हर स्तर पर समीक्षा कर रही है। बूथ से लेकर प्रदेश स्तर तक बैठकों का सिलसिला तेज हो गया है। उम्मीदवारों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जा रहा है और संगठन को पहले से अधिक मजबूत बनाने की रणनीति तैयार की जा रही है। भाजपा का स्पष्ट लक्ष्य लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी करना है। भाजपा का मानना है कि चुनाव केवल नारों से नहीं बल्कि संगठन की मजबूती और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहने से जीते जाते हैं। यही कारण है कि पार्टी ने प्रत्येक बूथ को मजबूत करने का अभियान शुरू कर दिया है। बूथ समितियों को सक्रिय किया जा रहा है। शक्ति केंद्रों और मंडलों में नियमित बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं। भाजपा नेतृत्व चाहता है कि चुनाव आने तक संगठन पूरी तरह तैयार रहे और हर कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में सक्रिय दिखाई दे। इस बार भाजपा केवल पुराने समीकरणों पर भरोसा नहीं करना चाहती। पार्टी के भीतर विधायकों और मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा शुरू हो चुकी है। जनता के बीच उनकी स्वीकार्यता संगठन के साथ तालमेल और विकास कार्यों के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। माना जा रहा है कि करीब चालीस प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट बदले जा सकते हैं। इसका उद्देश्य केवल नया चेहरा लाना नहीं बल्कि जनता के बीच बेहतर प्रदर्शन करने वाले उम्मीदवारों को अवसर देना है। भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि पार्टी में टिकट का आधार केवल पुराना राजनीतिक अनुभव नहीं बल्कि जनता की सेवा और कार्यक्षमता होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा लगातार विकास और कानून व्यवस्था को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करती रही है। पिछले वर्षों में एक्सप्रेसवे हवाई अड्डों मेडिकल कॉलेजों औद्योगिक परियोजनाओं धार्मिक पर्यटन और आधारभूत ढांचे के विस्तार को सरकार की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में गिनाया जाता है। अयोध्या काशी और मथुरा जैसे धार्मिक स्थलों के विकास ने भी भाजपा के राजनीतिक अभियान को नई मजबूती दी है। कानून व्यवस्था भाजपा की दूसरी सबसे बड़ी चुनावी ताकत मानी जाती है। पार्टी का दावा है कि अपराध और माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई ने प्रदेश की तस्वीर बदली है। निवेश का माहौल बेहतर हुआ है और आम नागरिक में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि वर्ष 2027 का चुनाव भी विकास और मजबूत कानून व्यवस्था के मुद्दे पर ही लड़ा जाएगा। भाजपा की रणनीति केवल सरकार के कामकाज तक सीमित नहीं है। संगठन के भीतर भी अनुशासन और एकजुटता पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में अलग अलग स्तर पर कई शक्ति केंद्र उभरे हैं। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व चाहता है कि चुनाव से पहले किसी भी प्रकार का आंतरिक असंतोष सार्वजनिक रूप से सामने न आए। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने का संदेश दिया गया है। सहयोगी दलों के साथ तालमेल भी भाजपा की रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर प्रारंभिक स्तर पर विचार शुरू हो गया है। भाजपा जानती है कि सामाजिक और क्षेत्रीय समीकरणों को संतुलित रखना चुनावी सफलता के लिए आवश्यक होगा। इसलिए सहयोगियों को सम्मानजनक भागीदारी देने की तैयारी भी दिखाई दे रही है।दूसरी ओर विपक्ष भी चुनावी मैदान में सक्रिय होने की कोशिश कर रहा है लेकिन अभी तक वह कोई स्पष्ट रणनीति या साझा दृष्टि प्रस्तुत नहीं कर पाया है। अलग अलग दल अपने अपने स्तर पर सरकार की आलोचना कर रहे हैं लेकिन जनता के सामने ऐसा व्यापक विकास मॉडल नहीं रख पाए हैं जो मतदाताओं को नया भरोसा दे सके। विपक्ष के भीतर नेतृत्व और गठबंधन को लेकर भी असमंजस की स्थिति बनी हुई है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि केवल सरकार की आलोचना करके चुनाव नहीं जीते जा सकते। जनता अब विकास रोजगार निवेश आधारभूत सुविधाओं और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस योजनाएं देखना चाहती है। यदि विपक्ष इन विषयों पर स्पष्ट कार्यक्रम नहीं देता तो उसके लिए भाजपा को चुनौती देना आसान नहीं होगा। भाजपा का दावा है कि पिछले वर्षों में प्रदेश की तस्वीर बदली है। गांवों तक सड़कें पहुंची हैं। बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ है। गरीबों के लिए आवास और शौचालय जैसी योजनाओं का विस्तार हुआ है। महिलाओं की सुरक्षा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में भी सरकार लगातार काम कर रही है। पार्टी इन्हीं उपलब्धियों को लेकर जनता के बीच जाएगी। भाजपा के कार्यकर्ताओं में भी मिशन 2027 को लेकर उत्साह दिखाई दे रहा है। पार्टी का लक्ष्य केवल सत्ता में वापसी नहीं बल्कि पहले से अधिक सीटों के साथ जीत दर्ज करना है। इसके लिए सामाजिक संपर्क अभियान जन संवाद और बूथ स्तर पर लगातार सक्रियता बढ़ाई जा रही है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि हर कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं को घर घर तक पहुंचाए और जनता के साथ निरंतर संवाद बनाए रखे। उत्तर प्रदेश की राजनीति पूरे देश की राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव केवल एक राज्य का चुनाव नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाएगा। भाजपा इस चुनौती को अवसर में बदलने की तैयारी कर रही है और संगठन से लेकर सरकार तक हर स्तर पर पूरी ताकत के साथ जुट गई है। भाजपा को विश्वास है कि विकास सुशासन और मजबूत कानून व्यवस्था के आधार पर जनता एक बार फिर उसे समर्थन देगी। पार्टी का दावा है कि उत्तर प्रदेश में कमल फिर खिलेगा और वर्ष 2027 में भाजपा एक बार फिर पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। वहीं विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता का विश्वास जीतने की है।

विपक्ष की दुविधा, भाजपा का आत्मविश्वास और बदलते मतदाता का मन

शहरों का मतदाता स्थानीय विकास, यातायात, रोजगार, डिजिटल सुविधाओं और प्रशासनिक दक्षता जैसे विषयों को अधिक महत्व देता है। ऐसे में केवल पारंपरिक राजनीतिक नारों से चुनावी सफलता प्राप्त करना आसान नहीं रह गया है। कांग्रेस की स्थिति भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। कभी बिहार की राजनीति की धुरी रही कांग्रेस अब संगठनात्मक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया से गुजर रही है। गठबंधन की राजनीति में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहती है, लेकिन स्वतंत्र राजनीतिक विस्तार के लिए उसे नए नेतृत्व, नए कार्यकर्ताओं और नए सामाजिक संवाद की आवश्यकता है। यह कार्य समय मांगता है और चुनाव हमेशा उतना समय नहीं देते। वामपंथी दलों की भूमिका पर भी चर्चा होती है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में उनका योगदान निर्विवाद है। किसान आंदोलनों, श्रमिक अधिकारों और सामाजिक संघर्षों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है। हालांकि वर्तमान चुनावी राजनीति में उनका प्रभाव पहले की तुलना में सीमित हुआ है, फिर भी कई क्षेत्रों में उनका कैडर आधारित संगठन उन्हें प्रासंगिक बनाए रखता है। लोकतंत्र में छोटे दल भी कई बार बड़े परिणामों को प्रभावित कर देते हैं। उधर भाजपा की स्थिति अपेक्षाकृत अलग दिखाई देती है।



जितेन्द्र कुमार सिन्हा

(लेखक)

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे राजनीतिक दलों की ताकत, नेतृत्व की स्वीकार्यता और जनता के विश्वास की भी परीक्षा होते हैं। कई बार एक उपचुनाव भी इतना बड़ा राजनीतिक संदेश दे जाता है कि उसकी गूंज अगले विधानसभा या लोकसभा चुनाव तक सुनाई देती है। बांकीपुर का उपचुनाव भी ऐसे ही चुनावों में गिना जा रहा है, जहां जीत और हार का अर्थ केवल एक सीट तक सीमित नहीं रहेगा। राजनीति में एक पुरानी कहावत है कि सत्ता पक्ष चुनाव जीतने की कोशिश करता है, जबकि विपक्ष पहले अपनी एकता बचाने की। बिहार की वर्तमान राजनीति में यह कहावत काफी हद तक लागू होती दिखाई देती है। विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल भाजपा या सत्तारूढ़ गठबंधन का मुकाबला करना नहीं है, बल्कि अपने समर्थकों के बीच यह भरोसा बनाए रखना भी है कि वह एक प्रभावी विकल्प प्रस्तुत कर सकता है। जब भी किसी राज्य में उपचुनाव होता है, राजनीतिक विश्लेषक सबसे पहले यह देखने की कोशिश करते हैं कि सत्ता विरोधी मत किस हद तक एकजुट हैं। यदि विपक्ष बिखरा हुआ दिखाई देता है, तो उसका सीधा लाभ अक्सर सत्ता पक्ष को मिलता है। बिहार की राजनीति में भी यह समीकरण नया नहीं है। कई चुनावों में मतों के विभाजन ने परिणामों को प्रभावित किया है। इसी संदर्भ में बांकीपुर का चुनाव दिलचस्प बन जाता है। यहां विपक्ष के सामने दोहरी चुनौती है। एक ओर उसे अपने पारंपरिक समर्थकों को एकजुट रखना है, दूसरी ओर नए मतदाताओं को यह विश्वास दिलाना है कि उसके पास शासन का स्पष्ट दृष्टिकोण और मजबूत संगठनात्मक क्षमता है। केवल सरकार की आलोचना करना अब पर्याप्त नहीं माना जाता। मतदाता यह भी जानना चाहता है कि विकल्प क्या है और उसे लागू कैसे किया जाएगा। राष्ट्रीय जनता दल बिहार की राजनीति का बड़ा खिलाड़ी है। उसका सामाजिक आधार मजबूत माना जाता है और कई क्षेत्रों में उसका संगठन भी सक्रिय है। लेकिन शहरी सीटों पर उसे लगातार नई रणनीति बनाने की आवश्यकता महसूस होती रही है। शहरों का मतदाता स्थानीय विकास, यातायात, रोजगार, डिजिटल सुविधाओं और प्रशासनिक दक्षता जैसे विषयों को अधिक महत्व देता है। ऐसे में केवल पारंपरिक राजनीतिक नारों से चुनावी सफलता प्राप्त करना आसान नहीं रह गया है। कांग्रेस की स्थिति भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। कभी बिहार की राजनीति की धुरी रही कांग्रेस अब संगठनात्मक पुनर्निर्माण की प्रक्रिया से गुजर रही है। गठबंधन की राजनीति में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहती है, लेकिन स्वतंत्र राजनीतिक विस्तार के लिए उसे नए नेतृत्व, नए कार्यकर्ताओं और नए सामाजिक संवाद की आवश्यकता है। यह कार्य समय मांगता है और चुनाव हमेशा उतना समय नहीं देते। वामपंथी दलों की भूमिका पर भी चर्चा होती है। बिहार के राजनीतिक इतिहास में उनका योगदान निर्विवाद है। किसान आंदोलनों, श्रमिक अधिकारों और सामाजिक संघर्षों में उनकी सक्रिय भागीदारी रही है। हालांकि वर्तमान चुनावी राजनीति में उनका प्रभाव पहले की तुलना में सीमित हुआ है, फिर भी कई क्षेत्रों में उनका कैडर आधारित संगठन उन्हें प्रासंगिक बनाए रखता है। लोकतंत्र में छोटे दल भी कई बार बड़े परिणामों को प्रभावित कर देते हैं। उधर भाजपा की स्थिति अपेक्षाकृत अलग दिखाई देती है। वर्षों से लगातार संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और कार्यकर्ता आधारित चुनावी मॉडल ने उसे शहरी क्षेत्रों में विशेष बढ़त दिलाई है। चुनावी मौसम आने से पहले ही मतदाता संपर्क, लाभार्थी संवाद, स्थानीय कार्यक्रम और डिजिटल प्रचार जैसे अभियान शुरू हो जाते हैं। यही कारण है कि चुनाव की घोषणा होते-होते संगठन पहले से सक्रिय अवस्था में रहता है। हालांकि किसी भी राजनीतिक दल के लिए आत्मविश्वास और अति-आत्मविश्वास के बीच बहुत बारीक अंतर होता है। लोकतंत्र में मतदाता अंतिम क्षण तक स्वतंत्र होता है और वह अपनी पसंद बदल भी सकता है। इसलिए कोई भी चुनाव केवल पिछले रिकॉर्ड के आधार पर नहीं जीता जा सकता। प्रत्येक चुनाव नई परिस्थितियां और नई अपेक्षाएं लेकर आता है। बांकीपुर के मतदाताओं की एक विशेषता यह भी है कि वे राज्य और राष्ट्रीय राजनीति, दोनों पर नजर रखते हैं। राजधानी का राजनीतिक वातावरण अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक सक्रिय रहता है। यहां मीडिया की मौजूदगी, प्रशासनिक गतिविधियां, शिक्षण संस्थान और राजनीतिक संवाद चुनावी सोच को प्रभावित करते हैं। इसलिए यहां का मतदाता कई स्तरों पर राजनीतिक निर्णय करता है। आज का मतदाता पहले की तुलना में अधिक जानकारी रखता है। मोबाइल फोन के माध्यम से वह भाषण भी सुनता है, तथ्य भी देखता है और विभिन्न विचार भी पढ़ता है। सोशल मीडिया ने राजनीतिक संवाद को तेज किया है, लेकिन इसके साथ भ्रम फैलाने वाली सूचनाओं का खतरा भी बढ़ा है। ऐसे में विश्वसनीयता सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक पूंजी बन गई है। प्रशांत किशोर जैसे नए राजनीतिक प्रयोगों के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। एक वैकल्पिक राजनीति का विचार लोगों को आकर्षित कर सकता है, लेकिन उसे स्थायी जनसमर्थन में बदलने के लिए वर्षों का संगठनात्मक निवेश आवश्यक होता है। बिहार जैसे विशाल और सामाजिक रूप से विविध राज्य में यह चुनौती और भी कठिन हो जाती है। राजनीति में कई बार अपेक्षाएं वास्तविकता से बड़ी हो जाती हैं।



गुरु और गुरु पूर्णिमा का महत्व

आषाढ़ पूर्णिमा; यानी साधक और शिष्य जिस दिन की अत्यंत उत्सुकता (आतुरता) से प्रतीक्षा करते हैं, वह गुरु पूर्णिमा का मंगलमय दिन है ! शिष्य के संपूर्ण जीवन में समाए हुए सर्वशक्तिमान और सर्वज्ञ गुरु के चरणों में कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए, और साधना के अगले लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प लेने के लिए यह दिन साधक और शिष्य की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण दिन है। गुरु की कृपा से शिष्य का परम मंगल होता है, अर्थात उसकी आध्यात्मिक उन्नति होती है। गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन पर गुरु तत्व सामान्य दिनों की तुलना में 1 हजार गुना अधिक कार्यरत रहता है। सनातन संस्था द्वारा संकलित इस लेख में हम गुरु और गुरु पूर्णिमा का उद्देश्य और महत्व, तथा गुरु पूर्णिमा मनाने की पद्धति के बारे में जानेंगे । गुरु का महत्व : गुरुदेव वे हैं, जो साधना बताते हैं, साधना करवाते हैं और आनंद की अनुभूति कराते हैं। गुरु का ध्यान शिष्य के भौतिक सुख पर नहीं, अपितु केवल उसकी आध्यात्मिक उन्नति पर होता है। गुरु ही शिष्य को साधना के लिए प्रेरणा देते हैं, चरणबद्ध तरीके से साधना करवाते हैं, साधना में आने वाली बाधाओं को दूर करते हैं, साधना में स्थिर रखते हैं और उसे पूर्णता (परिपूर्णता) की ओर ले जाते हैं। गुरु के संकल्प के बिना इतना बड़ा और कठिन शिवधनुष उठाना असंभव है। इसके विपरीत, गुरु की प्राप्ति होने पर यह कार्य सहज ही संभव हो जाता है। गुरु शब्द की उत्पत्ति और महत्व : श्री गुरुगीता में गुरु शब्द की उत्पत्ति का वर्णन इस प्रकार किया गया है: गुकारस्त्वन्धकारश्च रुकारस्तेज उच्यते । अज्ञानग्रासकं ब्रह्म गुरुरेव न संशयः ।। – श्री गुरुगीता अर्थः गु का अर्थ है अंधकार या अज्ञान और ह्यरुह्ण का अर्थ है तेज, प्रकाश या ज्ञान। अज्ञान रूपी अंधकार को नष्ट करने वाला ब्रह्म ही गुरु है, इसमें कोई संदेह नहीं है। इससे यह स्पष्ट होता है कि साधक के जीवन में गुरु का महत्व असाधारण (अनन्यसाधारण) है। इसीलिए गुरु की प्राप्ति ही साधक का पहला लक्ष्य होता है। गुरु की प्राप्ति से ही ईश्वर की प्राप्ति होती है; या यूं कहा जा सकता है कि गुरु की प्राप्ति होना ही ईश्वर की प्राप्ति है। ईश्वर प्राप्ति का अर्थ है मोक्ष प्राप्ति, और मोक्ष प्राप्ति का अर्थ है निरंतर (अखंड) आनंद की अवस्था। इस अवस्था तक हमें गुरु ही पहुँचाते हैं। शिष्य को जीवनमुक्त करने वाले गुरु के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए ही गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा का उद्देश्य और महत्व : गुरु पूर्णिमा का उत्सव हर जगह आषाढ़ पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। गुरु यानी ईश्वर का सगुण रूप! पूरे वर्ष में प्रत्येक गुरु अपने भक्तों को अध्यात्म का बोधामृत (ज्ञान रूपी अमृत) भरपूर देते रहते हैं। उन गुरुओं के प्रति अनन्य भाव से कृतज्ञता व्यक्त करना ही गुरु पूर्णिमा मनाने का मुख्य उद्देश्य है। गुरु पूर्णिमा के शुभ दिन पर गुरु तत्व (ईश्वरीय तत्व) सामान्य दिनों की तुलना में 1 हजार गुना अधिक कार्यरत रहता है। इसलिए गुरु पूर्णिमा के अवसर पर की गई सेवा और त्याग (सत्कर्म के लिए अर्पण) का लाभ अन्य दिनों की तुलना में 1 हजार गुना अधिक मिलता है; इसीलिए गुरु पूर्णिमा गुरु कृपा (ईश्वर कृपा) का एक अनमोल अवसर (पर्वणी) है। गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाने की पद्धति : सभी संप्रदायों में गुरु पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है। यहाँ महत्वपूर्ण बात यह है कि गुरु एक तत्व हैं। भले ही गुरु देह (शरीर) के रूप में अलग-अलग दिखाई देते हों, लेकिन गुरु तत्व एक ही होता है। विभिन्न संप्रदायों के साथ-साथ कई संस्थाओं, संगठनों और पाठशालाओं में भी गुरु पूर्णिमा का महोत्सव अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। पूजा की विधिः गुरु पूजन के लिए चौकी (चौरंग) को पूर्व-पश्चिम दिशा में रखना चाहिए।

सारण में टीबी मुक्त भारत अभियान को मिली नई ताकत, डीएम बने निक्षय मित्र

- 218 टीबी मरीजों को मिला पोषण का संबल, छह माह तक फूड बास्केट उपलब्ध कराएंगे निक्षय मित्र

प्रात : किरण संवाददाता



छपरा। सारण जिले में टीबी मुक्त भारत अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप देने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक और महत्वपूर्ण पहल की है। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने शनिवार को समाहरणालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वयं निक्षय मित्र बनकर पांच टीबी मरीजों को गोद लिया और उन्हें पहले माह का फूड बास्केट वितरित किया। जिलाधिकारी की इस पहल से प्रेरित होकर सामाजिक संस्थाओं, चिकित्सकों और अधिकारियों ने भी आगे आकर 218 टीबी मरीजों को गोद लेने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि टीबी का इलाज केवल दवाओं से नहीं, बल्कि बेहतर पोषण, समय पर उपचार और सामाजिक सहयोग से भी संभव है। उन्होंने समाज के सक्षम नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं, उद्योगपतियों और जनप्रतिनिधियों से निक्षय मित्र बनकर मरीजों के उपचार अवधि में पोषण संबंधी सहायता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह सहयोग मरीजों का आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें जल्द स्वस्थ होने में भी मदद करेगा। जिलाधिकारी द्वारा गोद लिए गए पांचों मरीजों सहित सभी 218 लाभार्थियों को लगातार छह माह तक प्रत्येक महीने फूड बास्केट उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में ठाकुरबाड़ी महिला विकास कल्याण समिति ने 50, रोटरी क्लब छपरा ने 50, अखंड ज्योति अस्पताल ने 30, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी ने 25, सीडीओ डॉ. रत्नेश्वर प्रसाद ने 20, सदर अस्पताल ने 15 तथा अन्य संस्थाओं एवं अधिकारियों ने भी मरीजों को गोद लेकर उनकी पोषण संबंधी जिम्मेदारी स्वीकार की। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन टीबी मरीजों का राशन कार्ड नहीं बना है, उनका प्राथमिकता के आधार पर राशन कार्ड बनाकर सरकारी खाद्यान्न योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने बताया कि जिले में व्यापक स्तर पर टीबी स्क्रीनिंग अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसके तहत गांव-गांव और स्वास्थ्य संस्थानों में संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उनकी जांच की जा रही है। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डॉ. राजकुमार चौधरी, सीडीओ डॉ. रत्नेश्वर प्रसाद, जिला कार्यक्रम प्रबंधक अरविंद कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक रमेशचंद्र कुमार, टीबी डीपीसी हिमांशु शेखर, सीफार के गनपत आर्यन सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

डीएम ने दिए सख्त निर्देश, कदाचारमुक्त व शांतिपूर्ण परीक्षा के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था

छपरा। बिहार पुलिस अवर सेवा आयोग, पटना द्वारा आयोजित मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग में अवर निरीक्षक (मद्य निषेध) पद की लिखित परीक्षा 12 जुलाई 2026 (रविवार) को सारण जिला मुख्यालय के 26 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा में 13,008 अभ्यर्थी शामिल होंगे। इसे लेकर प्रेक्षागृह में आयोजित संयुक्त ब्रीफिंग में जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों एवं अन्य प्रतिनियुक्त अधिकारियों को परीक्षा के निष्पक्ष, कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की गहन जांच की जाए तथा परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने वाले फोटोग्राफर एवं वीडियोग्राफर की भी अनिवार्य रूप से शारीरिक तलाशी ली जाए। उन्होंने बताया कि परीक्षा पूर्वाह्न 11:00 बजे से अपराह्न 1:00 बजे तक एक पाली में होगी, जबकि अभ्यर्थियों को सुबह 9:30 बजे तक रिपोर्ट करना अनिवार्य होगा। सभी केंद्रों पर प्रवेश से पूर्व अभ्यर्थियों की सघन जांच की जाएगी और ई-प्रवेश पत्र के सत्यापन के बाद ही परीक्षा कक्ष में प्रवेश दिया जाएगा। वरीय पुलिस अधीक्षक विनीत कुमार ने बताया कि प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर स्टैटिक दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी, जोनल दंडाधिकारी, उड़नदस्ता दल एवं पर्याप्त संख्या में सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गई है। सभी प्रतिनियुक्त अधिकारी परीक्षा शुरू होने से दो घंटे पूर्व अपने केंद्र पर पहुंचेंगे और परीक्षा समाप्ति तक विधि-व्यवस्था बनाए रखेंगे। परीक्षा केंद्रों पर मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, पेजर, स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, चिट, ब्लेड, चाकू, माचिस सहित सभी प्रतिबंधित सामग्री के प्रवेश पर पूर्ण रोक रहेगी। प्रत्येक केंद्र पर वीडियो रिकॉर्डिंग कराई जाएगी। वहीं, परीक्षा केंद्रों के 500 गज की परिधि में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू रहेगी।

परीक्षा की सतत निगरानी के लिए सदर अनुमंडल कार्यालय, छपरा परिसर में जिला नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 06152-242444 रहेगा, जो 12 जुलाई को सुबह 7 बजे से अपराह्न 3 बजे तक कार्यरत रहेगा। जिला प्रशासन ने सभी अभ्यर्थियों से समय पर परीक्षा केंद्र पहुंचने एवं आयोग के निदेर्शों का पालन करने की अपील की है।

संक्षिप्त खबरें

परिचर्चा का हुआ आयोजन

छपरा ।जयप्रकाश महिला महाविद्यालय में विश्व जनसंख्या दिवस जागरूकता के अवसर पर एक परिचर्चा का आयोजन किया ।यह कार्यक्रम एन एस एस (यूनिट -2)एवं सेहत केन्द्र के संयुक्त तत्वाधान में किया गया ।कार्यक्रम की शुरूआत ह्लयुवाओं की आशाओं और आकांक्षाओं को आज और भविष्य के लिए साकार करनाह्व थीम पर की गई। प्राध्यापक डॉ ओम प्रकाश ने स्वयंसेवक एवं छात्राओं को कहा कि बढ़ती जनसंख्या के साथ साथ शिक्षा , स्वास्थ्य, लैंगिक समानता तथा संसाधनों के संतुलित उपयोग पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है ।उन्होंने कहा कि शिक्षित एवं जागरूक युवा ही स्वास्थ्य, समृद्ध और सतत समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते है । प्राध्यापक डॉ अनीता गौतम द्वारा बताया गया कि महिलाओं को सशक्त बनाना और उन्हें शिक्षा के समान अवसर देना जनसंख्या में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है । कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित एन एस एस की छात्राओं ने पूरे मनोयोग से परिचर्चा को सुना और जागरूक करने का संकल्प लिया ।इस परिचर्चा का आयोजन एन एस एस कार्यक्रम पदाधिकारी एवं सेहत केंद्र समन्वयक डॉ बिंदी कुमारी की अध्यक्षता में की गई।

टी बी मुक्त भारत कार्यक्रम में 25 प्रभावित को लिया गया गोद,दी गई सामग्री

बनियापुर ।प्रखंड मुख्यालय पर भारत सरकार का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम टी बी मुक्त भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जहां बनियापुर अस्पताल में 105 टी बी के । रोगियों का इलाज चल रहा है ,जिसमें से 25 रोगियों को इस कार्यक्रम में सूचना देकर शामिल किया गया,इस कार्यक्रम में रोगियों को जन प्रतिनिधि , पदाधिकारियों ने पांच माह के लिए गोद लिया,जिनके लिए गोद लेने वाले जनप्रतिधि ,पदाधिकारी उनकी सम्पूर्ण इलाज की देखभाल करेंगे तथा पौष्टिक आहार सामग्री भी उन्हें कार्यक्रम में वितरण किया गया,वही इन चयनित रोगियों का ब्यौरा पोर्टल पर भी डाला जाएगा ।बताया गया कि कार्यक्रम में शामिल अधिकारियों प्रतिनिधियों ने बड़ा उत्सुकतापूर्ण माहौल में शामिल लोगों को सहर्ष सेवा भावना व्यक्त किया।

जेपी विश्वविद्यालय की परीक्षा व्यवस्था पर आरएसए ने उठाए सवाल

छपरा। जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा की स्नातक तृतीय सेमेस्टर (सीबीसीएस, सत्र 2024-2028) परीक्षा-2025 को लेकर आरएसए (शोध विद्यार्थी संगठन) ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। संगठन का कहना है कि परीक्षा प्रपत्र भरने की प्रक्रिया पूरी होने से पहले परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया गया है, जबकि मल्टीडिसिप्लिनरी कोर्स (एमडीसी-3) के परीक्षा रूटीन में प्रकाशित विषय विश्वविद्यालय के स्वीकृत सिलेबस से मेल नहीं खाते। इससे हजारों छात्र-छात्राओं के बीच भ्रम और असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आरएसए ने जारी पत्र में कहा कि विश्वविद्यालय ने पहले परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि 6 जुलाई से 15 जुलाई 2026 निर्धारित की थी, जिसे बाद में बैंकिंग तकनीकी समस्या का हवाला देते हुए 20 जुलाई तक बढ़ा दिया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर राजेन्द्र कॉलेज में हुआ व्याख्यान



प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। आज राजेन्द्र कॉलेज, छपरा में विश्व जनसंख्या दिवस पर केन्द्रित व्याख्यान एन.एस.एस. एवं सेहत केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ० शादाब हाशमी की सार्थक उपस्थिति रही वहीं एन.एस.एस. कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं स्वयं सेवकों ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अपने संदेश में प्राचार्य प्रो० संजय कुमार ने जनसंख्या की अतिशय वृद्धि को समाज के लिए एक बड़ी समस्या बताते हुए नियंत्रण के लिए लोगों से अपील की।

मुख्य वक्ता डॉ० शादाब हाशमी ने विश्व जनसंख्या दिवस के उद्भव-विकास पर प्रकाश डालते हुए विश्व के विभिन्न देशों एवं देश के कई राज्यों के परिप्रेक्ष्य में जनसंख्या वृद्धि के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार इत्यादि प्रभावों पर विस्तृत प्रकाश डाला और इस पर नियंत्रण हेतु जागरूकता का आह्वान किया। इनके अलावा एन. एस.एस. के कार्यक्रम पदाधिकारियों डॉ० इकबाल जफर अन्सारी, डॉ० ऋचा मिश्रा एवं डॉ० बी० एस० साहु ने भी छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए विषय के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। इसी क्रम में कॉमर्स विभाग के विशेष अभ्यागत अध्यापक श्री शशितोष कुमार ने जापान में घटती जनसंख्या एवं कई देशों में बढ़ती जनसंख्या पर तुलनात्मक आँकड़ा प्रस्तुत करते हुए जनसंख्या सन्तुलन के लिए ध्यानाकृष्ट किया।

इसी तरह अर्थशास्त्र विभाग के अध्यापक श्री अयान सादिक ने छात्र-छात्राओं से शिक्षा एवं रोजगार को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। स्वयं सेवकों में से रॉबिन सिंह, रत्नेश राज, सोनाली, काजल, महिमा सहित अन्य कई छात्र-छात्राओं ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

विश्व जनसंख्या दिवस पर दिघवारा में परिवार नियोजन जागरूकता रैली, 4 महिलाओं का सफल ऑपरेशन

प्रात : किरण संवाददाता



दिघवारा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दिघवारा में शनिवार को परिवार नियोजन शिविर का आयोजन किया गया। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर ह्यआकार परियोजनाह्व के तहत जननीझ्मोबियस फाउंडेशन द्वारा परिवार नियोजन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रभात फेरी भी निकाली गई। इस कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रौशन, बीएचएम रिचा कुमारी, डॉ. कमरुज्जमां, सीएचसी के स्वास्थ्यकर्मी तथा जननीझ्म मोबियस टीम के सदस्य अमन, अर्पणा, सौरभ श्रीवास्तव, कुंदन, राजकुमारी, चंचल एवं संगम टीम के अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रभात फेरी के दौरान लोगों को परिवार नियोजन, स्वस्थ जन्म अंतराल, छोटे एवं सुखी परिवार के महत्व तथा उपलब्ध गर्भनिरोधक साधनों के बारे में जागरूक किया गया। प्रतिभागियों ने नारे और संदेशों के माध्यम से समुदाय को परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उठाने और जिम्मेदार अभिभावक बनने के लिए प्रेरित किया। यह आयोजन जनसंख्या स्थिरीकरण एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। जननी के जिला क्षेत्र समन्वयक कुमार अमन ने बताया कि जननी टीम द्वारा प्रखंड स्तर पर स्थायी एवं अस्थायी परिवार नियोजन सेवाएं नियमित रूप से उपलब्ध कराई जाती हैं, जिसे लोगों द्वारा सराहा जा रहा है। परिवार नियोजन शिविर के दौरान डॉ. कमरुज्जमां द्वारा 4 महिलाओं का सफल ऑपरेशन भी किया गया।

मुख्यमंत्री से मिले भाजपा नेतागण

प्रात : किरण संवाददाता



छपरा कार्यालय। बिहार में नई एनडीए सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास पर एनडीए जिला अध्यक्षों की अहम बैठक हुई जिसमें सरकार और संगठन के बीच बेहतर समन्वय पर चर्चा हुई उक्त बैठक में भाजपा सारण के जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने भाग लिया उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्षों की संपन्न बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार और संगठन एक जुट होकर काम करेंगे एनडीए जिला अध्यक्ष संगठन और सरकार के जिला पदाधिकारी के बीच तालमेल समन्वय स्थापित करेंगे अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि एनडीए सरकार जनता की सरकार है हम संगठन और प्रशासन के बीच व्याप्त दूरियों को समाप्त कर कार्यकताओं और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है अधिकारियों को यह समझना होगा की जनता की समस्याओं की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिला अध्यक्ष रणजीत कुमार सिंह ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया यह जानकारी जिला अध्यक्ष के हवाले से भाजपा के प्रधान प्रवक्ता एडवोकेट प्रकाश रंजन नीकू ने दी

नगरा में नए सीओ के रूप में अजय राठौर ने संभाला पदभार

प्रात : किरण संवाददाता



छपरा ग्रामीण। सारण जिले के नगरा प्रखंड अंचल कार्यालय में नए अंचलाधिकारी (सीओ) के रूप में अजय राठौर ने विधिवत योगदान दे दिया है। उनके पदभार ग्रहण करते ही प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने की उम्मीद जताई जा रही है। पदभार संभालने के बाद उन्होंने कार्यालय के कर्मियों के साथ बैठक कर लंबित मामलों की समीक्षा की तथा राजस्व एवं भूमि संबंधी कार्यों को पारदर्शिता के साथ निष्पादित करने का निर्देश दिया। सीओ अजय राठौर ने कहा कि आम जनता की समस्याओं का त्वरित समाधान उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी समस्याएं सीधे कार्यालय में आकर रखें, ताकि समय पर निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही उन्होंने अतिक्रमण, भूमि विवाद एवं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देने की बात कही। स्थानीय लोगों ने नए सीओ के आगमन का स्वागत करते हुए बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था की उम्मीद जताई है।

भारत विकास परिषद का स्थापना दिवस मना

प्रात : किरण संवाददाता



छपरा। भारत विकास परिषद की छपरा शाखा द्वारा छपरा जंक्शन परिसर में स्थित हनुमान मंदिर के सभागार में भारत विकास परिषद का स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर भारत विकास परिषद के वरीय सदस्यों ने भारत विकास परिषद की स्थापना के महत्व एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला । वक्ताओं ने बताया कि परिषद संपर्क, सहयोग, समर्पण एवं सेवा का संस्कार देने का कार्य करता है ताकि भारत को एक श्रेष्ठ राष्ट्र बनाया जा सके । इस अवसर पर परिषद के संरक्षक ईश्वर प्रसाद, पूर्व अध्यक्ष एस एन पाठक, डॉ विजय कुमार सिन्हा सहित कई वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए समाज के प्रति परिषद के दायित्व को याद दिलाया । कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार वर्मा ह्यसंकल्पह्व ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन अरविंद कुमार ने किया । इस अवसर पर कोषाध्यक्ष जयंत कुमार सरावगी, भगवती प्रसाद जगाती, संगठन सचिव राहुल मेहता, चुनमुन सिंह रौशन, लकी पटेल सहित कई सदस्यों उपस्थित रहे इस। इस अवसर पर परिषद के सदस्यों ने एक वर्ष के भीतर अपने कार्यालय हेतु एक भवन की परिकल्पना पर गंभीरता से विचार किया ।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा शुरू, परिवार नियोजन अपनाने का दिया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता



मांझी में विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। 11 से 31 जुलाई तक चलने वाले इस विशेष अभियान की शुरूआत प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार ने परिवार नियोजन किट वितरित कर की इस अवसर पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि बढ़ती जनसंख्या पर नियंत्रण और स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए परिवार नियोजन की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। अभियान के दौरान दंपतियों को परिवार नियोजन के सुरक्षित एवं प्रभावी साधनों की जानकारी देने के साथ-साथ छोटे परिवार के लाभ, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा जन्मांतराल के महत्व के प्रति भी जागरूक किया जाएगा ।प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार ने बताया कि पखवाड़े के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव-गांव पहुंचकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करेगी। इच्छुक दंपतियों को परिवार नियोजन संबंधी परामर्श, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं तथा उपलब्ध साधनों की जानकारी भी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ परिवार ही समृद्ध समाज की नींव है, इसलिए लोगों को बिना किसी संकोच के परिवार नियोजन सेवाओं का लाभ उठाना चाहिए। अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर जनसंख्या स्थिरता के लक्ष्य को सफल बनाने का प्रयास किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से इस पखवाड़े में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

आईसीसीआर व बिहार संग्रहालय के 'भिखारी के रंग' कार्यक्रम में इप्टा के कलाकारों की प्रस्तुति

प्रात : किरण संवाददाता



छपरा ।सूबे की राजधानी पटना में आयोजित भिखारी के रंग कार्यक्रम में सारण इप्टा के कलाकारों ने सराहनीय प्रस्तुति दी ।भिखारी ठाकुर की 55 वीं पुण्यतिथि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की पटना इकाई व बिहार संग्रहालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में इप्टा बिहार इकाई के आरा ,पटना , दिघवारा और एकमा इप्टा के कलाकारों ने प्रस्तुति दी। एकमा इप्टा की ओर से भिखारी ठाकुर की रचनाओं पर आधारित राग सुर कार्यक्रम में लोकगायक रामेश्वर गोप ने मंगलाचरण व बिदेशिया नाटक का बारहमासा गीत के साथ महेंद्र मिसिर रचित पूर्वी गीतो की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर दर्शकों कों मंत्र मुग्ध कर दिया ।गायक गोप की प्रस्तुति को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक पार्षद डॉ वीरेंद्र नारायण यादव आईसीसीआर पटना की निदेशक स्वधा रिज्वी (आईएफएस) बिहार संग्रहालय के अपर निदेशक अशोक कुमार सिन्हा, वरिष्ठ साहित्यकार रंगकर्मी श्रीकांत किशोर , रंगकर्मी जावेद अख्तर सहित इप्टा के राष्ट्रीय महासचिव तनवीर अख्तर , बिहार इप्टा के कार्यवाहक महासचिव फिरोज असरफ खां आदि ने भूरी भूरी प्रशंसा की। गायक गोप के अलावे दिघवारा इप्टा के अशोक सिंह व राजेंद्र राय और उनके साथी कलाकार ढोलक पर अनिल कुमार, तबला वादक बाल कलाकार प्रियांशु,बेंजू पर श्रवण कुमार,मंगल यादव आदि कलाकारों ने अपनी बेहतरीन और सराहनीय प्रस्तुति दी ।इसके पूर्व आरा इप्टा के नागेन्द्रनाथ पांडेय और टीम ,आध्या श्वेता प्रीति ने प्रशंसनीय प्रस्तुति दी ।संचालन फिरोज असरफ खां व विशाल तिवारी ने की ।मौके पर सारण इप्टा से जुड़े अजय कुमार अजय संयुक्त सचिव , बिहार , संरक्षक डा० महात्मा प्रसाद गुप्ता ,दिघवारा इप्टा, सुरेंद्र कुमार , राजू सचिव ,,सुरेंद्र नाथ त्रिपाठी अध्यक्ष छपरा इप्टा के अलावे प्रो० तरुण कुमार , प्रो० जावेद अख्तर खां, सुमन कुमार, निवेदिता, अनीश अंकुर, जय प्रकाश, मोहम्मद आशिक, सोना झा सहित कई गण-मान्य लोगों की उपस्थिति रही।

मांझी में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 8 मरीजों को मिला फूड बॉस्केट

प्रात : किरण संवाददाता



मांझी। मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के तहत शनिवार को टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार के अध्यक्षता में प्रखंड के कुल आठ टीबी मरीजों के बीच फूड बॉस्केट का वितरण किया गया।

साथ ही समाज के सक्षम एवं जागरूक लोगों से टीबी मरीजों को गोद लेकर उनके पोषण एवं उपचार में सहयोग करने की अपील की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. रोहित कुमार ने कहा कि, टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से इलाज योग्यता बीमारी है।

यदि समय पर जांच, नियमित दवा और पौष्टिक आहार मरीजों को दिया जाय तो वो पूरी तरह से स्वस्थ हो सकते हैं।

उन्होंने आगे बताया कि, राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत मांझी के सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर टीबी की निःशुल्क जांच, इलाज एवं दवाइयों की व्यवस्था उपलब्ध है। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि, लगातार दो सप्ताह से अधिक खांसी, वजन में कमी, बुखार अथवा अन्य लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि, निक्षय पोषण योजना (एनपीवाई) के तहत प्रत्येक टीबी मरीज के बैंक खाते में सरकार की ओर से छह माह तक प्रतिमाह एक हजार रुपये की सहायता राशि उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान पौष्टिक भोजन मिल सके और वे जल्द स्वस्थ हो सकें।

इस अवसर पर डॉ रोहित कुमार क्रमशः एक मरीज, मांझी प्रखंड विकास पदाधिकारी उपेंद्र दास एक मरीज,डीसीएलआर दो मरीज,बीपीआरओ मांझी एक मरीज,सुनील सिंह ने टीबी मरीजों को गोद लिया तथा उन्हें फूड बॉस्केट उपलब्ध कराया। सभी ने भविष्य में भी टीबी मरीजों के पोषण एवं देखभाल में सहयोग देने का संकल्प लिया।

सारण में लगेगा पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के लिए समाधान शिविर, समस्याओं का होगा निपटारा : कर्नल मनीष

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके आश्रितों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा सैनिक कल्याण योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 20 जुलाई 2026 को सारण जिला सैनिक कल्याण कार्यालय में विशेष समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। इस संबंध में जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल मनीष कुमार (सेवानिवृत्त) के हस्ताक्षर से जिले के विभिन्न समाचार पत्रों को पत्र जारी कर कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार का अनुरोध किया गया है। जारी पत्र के अनुसार, यह शिविर मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजीमेंट अभिलेख कार्यालय के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके परिजनों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना तथा उन्हें केंद्र एवं राज्य सरकार की सैनिक कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराना है। शिविर के दौरान सेवा संबंधी मामलों, पेंशन, अभिलेख, पहचान पत्र, पारिवारिक लाभ, आश्रितों से जुड़े मामलों सहित अन्य प्रशासनिक एवं कल्याणकारी विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाएगा। संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में प्राप्त आवेदनों एवं शिकायतों का त्वरित निष्पादन करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों को अनावश्यक कार्यालयी प्रक्रियाओं से राहत मिल सके। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय ने विशेष रूप से मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री रेजीमेंट से सेवानिवृत्त पूर्व सैनिकों एवं वीर नारियों से अधिकाधिक संख्या में शिविर में भाग लेने की अपील की है। साथ ही अन्य पूर्व सैनिकों एवं उनके आश्रितों से भी इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी समस्याओं के समाधान एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त करने का आग्रह किया गया है। जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी कर्नल मनीष कुमार ने कहा है कि ऐसे समाधान शिविर पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को एक ही स्थान पर विभिन्न प्रकार की सहायता उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में न्यायिक जांच हुई शुरू,पहले दिन माता और पिता की हुई गवाही

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी पुलिस एनकाउंटर मामले में गठित न्यायिक जांच आयोग के समक्ष शनिवार को मृतक के माता-पिता ने अपना बयान दर्ज कराया। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति विनोद कुमार सिन्हा के समक्ष दोनों ने अलग-अलग अपनी गवाही दी और घटना से जुड़े तथ्यों के साथ अपना पक्ष रखा। गवाही के बाद मीडिया से बातचीत में मृतक के पिता काशीनाथ तिवारी ने बताया कि उन्होंने आयोग के समक्ष वही बातें रखीं, जो उनके साथ घटना के दिन हुई थीं। उन्होंने कहा कि घटना के समय पुलिस उन्हें थाने ले गई थी, जहां पूरे दिन उन्हें थाने में रखा गया। उन्होंने आयोग को बताया कि जिस समय घटना हो रही थी, उस दौरान वह थाने में थे। उन्होंने अपनी जानकारी के अनुसार पूरा घटनाक्रम आयोग के सामने रखा। गिरफ्तारी और जांच की प्रगति के सवाल पर काशीनाथ तिवारी ने कहा कि आयोग ने फिलहाल जांच



प्रक्रिया जारी रहने की बात कही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और निष्पक्ष कार्रवाई होगी। वहीं, मृतक की मां आशा देवी ने बताया कि उन्होंने आयोग के समक्ष वही बयान दिया, जो उन्होंने स्वयं देखा और अनुभव किया। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़े जिन पुलिस अधिकारियों और कर्मियों पर उन्हें संदेह है, उनके संबंध में भी आयोग को जानकारी दी गई। आयोग के अध्यक्ष ने उनसे करीब एक घंटे तक विस्तार से बातचीत कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। आशा देवी ने बताया कि उन्होंने आरोपित पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी का मुद्दा भी आयोग के समक्ष उठाया। इस पर उन्हें बताया गया कि पहले सभी संबंधित पक्षों और गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे, उसके बाद जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। उन्होंने यह भी कहा कि घटना से जुड़े मोबाइल फोन के संबंध में भी उन्होंने आयोग के समक्ष अपनी बात रखी है। न्याय मिलने की उम्मीद पर आशा देवी ने कहा कि फिलहाल जांच जारी है और सभी गवाहों के बयान तथा बहस पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने बताया कि परिवार के अन्य सदस्यों को भी आयोग ने गवाही के लिए बुलाया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा गठित न्यायिक जांच आयोग भरत तिवारी एनकाउंटर मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रहा है। आयोग क्रमवार गवाहों के बयान दर्ज कर रहा है और आने वाले दिनों में परिवार के अन्य सदस्यों तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों की भी गवाही ली जाएगी।

वीकेएसयू में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम सेल का गठन शिक्षकों के प्रशिक्षण और शोध को मिलेगा बढ़ावा

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा में शिक्षकों के शैक्षणिक, अनुसंधान एवं व्यावसायिक कौशल के सतत विकास के उद्देश्य से फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) सेल का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. शैलेन्द्र कुमार चतुर्वेदी के निर्देश तथा बिहार राजभवन के पत्र के आलोक में विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। विश्वविद्यालय का मानना है कि इस पहल से शिक्षकों की दक्षता बढ़ेगी तथा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। एफडीपी सेल का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों तथा फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रमों का प्रभावी संचालन एवं समन्वय करना है। इसके माध्यम से शिक्षकों को नई शिक्षण तकनीकों, शोध पद्धतियों, नवाचार एवं डिजिटल शिक्षा से जोड़ते हुए उनकी शैक्षणिक और अनुसंधान क्षमता को सुदृढ़ बनाया जाएगा।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्नातकोत्तर भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. संजय कुमार को एफडीपी सेल का नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया है। वहीं, स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र विभाग के वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक डॉ. राजेश कुमार वर्मा को सहायक नोडल पदाधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दोनों पदाधिकारी विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना, संचालन एवं समन्वय का कार्य करेंगे।विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. रामकृष्ण ठाकुर ने बताया कि एफडीपी सेल के गठन से शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल शिक्षण, शोध, नवाचार तथा क्षमता निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों का अधिकतम लाभ मिलेगा। समय-समय पर विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण आयोजित किए जाएंगे, जिससे शिक्षक बदलती शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को विकसित कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह पहल शिक्षकों में गुणवत्तापूर्ण अध्यापन, शोध संस्कृति और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। साथ ही इससे विद्यार्थियों को भी आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने उम्मीद जताई है कि एफडीपी सेल के माध्यम से शिक्षकों की पेशेवर दक्षता बढ़ेगी, शोध गतिविधियों को नई गति मिलेगी और विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से लागू करने में सफल होगा।

पहली मेरिट सूची से 60 प्रतिशत सीटें भरीं 13 जुलाई को जारी होगी दूसरी सूची

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय में सत्र 2026-28 के दो वर्षीय बीएड पाठ्यक्रम में पहली मेरिट सूची के आधार पर नामांकन प्रक्रिया का पहला चरण पूरा हो गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार पहली मेरिट सूची से कुल सीटों में लगभग 60 प्रतिशत सीटों पर नामांकन संपन्न हो चुका है। अब शेष रिक्त सीटों पर नामांकन के लिए दूसरी मेरिट सूची 13 जुलाई को जारी की जाएगी, जबकि दूसरी सूची के आधार पर नामांकन की प्रक्रिया 14 जुलाई से प्रारंभ होगी। विश्वविद्यालय के बीएड नोडल पदाधिकारी डॉ. राजेशी वर्मा ने बताया कि पहली मेरिट सूची के चयनित अभ्यर्थियों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 10 जुलाई निर्धारित थी। निर्धारित अवधि के भीतर अभ्यर्थियों को आवंटित महाविद्यालय में पहुंचकर अपने सभी आवश्यक शैक्षणिक एवं अन्य दस्तावेजों का सत्यापन कराने के बाद नामांकन लेना था। अंतिम तिथि तक नामांकन नहीं कराने वाले अभ्यर्थियों का आवंटन स्वतः निरस्त कर दिया गया है। विश्वविद्यालय से संबद्ध 20 बीएड महाविद्यालयों में पहली मेरिट सूची के आधार पर कुल 1,423 अभ्यर्थियों ने नामांकन कराया है। इसके बाद अब भी 927 सीटें रिक्त हैं, जिन्हें दूसरी मेरिट सूची के माध्यम से भरा जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दूसरी सूची जारी होने के बाद रिक्त सीटों पर अगले चरण की काउंसिलिंग एवं नामांकन प्रक्रिया निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराई जाएगी।डॉ. वर्मा ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे दूसरी मेरिट सूची जारी होने के बाद विश्वविद्यालय की अधिसूचना पर नजर रखें और निर्धारित तिथि पर आवंटित कॉलेज में सभी आवश्यक मूल प्रमाण-पत्रों के साथ उपस्थित होकर समय पर नामांकन सुनिश्चित करें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

संक्षिप्त खबरें

कोल्हरामपुर में 8 लीटर महुआ शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

बड़हरा। प्रखंड अंतर्गत बबुरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए थाना क्षेत्र के कोल्हरामपुर गांव से 8 लीटर देशी महुआ शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है.पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी, कि कोल्हरामपुर गांव में अवैध रूप से देशी शराब का भंडारण एवं कारोबार किया जा रहा है. सूचना के सत्यापन के बाद बबुरा थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थान पर छापेमारी की. छापेमारी के दौरान 8 लीटर देशी महुआ शराब बरामद कर लिया.वही मौके से कोल्हरामपुर निवासी लालमोहन पासवान के पुत्र संजय कुमार पासवान को गिरफ्तार कर लिया.थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

विषैले सांप के डंसने से महिला की हालत गंभीर

आरा। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के परसौंडा गांव में शनिवार की सुबह विषैले सांप के डंसने से एक महिला की हालत काफी गंभीर हो गई, उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार महिला शाहपुर थाना क्षेत्र के परसौंडा गांव निवासी कृष्णा यादव की 35 वर्षीया पत्नी सीमा देवी है। इधर, उक्त महिला के परिजन ने बताया कि शनिवार की सुबह वह आंगन में साफ-सफाई कर रही थी। तभी विषैले सांप ने उसे डंस लिया। कुछ देर बाद अचानक उसकी हालत काफी गंभीर हो गई। तब परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया।

हत्या के प्रयास में फरार आरोपित गिरफ्तार

आरा। अजीमाबाद थाना पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास में फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार किया गया, उसकी गिरफ्तारी पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव स्थित उनके घर से की गयी। गिरफ्तार आरोपित पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव निवासी कमलेश्वर यादव का पुत्र दीपक कुमार है। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक राज ने दी। बता दें कि बीते 29 मई को नारायणपुर थाना क्षेत्र के भलुनी गांव निवासी कृष्णा सिंह का पुत्र चंदन कुमार उर्फ भोला पवना थाना क्षेत्र के पवना गांव निवासी कालेश्वर यादव के पुत्र दीपक कुमार के बारात में शामिल होने सात-आठ अन्य लोगों के साथ अजिमाबाद थाना क्षेत्र के डिहरा गांव में गया था। जहां खाना खाने के बाद जब वह समियाना में बैठा था। तभी कुछ लोगों द्वारा बोला गया के माहौल बनाने के लिए फायरिंग करो। तभी दीपक कुमार द्वारा पिस्टल लोड किया जाने लगा। उस दौरान फायरिंग हो गई थी, जिसमें चंदन कुमार उर्फ भोला को गोली लग गई थी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था।

हत्या के मामले में फरार आरोपित गिरफ्तार, भेजा गया जेल

सीवान/दरौंदा। थाना क्षेत्र के रामगढ़ा गांव से पुलिस ने हत्या के मामले में फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि 27 नवंबर 2025 को एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पीड़ित के आवेदन पर दरौंदा थाना कांड संख्या 572/25 दर्ज किया गया था। इस मामले में दो लोगों को नामजद आरोपित बनाया गया था। उन्होंने बताया कि मामले में एक आरोपित इंद्रासन राम को पूर्व में ही गोरौली गांव से गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं दूसरा आरोपित रामगढ़ा गांव निवासी रवींद्र राम घटना के बाद से फरार चल रहा था।

विस्थापित परिवारों के लिए लगाया गया चापाकल, पेयजल संकट से मिलेगी राहत

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। जवईनियाँ गांव से विस्थापित होकर बांध पर अस्थायी रूप से रह रहे लोगों की पेयजल समस्या को देखते हुए शनिवार को हिंदू पुत्र संगठन के सहयोग से एक चापाकल लगाया गया। चापाकल लगने से विस्थापित परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होने की उम्मीद जगी है। हिंदू पुत्र संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष नागेश सम्राट ने बताया कि बांध पर रह रहे विस्थापित परिवारों ने पेयजल



की समस्या से अवगत कराते हुए चापाकल लगाने का अनुरोध किया था। इसके बाद संगठन ने तत्काल पहल करते हुए उसी दिन चापाकल लगवाने की व्यवस्था कराई, ताकि लोगों को पानी के लिए परेशान न होना पड़े।उन्होंने कहा कि विस्थापित परिवारों की सहायता करना संगठन की सामाजिक जिम्मेदारी है। नागेश सम्राट ने कहा कि यह कार्य भरत भूषण तिवारी के सपनों और जनसेवा की भावना से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि संगठन भविष्य में भी भरत भूषण तिवारी के जनहित से जुड़े सपनों को साकार करने और जरूरतमंद लोगों की हरसंभव सहायता करने का प्रयास करता रहेगा।

सीएचसी बड़हरा में परिवार नियोजन स्थिरीकरण पखवाड़ा का शुभारंभ

प्रात : किरण संवाददाता

बड़हरा, भोजपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बड़हरा में शनिवार से परिवार नियोजन स्थिरीकरण पखवाड़ा का शुभारंभ किया गया। यह अभियान 11 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक संचालित होगा। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने लाभार्थियों के बीच परिवार नियोजन के अस्थायी साधनों का निःशुल्क वितरण कर किया। इस अवसर पर लोगों को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक करते हुए छोटे एवं स्वस्थ परिवार के महत्व की जानकारी दी गई। साथ ही बताया गया कि पखवाड़ा के दौरान योग्य दंपतियों को उनकी आवश्यकता के अनुसार परिवार नियोजन के विभिन्न अस्थायी साधन निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि 13 जुलाई (सोमवार) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़हरा में विशेष परिवार नियोजन शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां इच्छुक लाभार्थियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह के साथ परिवार नियोजन संबंधी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि पखवाड़ा के दौरान निरोध, माला-एन, छाया, कॉपर-टी (आईयूसीडी), अंतरा इंजेक्शन सहित अन्य अस्थायी गर्भनिरोधक साधनों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग ने अधिक से अधिक योग्य दंपतियों से इस अभियान का लाभ उठाने और परिवार नियोजन अपनाकर स्वस्थ एवं खुशहाल परिवार के निर्माण में सहयोग करने की अपील की है।

भोजपुर में अपराध नियंत्रण पर सख्ती, एसपी ने थानाध्यक्षों को दिए कड़े निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। भोजपुर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, थानाध्यक्ष तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। गोष्ठी में जिले की विधि-व्यवस्था, अपराध नियंत्रण तथा पुलिस की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थानावार अपराध की समीक्षा करते हुए गंभीर आपराधिक मामलों के त्वरित अनुसंधान एवं निष्पादन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने लंबित



वारंटों के निष्पादन, कुर्की-जब्ती की कार्रवाई में तेजी लाने तथा फरार अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अपराध प्रभावित एवं संवेदनशील हॉटस्पॉट क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाने और लगातार निगरानी रखने का आदेश दिया। पुलिस अधीक्षक ने जिले में शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए सभी थानाध्यक्षों को सक्रिय पुलिसिंग अपनाने की हिदायत दी। उन्होंने प्रमुख चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने तथा संदिग्ध व्यक्तियों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सघन रोको-टोको अभियान चलाने का निर्देश दिया।बैठक में पुलिस-पब्लिक समन्वय को और मजबूत बनाने पर भी विशेष बल दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने सभी थाना प्रभारियों को कम्युनिटी पुलिसिंग को प्रभावी ढंग से लागू करने, आम लोगों से संवाद बढ़ाने तथा जनसहयोग के माध्यम से अपराध नियंत्रण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. दिव्य प्रकाश को मिला प्रशंसा-पत्र



- सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार ने प्रदान किया प्रशंसा- पत्र
- फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में बेहतरीन करने की कार्य करने के लिए मिला प्रशंसा-पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य करने को लेकर फिजियोथेरापिस्ट डॉ. दिव्य प्रकाश को प्रशंसा -पत्र प्रदान किया गया। सिविल सर्जन भोजपुर डॉ. शिवेंद्र कुमार सिनहा एवं सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार द्वारा संयुक्त रूप से प्रशंसा पत्र जारी किया गया। इस मौके पर आज सदर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अरुण कुमार को द्वारा फिजियोथेरापिस्ट डॉ. दिव्य प्रकाश को प्रशंसा-पत्र प्रदान किया गया। बता दें की फिजियोथेरापिस्ट डॉ. दिव्य प्रकाश काफी अनुभवी है, उन्होंने बीमारी से ग्रसित कई मरीजों का उपचार कर उन्हें बेहतरीन जिंदगी प्रदान की है। सदर अस्पताल के ओपीडी के फिजियोथेरेपी विभाग में प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार और शनिवार को मरीज डॉ. दिव्य प्रकाश से परामर्श लेते हैं। इसके अलावे वे प्रत्येक माह की निर्धारित तिथि को निःशुल्क फिजियोथेरापी शिविर का आयोजन कर मरीज का उपचार एवं इलाज हेतु उचित परामर्श देते हैं। डॉ. दिव्य प्रकाश के प्रशंसा-पत्र मिलने पर कई लोगों ने बधाइयां दी है। बधाई देने वालों में सदर अस्पताल के चिकित्सक, गैर संचारी रोग विभाग के पदाधिकारी, फिजियोथेरापिस्ट, नर्स, कर्मचारी और मरीजों ने भी बधाई दिया। वही माता-पिता व परिवार के बड़ों ने आशीर्वाद दिया।

एएसआई के पद पर पदोन्नत पुलिस जवानों के कंधों पर लगा 'सिंगल स्टार'

प्रात : किरण संवाददाता

आरा। पुलिस अधीक्षक राज द्वारा पीटीसी परीक्षा उत्तीर्ण कर एएसआई के पद पर पदोन्नत हुए पुलिस जवानों के कंधों पर ह्यसिंगल स्टारह्न लगाकर उन्हें सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने सभी पदोन्नत अधिकारियों को बधाई दी और उनके उज्वल एवं कर्तव्यनिष्ठ भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी अधिकारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तथा



जिले की कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने में अपना अहम योगदान देंगे। इस अवसर पर सदर एसडीपीओ वन राजकुमार साह, ट्रैफिक डीएसपी मनोज कुमार सुधांशु, साइबर डीएसपी स्नेह सेतू समेत अन्य पुलिस

महराजगंज और रघुनाथपुर में धावा दल की कार्रवाई, छह बाल श्रमिक कराए गए मुक्त

प्रात : किरण संवाददाता



सीवान। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग, बिहार तथा जिला प्रशासन के निर्देश पर गठित धावा दल ने शनिवार को नया सवेरा ऑपरेशन 3.0 के तहत महराजगंज और रघुनाथपुर प्रखंड में संयुक्त छापेमारी कर छह बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। साथ ही संबंधित नियोजकों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। धावा दल ने महराजगंज और रघुनाथपुर के विभिन्न प्रतिष्ठानों में छापेमारी की। इस दौरान छह बाल श्रमिकों को दुकानों से मानव तस्करी रोधी इकाई, स्थानीय थाना पुलिस एवं स्वर्गीय कन्हाई शुक्ला सामाजिक सेवा संस्थान, सीवान के सहयोग से मुक्त कराया गया। सभी बच्चों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए बाल कल्याण समिति को सुपुर्द कर दिया गया। अभियान में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी सुधांशु रंजन पांडे, सौरभ सुमन, हिमांशु राज, विश्वजीत कुमार एवं अनीता कुमारी, सीएसए स्वीटी कुमारी सिंह, प्रोग्राम मैनेजर भोला श्रीवास्तव, सीएसडब्ल्यू धीरज सिंह और भोलू कुमार के साथ रघुनाथपुर थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल शामिल रहे।

ड्रोन कैमरे से रेलवे यार्ड और ट्रैक की निगरानी, आरपीएफ की पैनी नजर

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) पोस्ट सीवान द्वारा रेल संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरपीएफ पोस्ट सीवान के सहायक उप-निरीक्षक मयंक भूषण तिवारी और कांस्टेबल राजू यादव द्वारा रेलवे परिसर, रेलवे यार्ड और संवेदनशील रेलवे ट्रैक क्षेत्रों में ड्रोन कैमरे के माध्यम से विशेष निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। ड्रोन सर्विलांस के जरिए आरपीएफ टीम यार्ड में खड़े माल वैगनों, रेलवे ट्रैक तथा आसपास की संदिग्ध गतिविधियों पर तीसरी आंख से पैनी नजर रख रही है। इस तकनीक से कम समय में बड़े और संवेदनशील क्षेत्रों की सटीक निगरानी संभव हो रही है, जिससे चोरी, अनधिकृत प्रवेश और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने में मदद मिल रही है। आरपीएफ अधिकारियों ने बताया कि रेल यात्रियों और रेल संपत्ति की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सहार अंचल कार्यालय में नए सीओ राकेश आनंद ने संभाला पदभार

प्रात : किरण संवाददाता

सहार। सहार प्रखंड स्थित अंचल कार्यालय में शुक्रवार को नए अंचलाधिकारी के रूप में राकेश आनंद ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर निवर्तमान अंचलाधिकारी राकेश कुमार शर्मा को उनके सफल एवं बेहतर कार्यकाल के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी गईं। राकेश कुमार शर्मा ने सहार में लगभग दो वर्ष पांच महीने तक अंचलाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दीं। उनके स्थानांतरण के बाद उन्हें ओबरा का नया अंचलाधिकारी नियुक्त



किया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद नए अंचलाधिकारी राकेश आनंद ने आरटीपीएस कर्मियों सहित सभी अंचल कर्मचारियों के साथ बैठक कर कार्यों की समीक्षा की। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी भी आम नागरिक का कार्य किसी भी कारण से लंबित नहीं रहने दिया जाएगा।

अज्ञात वाहन की ठोकर से वृद्ध की मौत, पहचान नहीं

सीवान/दरौंदा। थाना क्षेत्र के करसौत पुल के समीप शनिवार को सड़क दुर्घटना में एक 65 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करसौत पुल के पास किसी अज्ञात वाहन की ठोकर से वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए थे। थानाध्यक्ष विकास कुमार सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल वृद्ध को इलाज के लिए अनुमंडल अस्पताल, महाराजगंज भेजा गया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। समाचार लिखे जाने तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी।

जनता दरबार में भूमि विवादों की सुनवाई में 17 में 13 मामलों का हुआ निष्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

सीवान/दरौंदा । प्रखंड स्थित अंचल कार्यालय में शनिवार को भूमि विवाद से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए जनता दरबार का आयोजन किया गया. इस दौरान कुल 17फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए पहुंचे थे. अंचल अधिकारी वेद प्रकाश नारायण और थाना अध्यक्ष विकास कुमार सिंह, एस आई संतोष कुमार जयसवाल की उपस्थिति में सभी मामलों की सुनवाई की गई. जनता दरबार में प्राप्त 17 मामलों में से 13 का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया. शेष चार मामलों में आवश्यक दस्तावेजों और तथ्यों की जांच के लिए नोटिस जारी करते हुए उन्हें लंबित रखा गया है. अधिकारियों ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर निष्पक्ष समाधान का प्रयास किया. अंचल अधिकारी वेद



प्रकाश नारायण ने बताया कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य भूमि विवादों का त्वरित और पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना है. इसका लक्ष्य है कि लोगों को न्याय प्राप्त करने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े. इस मौके पर डीईओ ब्रजेश राज सहित फरियादी उपस्थित रहे

भारत विकास परिषद के स्थापना दिवस पर पचरूखी में एनीमिया जाँच शिविर आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

सिवान। भारत विकास परिषद के 64वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भारत विकास परिषद, देशरत्न शाखाह्न सिवान द्वारा ह्लएनीमिया मुक्त भारत अभियानह्न के अंतर्गत गांधी स्मारक विद्या मंदिर एवं प्रोजेक्ट आदर्श कन्या उच्च विद्यालय, पचरूखी में एनीमिया जाँच एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य छात्राओं में एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराना तथा बेहतर पोषण के प्रति प्रेरित करना था। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पचरूखी तथा एक्यूरेट डायग्नोस्टिक लैब की विशेषज्ञ टीम के सहयोग से सभी छात्राओं की निःशुल्क हीमोग्लोबिन (एनीमिया) जाँच की गई। शिविर के दौरान दो सौ से अधिक छात्राओं को आयरन की दवाएँ, सेनेटरी नैपकिन, फल एवं आवश्यक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किए गए। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने छात्राओं को संतुलित आहार,



आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के नियमित सेवन, स्वच्छता तथा मासिक धर्म स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। भारत विकास परिषद, देशरत्न शाखा-सिवान के अध्यक्ष रोहित सिंह ने कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त बालिकाएँ ही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। परिषद समाजहित एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े ऐसे सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं संस्कार आयाम के प्रांतीय संयोजक भारत भूषण पाण्डेय ने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत अभियान भारत विकास परिषद का राष्ट्रव्यापी अभियान है। इसके अंतर्गत देशरत्न शाखा प्रत्येक माह सिवान के किसी न किसी विद्यालय में एनीमिया जाँच शिविर आयोजित कर छात्राओं के बीच जागरूकता कार्यक्रम संचालित करती है। देशरत्न शाखा के सचिव श्रवण सिंह ने इस शिविर के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले दोनों विद्यालय परिवारों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पचरूखी के स्वास्थ्यकर्मियों, एक्यूरेट डायग्नोस्टिक लैब की टीम तथा भारत विकास परिषद, देशरत्न शाखा के सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर इंदल सिंह, डॉ. सुधीर सिंह, रुपेश सिंह, नवीन सिंह परमार, डॉ. संजय सिंह, सचिन कुमार पर्वत, अजय कुमार सिंह, प्रोजेक्ट आदर्श कन्या उच्च विद्यालय की प्रधानाचार्या रेणुका भारद्वाज, गांधी स्मारक विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य देवकी नंदन ओझा, शिक्षक ब्रजेश कुमार, डॉ. सुधीर कुमार सिंह, डॉ. जय प्रकाश, विद्या कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार, ध्रुव कुमार मिश्रा सहित दोनों विद्यालयों के शिक्षकगण एवं भारत विकास परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रबोधन कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति ने किया

● उपराष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रबोधन कार्यक्रम के शुभारंभ ने सदस्यों का उत्साहवर्धन किया है : विधानसभा अध्यक्ष

● जनप्रतिनिधियों को भी समाज, प्रशासन और शासन-व्यवस्था में हो रहे तीव्र बदलावों की ओर ध्यान देना होगा : उप राष्ट्रपति

प्रात : किरण संवाददाता



गया जी।बिहार विधान सभा सचिवालय, लोकसभा सचिवालय की संस्था ह्लप्राइडह्व (ढफ्क्रऊए) एवं बिपार्ड (गयाजी) के संयुक्त तत्वावधान में बिहार विधान सभा के सदस्यों के लिए गयाजी की पावन धरती पर बिपार्ड, गयाजी परिसर में आयोजित दो दिवसीय ह्लप्रबोधन कार्यक्रमह्व का विधिवत उद्घाटन भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन द्वारा किया गया है।इस अवसर पर बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार ने अपने स्वागत भाषण में धर्म, ज्ञान, करुणा और मोक्ष की नगरी गयाजी के गौरवशाली इतिहास को याद दिलाते हुए कहा कि यह भूमि सदियों से ज्ञान-साधना और आत्मचिंतन का केंद्र रही है। उन्होंने वेद, पुराण और रामायण के आदर्शों का संदर्भ देते हुए कहा कि भारत में लोकतंत्र की जड़ें अत्यंत प्राचीन हैं और हमारे शास्त्र प्रारंभ से ही हमें सुनने, सीखने, संवाद करने तथा आत्मज्ञान को निरंतर बढ़ाने की प्रेरणा देते आए हैं। उन्होंने कहा कि यही मूल्य आज भी लोकतंत्र की आत्मा को सुदृढ़ बनाने के लिए उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने प्राचीन काल में थे। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रबोधन कार्यक्रम से सदन की कार्यक्षमता और जनप्रतिनिधियों की प्रभावशीलता में वृद्धि होगी। उन्होंने देश के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा प्रबोधन कार्यक्रम के शुभारंभ ने सदस्यों का उत्साहवर्धन किया है। इस उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भारत के उपराष्ट्रपति श सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि चुनाव मतों से जीते जाते हैं, लेकिन जनता का दिल केवल सेवा और संवेदनशील नेतृत्व से ही जीता जा सकता है। उन्होंने कहा, ह्लचुनाव जीतना लोकतंत्र की पहली सीढ़ी है, लेकिन जनता का स्थायी विश्वास केवल सेवा और संवेदनशील नेतृत्व से ही हासिल किया जा सकता है। बिहार का विकास ऐसा होना चाहिए कि यहां के युवाओं को रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में न जाना पड़े।ह्व उपराष्ट्रपति ने जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे ऐसा काम करें जिससे बिहार से युवाओं का पलायन रुके, बिहार रोजगार का केंद्र बने और बाहर से लोग यहां अवसरों की तलाश में आएं। गया की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह पावन भूमि सदियों से ज्ञान, त्याग और मोक्ष की प्रेरणा देती रही है, और यहां आयोजित यह प्रबोधन कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों के लिए समाज के प्रति समर्पण और उत्तरदायित्व की भावना को नए सिरे से जगाने का अवसर है। इस अवसर पर बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन ने कहा कि किसी भी क्षेत्र अथवा पेशे में प्रशिक्षण का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि आज का युग तीव्र तकनीकी परिवर्तन का युग है और हर क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकों तथा नवाचार से उत्पन्न चुनौतियों को केवल सतत और पेशेवर प्रशिक्षण के माध्यम से ही सरल एवं सुगम बनाया जा सकता है। उन्होंने विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से समाज, प्रशासन और शासन-व्यवस्था में हो रहे तीव्र बदलावों की ओर सबका ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों को भी इन बदलावों को समझते हुए स्वयं को समयानुकूल तैयार करना होगा।

गयाजी में विधायकों को सीएम सम्राट चौधरी की नसीहत, बोले– जनता की आवाज बनिए



गयाजी। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गयाजी में आयोजित विधायक प्रशिक्षण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराया है. उन्होंने कहा कि लाखों लोग विधानसभा तक अपनी बात लेकर नहीं पहुंच सकते, इसलिए वे अपने विधायक पर भरोसा करते हैं और जनप्रतिनिधियों का दायित्व है कि वे जनता की समस्याओं को सदन में मजबूती से उठाएं और उन्हें न्याय दिलाने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि विधायक केवल कानून बनाने तक सीमित नहीं हैं,बल्कि सरकार और जनता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है. जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना और उनके मुद्दों को सरकार तक पहुंचाना हर विधायक की प्राथमिक जिम्मेदारी है। लोकतंत्र की मजबूती तभी संभव है,जब जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के लोगों से लगातार जुड़े रहें और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। अपने आगे संबोधन में मुख्यमंत्री ने विधायकों से सदन की कार्यवाही में सक्रिय भागीदारी निभाने,तथ्यों के साथ अपनी बात रखने और विकास योजनाओं की प्रभावी निगरानी करने की भी अपील की है।. मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ अपने प्रतिनिधियों को चुना है,उस विश्वास को बनाए रखना हर विधायक का कर्तव्य है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधायकों को संसदीय परंपराओं, सदन की कार्यप्रणाली और जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने के तरीकों की भी जानकारी दी गई है. मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और जवाबदेही से ही सुशासन की अवधारणा मजबूत होगी और लोकतंत्र में जनता का भरोसा और बढ़ेगा।

संक्षिप्त खबरें

स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार का जदयू कार्यकताओं ने भव्य स्वागत किया

गया जी। स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार का मानपुर, स्थित सुरहरी बाईपास रोड पर जदयू नेताओं एवं कार्यकताओं ने बुके , माला एवं अंग वस्त्र देकर भव्य स्वागत किया। जदयू जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने बताया की स्वास्थ मंत्री निशांत कुमार बीपार्ड में दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। उन्होंने कहा की निशांत कुमार को हमलोग जदयू के साथ साथ बिहार का भविष्य के रूप में देख रहें हैं, जिस तरह से स्वस्थ विभाग में लगातार सुधार कर रहे हैं, आने वाले दिनों में बिहार का नेतृत्व करेंगे। इस स्वागत में महिला अध्यक्ष ज्योति दांगी, युवा अध्यक्ष सतीश पटेल, प्रखंड अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह, सोनम दास, अरविंद वर्मा, सुरेश राव,उत्तम कुशवाहा, सुलतान अहमद, सुमन राव, जितेंद्र राव, संतोष कुमार, कमलेश दिवाकर,बिट्टू कुमार, सुजीत कुमार,धीरू राव, मिथलेश राव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

बमेन्द्र को मिला मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान 2026 का अवॉर्ड

औरंगाबाद। रक्तदान क्षेत्र में विशेष रूप से सेवा दे रही औरंगाबाद की स्वयं सेवी संस्था पथ प्रदर्शक के संस्थापक सह सचिव बमेंद्र कुमार सिंह को मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान 2026 के अवार्ड से नवाजा गया।हर घर रक्तदाता, घर घर रक्तदाता के उद्देश्य को लेकर हिन्दुस्तान के वरीय रक्तसेवकों द्वारा मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान का शुरूआत किया गया है।मुख्य रूप से इस मिशन के सूत्रधार गुजरात के महेन्द्र जोशी, वैशाली पंड्या, पश्चिम बंगाल के रंजीत मिश्रा, हिमाचल प्रदेश के नरेश शर्मा, हरियाणा के संजीव मेहता छिब्बर,दिनेश बख्शी सहित कई रक्तसेवक हैं। 71 सदस्यीय कमिटी द्वारा प्रति वर्ष एक रक्तसेवक को मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान अवार्ड के लिए चयन किया जाता है।2026 का मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान अवार्ड के लिए सर्वसम्मति से औरंगाबाद के रक्तसेवक बमेंद्र कुमार सिंह का चयन किया गया। पथ प्रदर्शक द्वारा आयोजित रक्तदाता महाकुंभ 2 में भाग लेने आए मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान की टीम ने रक्तसेवक बमेंद्र को मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान अवार्ड से सम्मानित किया।पश्चिम बंगाल के रंजीत मिश्रा ने बताया कि 2019 में बिहार में पहली बात रक्तदाता महाकुंभ का आयोजन कर रक्तसेवक बमेंद्र ने देश विदेश एवं भिन्न भिन्न प्रदेशों के रक्तदानीयों को एक मंच पर जोड़ा था।पुनः 2026 में रक्तदाता महाकुंभ 2 में नेपाल, भूटान सहित देश के 23 राज्यों के रक्तदानियों को आपस में मिलाया।इसलिए वर्ष 2026 का मिशन रक्तक्रांति हिन्दुस्तान अवार्ड बमेंद्र कुमार सिंह को प्रदान किया गया।सम्मानित करने में हिमाचल प्रदेश के शतक रक्तदाता नरेश शर्मा, हरियाणा के दोहरा शतक रक्तदाता दिनेश बख्शी, शतक रक्तदाता संजीव मेहता छिब्बर एवं पश्चिम बंगाल के शतक रक्तदाता रंजीत मिश्रा शामिल थे।

20 वर्षो तक रहे विद्यालय मे शिक्षक की मौत पर शोक सभा

औरंगाबाद। उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ओबरा मे सहायक शिक्षक लालमणि कुमारी की हुई निधन पर शोक सभा आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रधानाध्यापक बिंदेश्वर कुमार सिंह ने किया। उनके आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। प्रधानाध्यापक बिंदेश्वर कुमार सिंह वरीय शिक्षक मनोज कुमार बीर बहादुर सिंह ने कहा कि शिक्षक लालमणि देवी का अचानक होने से शिक्षा जगत मर्माहत है। उनका विद्यालय समय से आना और जाना उनकी काफी उपलब्धियां रही। वे हिन्दी के शिक्षक रहने के कारण हिन्दी के कहानियों एवम व्याकरण के रचनो से छात्र काफी लाभान्वित हुए। शिक्षा के साथ साथ सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को छात्रों को जागरूक करने के लिए शिक्षा के प्रति सजग रहे। बता दे कि शिक्षक लालमणि कुमारी 9 दिसम्बर 2006 को विद्यालय मे योगदान ली थी।

शेरघाटी में छात्रहित की मांगों को लेकर एबीवीपी ने कॉलेज प्रशासन को सौंपा ज्ञापन



शेरघाटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की शेरघाटी इकाई ने शनिवार को एस.एम.एस.जी. कॉलेज में छात्र-छात्राओं की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। परिषद के पदाधिकारियों ने छात्रहित से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि एक सप्ताह के भीतर समाधान नहीं होने पर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। नगर मंत्री सचिन कुमार ने आरोप लगाया कि परिषद को लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि कॉलेज के काउंटर और सीएलसी विभाग में छात्राओं से जबरन सीएलसी देने के नाम पर 200 से 500 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। इसके अलावा प्रवेश फॉर्म जमा करने और फॉर्म उपलब्ध कराने के नाम पर भी 30 से 50 रुपये लिए जा रहे हैं। कॉलेज इकाई अध्यक्ष सुभाष चौधरी ने आरोप लगाया कि कॉलेज में विभिन्न कार्यों के लिए छात्रों से अवैध रूप से पैसे वसूले जा रहे हैं और बिना पैसे कोई काम नहीं किया जाता। छात्र नेता रंजन कुमार ने बताया कि ज्ञापन में कॉलेज परिसर के शौचालयों की व्यवस्था सुधारने, पूरे कैंपस में सीसीटीवी कैमरे लगाने, छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के लिए 112 पुलिस की तैनाती करने, ह्लआई हेल्प यूह्व काउंटर स्थापित करने तथा सभी विभागों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की गई है। इस दौरान रंजन कुमार, सुबोध कुमार, अमित कुमार, सचिन चौधरी, शशि कुमार सहित एबीवीपी के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

यूएलए स्कीम के तहत स्थापित रूफटॉप सोलर संयंत्र का डीएम ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता



अरवल। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत यूटिलिटी-नेतृत्वित समेकन (यूएलए) स्कीम के तहत भदासी निवासी एक लाभार्थी के आवास पर स्थापित 1.1 किलोवाट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र का जिलाधिकारी अरवल अमृषा बैंस ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त शैलेश कुमार, विद्युत कार्यपालक अभियंता सोमनाथ पासवान सहित विद्युत विभाग के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने रूफटॉप सोलर संयंत्र की स्थापना, विद्युत उत्पादन, नेट मीटरिंग व्यवस्था तथा लाभार्थी को प्राप्त हो रहे लाभों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने लाभार्थी से योजना के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी पात्र लाभार्थियों के यहां गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर सोलर संयंत्रों की स्थापना सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम उपभोक्ताओं के बिजली व्यय को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यूएलए स्कीम के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र परिवारों को योजना से जोड़ते हुए स्थापना कार्य में तेजी लाई जाए तथा कार्यान्वयन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनाए रखी जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से पात्र परिवारों को जागरूक किया जाए, ताकि अधिकाधिक लोग इस योजना का लाभ उठाकर स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ सकें। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के यहां रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। इस योजना से लाभार्थियों को स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा उपलब्ध होने के साथ-साथ बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी का लाभ मिलेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले में योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से निरीक्षण एवं अनुश्रवण किया जाएगा, ताकि प्रत्येक पात्र परिवार तक योजना का लाभ समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तरीके से पहुंच सके।

चंदन सिंह को पुनः प्रदेश महासचिव बनने पर जदयू कार्यकताओं ने बधाई दी

प्रात : किरण संवाददाता



गया जी। जदयू के पुनः प्रदेश महासचिव मनोनित होने पर जदयू नेताओं एवं कार्यकताओं ने चंदन कुमार सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जदयू जिला प्रवक्ता अवध बिहारी पटेल ने कहा की चंदन सिंह पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति समर्पित नेता हैं, उनके पुनः प्रदेश महासचिव बनने से गया जी सहित बिहार के कार्यकर्ता उत्साहित है। महिला जिला अध्यक्ष ज्योति दांगी ने कहा कि चंदन कुमार सिंह सरल स्वभाव मृदुभाषी, संगठन के प्रति समर्पित व्यक्ति हैं। लंबे समय से पार्टी को सेवा दे रहें हैं फिलहाल बिहार राज्य धार्मिक बोर्ड के सदस्य हैं और राज्य बीस सूत्री सदस्य हैं उनको (उप राज्य मंत्री) का दर्जा प्राप्त है। उनके प्रदेश महासचिव बनने से गया जी सहित बिहार में संगठन को मजबूत होगी। चंदन सिंह को बधाई देने वाले में जदयू नेता एलेकजेंडर खान,कुंडल वर्मा, अरुण राव, धनंजय शर्मा, पूनम कुशवाहा, सोनम दास, उत्तम कुशवाहा, मितम्बरा लोहड़े, अरविंद वर्मा, बबन चंद्रवंशी , जितेंद्र दास, अजीत शर्मा,राकेश पांडे, सुरेश राव, शहजाद शाह , दिवाकर कुमार, रिंकू सिंह, शानू, गोल्डी, छोटू गुपुत, धर्मेंद्र सिंह उर्फ डुल सिंह, बिना देवी, मुन्ना पटवा, अवधेश प्रसाद राजकुमार शाह, विनोद यादव, नीरज राय, बीरेंद्र शर्मा, राधेकांत शर्मा,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल थे।

डीएम ने किया राजस्व कार्यों की समीक्षा ,लंबित मामलों की अधिकारी शीघ्र निष्पादन करें

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल। जिला पदाधिकारी अरवल अमृषा बैंस की अध्यक्षता में राजस्व विभाग से संबंधित विभिन्न कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त शैलेश कुमार अपर समाहर्ता, अरवल ,भूमि सुधार उप समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी, राजस्व शाखा एवं जिले के सभी अंचल अधिकारी (सीओ) उपस्थित रहे। बैठक में जिला पदाधिकारी द्वारा दाखिल-खारिज, जमाबंदी परिमार्जन, ऑनलाइन जमाबंदी, भूमि मापी, भू-विवादों के निष्पादन, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, सरकारी भूमि की सुरक्षा, राजस्व वसूली, लोक शिकायत निवारण, जनता दरबार से प्राप्त परिवादों के निष्पादन तथा अन्य राजस्व संबंधी लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिला पदाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया कि राजस्व से संबंधित सभी आवेदनों एवं मामलों का निष्पादन निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को राजस्व सेवाओं के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े, इसके लिए सभी पदाधिकारी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। जिला पदाधिकारी ने सरकारी भूमि को अतिक्रमण से मुक्त रखने, भूमि विवादों का त्वरित निष्पादन करने, लंबित दाखिल-खारिज एवं परिमार्जन मामलों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने तथा राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा भूमि सुधार उपसमाहर्ता क्षेत्र के अंचलों की नियमित समीक्षा करते हुए लंबित मामलों की सतत निगरानी करें तथा आवश्यकतानुसार अंचल अधिकारियों को मार्गदर्शन प्रदान करें। बैठक के दौरान जिन अंचलों में राजस्व कार्यों की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी पाई गई, वहां संबंधित अंचल अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने एवं निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर राजस्व प्रशासन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं जनोन्मुख बनाने पर विशेष बल दिया गया। जिला पदाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि राजस्व विभाग से संबंधित सभी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक समय पर पहुंचे तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को नियमित क्षेत्र भ्रमण, लंबित मामलों की सतत समीक्षा तथा जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में राजस्व प्रशासन को और अधिक प्रभावी बनाने, लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन तथा आम जनता को बेहतर एवं समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

WJAI अपने सदस्यों की समस्याओं के निवारण के लिए प्रति माह करेगी बैठक

गया जी। वेब जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (हखअक) की राष्ट्रीय महासचिव और सचिव स्तरीय ऑनलाइन बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में संगठन के विस्तार, पदाधिकारियों की जवाबदेही तथा सदस्यों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद कौशल के निर्देशानुसार संगठन के सदस्यों की समस्याओं को सुनने और उनके त्वरित समाधान के लिए प्रति माह एक ऑनलाइन बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। इस बैठक की जवाबदेही राष्ट्रीय कमिटी के सचिव मिथिलेश मिश्रा एवं संयुक्त सचिव अनामिका मोंडल को दिया गए हैं। संगठन विस्तार के तहत संयुक्त सचिव अनामिका मोंडल को पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा में संगठन को मजबूत करने हेतु सदस्यता अभियान चलाने की जिम्मेवारी दी गई है। उन्हें असम और त्रिपुरा में राज्य के बेहतर डिजिटल पत्रकारों को जोड़ कर सदस्यता को बढ़ाने के लिए अगस्त तक, जबकि पश्चिम बंगाल में कमिटी की घोषणा अगले सप्ताह तक कर लेने का निर्देश दिया गया है। वहीं, संयुक्त सचिव रविशंकर शर्मा को जम्मू-कश्मीर, गोवा, तमिलनाडु और केरल में राज्य में सदस्यता बढ़ाने की जवाबदेही दी गई है। इस बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महासचिव अमित रंजन ने सभी सचिवों एवं संयुक्त सचिवों से अपने-अपने दायित्वों के प्रति पूर्ण जवाबदेही निभाने और तय कार्यों को समयबद्ध तरीके से क्रियान्वित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि संगठन का प्रत्येक पदाधिकारी संविधान के अनुरूप कार्य करेगा और संगठनात्मक अनुशासन सर्वोपरि रहेगा। इस बैठक का संचालन राष्ट्रीय महासचिव मधुप मणि ह्लपिक्कूह्व ने किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय महासचिव की अध्यक्षता में प्रति माह संगठन के संचालन, कार्ययोजना को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष मंजेश कुमार, सचिव मिथिलेश मिश्रा एवं विवेक कुमार, संयुक्त सचिव रविशंकर शर्मा और अनामिका मोंडल, तथा कार्यालय सचिव रामबालक राय सहित राष्ट्रीय समिति के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे हैं।

सक्षम विधायक, सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला : मुख्यमंत्री

गया जी। गयाजी के बिपार्ड में आयोजित बिहार विधानसभा के सदस्यों के दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम का उपराष्ट्रपति सी०पी० राधाकृष्णन, राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार विधानपरिषद् के सभापति अवधेश नारायण सिंह, बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ० प्रेम कुमार एवं उप मुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। बिपार्ड (गयाजी), प्राइड (लोकसभा) एवं बिहार विधानसभा सचिवालय के संयुक्त तत्वावधान में यह दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रबोधन कार्यक्रम को उपराष्ट्रपति सी०पी० राधाकृष्णन एवं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल श्री सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने संबोधित किया है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि ह्लसक्षम विधायक और सशक्त विधानसभा ही समृद्ध बिहार की आधारशिला हैं।ह्व उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनिधियों की क्षमता, जवाबदेही और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर निर्भर करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विधायकों को जनता ने विश्वास और अपेक्षाओं के साथ विधानसभा में भेजा है। ऐसे में प्रत्येक विधायक का दायित्व है कि वह अपने क्षेत्र की समस्याओं, जनता की आकांक्षाओं तथा विकास से जुड़े मुद्दों को पूरी तैयारी, तथ्यों एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ सदन में उठाए। उन्होंने सभी सदस्यों से विधानसभा की कार्यप्रणाली, नियमों और संसदीय परंपराओं का गहन अध्ययन करने का आग्रह किया ताकि वे लोकतांत्रिक संस्थाओं को और अधिक प्रभावी बना सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए सत्ता और विपक्ष दोनों की रचनात्मक एवं सकारात्मक भूमिका आवश्यक है। स्वस्थ संवाद, सार्थक विमर्श और जनहित को सर्वोपरि रखने की भावना ही विधानसभा की गरिमा को बढ़ाती है तथा राज्य के विकास को नई गति देती है। उन्होंने कहा कि विधान सभा सत्र के दौरान अधिक से अधिक समय सदन को दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प एवं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समृद्ध बिहार के सपने को साकार करने के लिए सभी जनप्रतिनिधियों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाना केवल सरकार ही नहीं, बल्कि प्रत्येक जनप्रतिनिधि की भी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा की कार्यप्रणाली को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए०आई०) सहित नई तकनीकों के उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बिहार में पी०पी०पी० मॉडल के माध्यम से बस स्टैंड, टाउनशिप तथा अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को गति देकर विकास को नई दिशा दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सहयोग कार्यक्रम चला रही है। मेरा अनुरोध है कि आप सभी इसमें सक्रिय भूमिका निभायें। आपकी सक्रिय भागीदारी से लोगों को न्याय और बेहतर सेवायें मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार की ऐतिहासिक पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि 15 जुलाई से राज्य के विभिन्न प्रखंडों में 213 नए डिग्री कॉलेजों की शुरूआत की जायेगी। उन्होंने कहा कि यह पहल उच्च शिक्षा के विस्तार, युवाओं को अपने क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने तथा समृद्ध बिहार के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत गया जी में स्ट्रीट फूड हब के प्रस्तावित स्थल का भारत सरकार की टीम ने किया भ्रमण

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत देश भर में स्ट्रीट फूड हब के निर्माण हेतु चयनित स्थलों का मूल्यांकन कराया जा रहा है। इसी क्रम में मंत्रालय की ओर से नामित अधिकारी अनुज अरोड़ा का गया जी में भ्रमण कार्यक्रम मूल रूप से 11 जुलाई, 2026 को प्रस्तावित था। परंतु भ्रमण कार्यक्रम में आकस्मिक परिवर्तन के कारण उक्त भ्रमण आज, 10 जुलाई 2026 को ही सम्पन्न कराया गया है। इस भ्रमण के दौरान गया नगर निगम की ओर से टाउन प्लानर अंकिता, सिटी मैनेजर नजमुज्जफर, सीएम फेलो साहिल राज एवं संबंधित वार्ड पार्षद उपस्थित रहे हैं। उन्होंने टीम को स्थल भ्रमण में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि गया जी में सीताकुंड से रबर डैम के बीच स्थित स्थल पर ह्लस्ट्रीट फूड हबह्व के निर्माण का प्रस्ताव रखा गया है। इस भ्रमण के दौरान टीम द्वारा उक्त प्रस्तावित स्थल का बारीकी से अवलोकन किया गया तथा नगर निगम के अधिकारियों के साथ स्थल की उपयुक्तता एवं दीर्घकालिक संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई है

गया जिला स्तरीय रेड रन-2026 मैराथन का हुआ सफल आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।भारत सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन तथा बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना के संयुक्त तत्वावधान शनिवार को गया कॉलेज गया के परिसर में जिला स्तरीय ह्लरेड रन-2026ह्व का सफल आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन में एड्स तथा अन्य यौन संचारित संक्रमणों के प्रति जनजागरूकता उत्पन्न करना, सुरक्षित एवं उत्तरदायी स्वास्थ्य व्यवहार को प्रोत्साहित करना तथा समाज में संवेदनशीलता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करना था। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सतीश सिंह चंद्र , डॉ पंकज कुमार सिंह संचारी रोग पदाधिकारी गया द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर रेड रिबन क्लब के जिला नोडल पदाधिकारी डॉ धर्मेंद्र कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में एचआईवी एवं अन्य यौन संचारित संक्रमणों के संबंध में वैज्ञानिक जानकारी का प्रसार करना तथा इनके संक्रमण की रोकथाम के प्रति लोगों को जागरूक बनाना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति एचआईवी से संक्रमित हो जाता है, तो उसके उपचार, परामर्श एवं आवश्यक चिकित्सीय सुविधाओं की समुचित व्यवस्था भारत सरकार तथा बिहार राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से आग्रह किया कि एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों के प्रति किसी प्रकार का भेदभाव न किया जाए, बल्कि उन्हें सम्मान, सहयोग एवं आत्मीय व्यवहार प्रदान किया जाए। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति की ओर से साधन सेवी असीम कुमार झा तथा उप साधन सेवी राकेश सिंह की सक्रिय सहभागिता रही। प्रतियोगिता के छात्रा वर्ग में कामिनी कुमारी ने प्रथम, स्वीटी कुमारी ने द्वितीय तथा कुमारी रितिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग में सरवन कुमार प्रथम, कुणाल आर्य द्वितीय तथा मनीष कुमार तृतीय स्थान पर रहे। सभी विजेता गया कॉलेज गया एवं एसएन कॉलेज टेकारी के छात्र-छात्राएँ हैं। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी आगामी 28 जुलाई 2026 को राजगीर स्थित खेल विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय ह्लरेड रन-2026ह्व प्रतियोगिता में गया जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। महाविद्यालय परिवार ने सभी चयनित प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं जिले के गौरव को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का विश्वास व्यक्त किया मंच का संचालन गया कॉलेज गया के एनएसएस के कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ राजेश कुमार मिश्रा के द्वारा किया गया है ! इस मौके पर डॉक्टर आनंद कुमार सिंह पदाधिकारी गया कॉलेज गया डॉक्टर अमित कुमार डॉ अविनाश कुमार एवं कर्मचारी संतोष कुमार सिंह नीता सिंह मौजूद थे।

जदयू जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा करेंगे चार प्रखंडों में जदयू कार्यालयों का उद्घाटन

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। जनता दल (यूनाइटेड), गया के जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा के नेतृत्व में टेकारी, कोंच, गुरारू एवं परैया प्रखंडों में जदयू प्रखंड कार्यालयों का उद्घाटन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष के साथ पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, पार्टी के सम्मानित नेता, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में जदयू कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष श्री अजय कुशवाहा जी संगठन की मजबूती, बूथ स्तर तक पार्टी के विस्तार तथा आगामी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर कार्यकताओं को संबोधित भी करेंगे। कार्यक्रम का समय एवं रूट मैप 12:00 बजे टेकारी प्रखंड जदयू कार्यालय का उद्घाटन 02:00 बजे झ कोंच प्रखंड जदयू कार्यालय का उद्घाटन 03:00 बजे गुरारू प्रखंड जदयू कार्यालय का उद्घाटन 04:30 बजे झ परैया प्रखंड जदयू कार्यालय का उद्घाटन जिला अध्यक्ष अजय कुशवाहा जी ने सभी जदयू पदाधिकारियों, कार्यकताओं, पार्टी के नेताओं एवं आम नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल एवं ऐतिहासिक बनाएं।

डॉ. देवकुमार मिश्रा की चौथी पुण्यतिथि पर विशाल रक्तदान शिविर, युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

गयाजी। वरिष्ठ समाजसेवी एवं झारखंड की राजधानी रांची के चर्चित आयुष चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. देवकुमार मिश्रा की चौथी पुण्यतिथि के अवसर पर शनिवार को गया शहर स्थित सम्राट होटल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। शहीद भगत सिंह यूथ ब्रिगेड के बैनर तले आयोजित इस सामाजिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया है।इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. वी.वी. सिंह, गया के मेयर गणेश पासवान, मगध विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभागाध्यक्ष प्रो. गोपाल जी सेगर, जहानाबाद सिविल कोर्ट के अधिवक्ता बिपिन बिहारी पाठक, संस्था के संस्थापक सोनी कुमार वर्मा, संरक्षक अनंतधीश अमन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। एक यूनिट रक्त कई लोगों के जीवन की रक्षा कर सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि समाज में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए ऐसे आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिए। वक्ताओं ने शहीद भगत सिंह यूथ ब्रिगेड के महानगर अध्यक्ष शुभम् राज मिश्रा की सराहना करते हुए कहा कि अपने दिवंगत पिता की पुण्यतिथि को सेवा और मानवता के कार्य से जोड़ना प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने कहा कि स्व. डॉ. देवकुमार मिश्रा ने अपने जीवनकाल में चिकित्सा सेवा और समाजसेवा के माध्यम से लोगों के बीच विशेष पहचान बनाई थी। उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का यह प्रयास निश्चित रूप से अनुकरणीय है। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वेच्छा से रक्तदान किया।

अम्बेडकर नगर प्राइमरी स्कूल के जर्जर पहुंच पथ और नाला का 16.48 लाख से होगा नव निर्माण: गरिमा

- दलित-महादलित बस्ती को मिलेगी बेहतर बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से सुचारू आवागमन के साथ स्कूली विद्यार्थियों की भी बढ़ेगी सुविधा

प्रातः किरण संवाददाता



बेतिया। महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 20 में स्थित अम्बेडकर नगर प्राइमरी स्कूल के जर्जर पहुंच पथ और नाला नव 16.48 लाख से होगा। निविदा प्रक्रिया के माध्यम से आवंटित संवेदक को तीन माह में ही इस योजना को पूरा करने का कार्यादेश चयनित निर्माण एजेंसी को सौंपा गया है। इस आरक्षित वार्ड के अम्बेडकर नगर प्राथमिक विद्यालय के जर्जर पहुंच पथ और नाला पक्कीकरण की योजना की प्रशासनिक स्वीकृति महापौर गरिमा देवी सिकारिया एवं स्थानीय पार्षद दीपक कुमार के पहल पर नगर निगम बोर्ड द्वारा दी गई है। महापौर श्रीमती सिकारिया ने यह भी बताया कि वार्ड संख्या-20 स्थित अम्बेडकर नगर में दलित एवं महादलित बहुल सुरक्षित क्षेत्र की वर्षों पुरानी बुनियादी समस्या अब दूर होने जा रही है। नगर निगम बोर्ड से स्वीकृत योजना के तहत मोहम्मद जकारुल्लाह के घर से अम्बेडकर नगर प्राथमिक विद्यालय तक जाने वाली जर्जर सड़क का पीसीसी सड़क एवं आरसीसी नाला के साथ नव निर्माण तीन माह के अंदर कराया जाएगा। इस संबंध में नगर निगम प्रशासन ने कार्यादेश जारी कर निर्माण एजेंसी को काम शीघ्र शुरू करने का निर्देश दिया है। कार्यादेश के अनुसार महापौर ने बताया कि इस योजना की कुल प्राक्कलित राशि 22.26 लाख रुपये से अधिक निर्धारित है। लेकिन, निविदा प्रक्रिया के तहत 26 प्रतिशत कम दर पर लगभग 16.48 लाख रुपये में कार्य स्वीकृत किया गया है। निर्माण कार्य तीन माह के भीतर पूरा करना होगा। योजना में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री के उपयोग, तकनीकी मानकों का पालन तथा कार्यस्थल पर सूचना पट्ट लगाने सहित सभी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।यह सड़क अम्बेडकर नगर के बड़ी आबादी वाले दलित एवं महादलित परिवारों के साथ प्राथमिक विद्यालय तक पहुंचने का प्रमुख मार्ग है। बरसात के दिनों में जर्जर सड़क और जलनिकासी की व्यवस्था नहीं होने से स्थानीय लोगों एवं स्कूली बच्चों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि नई पीसीसी सड़क और आरसीसी नाला बनने से आवागमन सुगम होगा, जलजमाव की समस्या कम होगी तथा क्षेत्र की स्वच्छता और आधारभूत संरचना में सुधार होगा। कतिपय स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित यह विकास योजना अम्बेडकर नगर जैसे उपेक्षित इलाके में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा के साथ निकलेगी गहवा माई की चौथी भव्य रथ यात्रा

प्रातः किरण संवाददाता



रक्सौल/बीरगंज। मधेश प्रदेश की जनआस्था का प्रमुख धार्मिक केंद्र श्री गहवा माई मंदिर में आयोजित होने वाली चौथी विशाल रथ यात्रा एवं पावन धार्मिक महोत्सवझ 2083 की सभी तैयारियाँ पूरी हो चुकी हैं। यह जानकारी आयोजक श्री गहवा माई तीर्थ क्षेत्र विकास समिति ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार सम्मेलन में दी। समिति ने बताया कि आगामी आषाढ़ 32 और श्रावण 1 को आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव में लाखों श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। समिति के अनुसार आषाढ़ 32 की सुबह 7:30 बजे श्री गहवा माई मंदिर परिसर से विधिवत पूजा-अर्चना के बाद चौथी विशाल रथ यात्रा का शुभारंभ होगा। इस वर्ष रथ यात्रा का सबसे बड़ा आकर्षण रथ यात्रा मार्ग पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा होगी, जिससे श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था और उत्साह को और अधिक बल मिलेगा। उसी दिन शाम को मंदिर परिसर में देश के प्रसिद्ध भजन गायकों द्वारा भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद श्रावण 1 की सुबह 6:00 बजे से 56 भोग पूजा तथा दोपहर 4:00 बजे से विशाल महाप्रसाद भंडारा का आयोजन किया जाएगा। पत्रकार सम्मेलन में समिति ने बताया कि रथ यात्रा के दौरान लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए मुख्य सड़क (मेन रोड) पर चल रहे सड़क विस्तार एवं तोड़फोड़ के कार्य को रथ यात्रा की अवधि तक स्थगित करने के लिए संबंधित सड़क डिवीजन कार्यालय को औपचारिक पत्र भेजा जा चुका है। समिति ने वीरगंज के सभी सामाजिक, धार्मिक, जातीय, व्यावसायिक संगठनों, बुद्धिजीवियों तथा नागरिक समाज से रथ यात्रा में सक्रिय सहभागिता की अपील की है। साथ ही रथ यात्रा मार्ग पर स्थित घरों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से कलश स्थापना, तोरण सजावट और दीप प्रज्ज्वलित कर माता का स्वागत करने तथा श्रद्धालुओं के लिए पीने के पानी, शरबत सहित अन्य सेवा कार्यों की व्यवस्था करने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त खबरें

ताला तोड़ घर से भीषण आभूषण की चोरी

चनपटिया। सिरसिया थाने के बेतिया लौरिया मुख्य पथ के समीप योगिया टोला में कांग्रेस नेता गोपाल तिवारी के घर में ताला तोड़ अज्ञात चोरों ने करीब तीस लाख रूपए की आभूषण की चोरी कर ली है। पुलिस को सूचना मिलते ही चोरों की पहचान तथा समान बरामदगी की प्रयास करने में जुट गई है। थानाध्यक्ष अंनत कुमार ने बताया कि जिस प्रकार से चोरी की घटना का अंजाम चोरों ने दी है वह सभी शातिर है।शीघ्र ही मामले का उद्भेदन कर चोरी गए आभूषण की बरामदगी तथा चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

टीपी वर्मा कॉलेज विवाद: महिला कर्मियों को न्याय दिलाने की मांग

बेतिया। नरकटियागंज स्थित टीपी वर्मा कॉलेज में महिला कर्मियों से जुड़े विवाद ने तूल पकड़ लिया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति के नेतृत्व में जिला पदाधिकारी से मुलाकात कर कॉलेज के प्रधान लिपिक पर लगे गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने और पीड़ित महिला कर्मियों को न्याय दिलाने की मांग की। भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति ने कहा कि कॉलेज की तीन महिला कर्मियों ने प्रधान लिपिक पर दुर्व्यवहार और वेतन भुगतान में भेदभाव जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि एक ही आदेश और पत्र के आधार पर नियुक्त कुछ कर्मचारियों को नियमित वेतन मिल रहा है, जबकि कुछ महिला कर्मियों का वेतन वर्षों से रोका गया है।उन्होंने इसे मनमानी और प्रशासनिक भेदभाव बताते हुए सवाल उठाया कि आखिर किन कारणों से इन महिलाओं को न्याय नहीं मिल पा रहा है।

कुमारबाग डायट पहुंचे डीईओ राजन कुमार

बेतिया। पश्चिम चंपारण के जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) राजन कुमार ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), कुमारबाग का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियों का जायजा लिया। उनके आगमन पर संस्थान की प्राचार्या कुमारी खुशबू ने पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया, जबकि वरीय व्याख्याता डॉ. मनोज कुमार गुप्ता, श्री त्रिलोकीनाथ चतुर्वेदी, श्री कमलेन्द्र प्रसाद एवं श्री नन्द किशोर प्रसाद ने स्मृतिचिह्न और अंगवस्त्र देकर उनका सम्मान किया। निरीक्षण के दौरान डीईओ ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकों एवं संकाय सदस्यों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का दायित्व केवल पाठ्यक्रम पूरा करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा, नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच और जीवन कौशल का विकास करना भी है।

मिलावटी उर्वरक के आरोप में खाद दुकान निलंबित

बेतिया। रामबाबू भगत, पता मिश्रा टोला, लौरिया द्वारा आवेदन देकर सूचित किया गया है कि मेसर्स संजय ट्रेडर्स, (प्रो०- संजय कुमार गुप्ता) अनुज्ञप्ति सं०-ऊ-रछ20316042462436 पता- लौरिया, से दिनांक- 10.07.2026 को पारस जिंक, ठ.ढ.ड. मिक्चर, क्रय किया गया। खेत मे छिड़काव के दौरान जिंक का पैकेट खोला गया तो प्रथम दृष्टया नमक/अन्य पदार्थ होने की संभावना प्रतीत होती है। उक्त बातो कि जानकारी जिला कृषि पदाधिकारी जानकारी देते हुए बताया कि निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य मे उर्वरक की बिक्री एवं प्रथम दृष्टया मिलावटी उर्वरक को बेचना उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 का उल्लंघन है।

रातभर की बारिश से बगहा की बिजली व्यवस्था चरमराई , पेड़ गिरने से कई इलाकों की आपूर्ति ठप

प्रातः किरण संवाददाता



बगहा। बगहा अनुमंडल क्षेत्र में शुक्रवार से लगातार हो रही रुक-रुक कर बारिश और तेज गर्जन-तर्जन का असर विद्युत व्यवस्था पर भी देखने को मिला। रविवार सुबह से नगर क्षेत्र सहित कई ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे हजारों उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, बगहा अनुमंडल मुख्यालय के समीप हाईटेंशन विद्युत लाइन पर एक विशाल पेड़ गिर जाने से नगर की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई स्थानों पर पेड़ और बांस बिजली के तारों पर गिर गए, जिससे लाइनें क्षतिग्रस्त हो गईं। चिउटाहा के बैराटी, लौकरिया के बिनवलिया सहित कई गांवों में पेड़ गिरने और इंसुलेटर क्षतिग्रस्त होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित रही। वहीं कुम्हिया लाइन के पकरी क्षेत्र सहित अन्य स्थानों पर बारिश और आकाशीय गर्जना के चलते तकनीकी फॉल्ट उत्पन्न हो गए, जिससे कई फीडरों की आपूर्ति प्रभावित हुई। विद्युत विभाग के अधिकारियों के नेतृत्व में कर्मियों की टीम सुबह से ही मरम्मत कार्य में जुटी रही। प्रभावित क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई कर उन्हें विद्युत तारों से हटाया गया, जबकि क्षतिग्रस्त इंसुलेटर और तारों की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर जारी है।

78 वर्षों बाद भी पाषाण युग जैसी जिंदगी जीने को मजबूर दोन के 23 गांव

प्रातः किरण संवाददाता



बगहा। पश्चिम चंपारण के दोन क्षेत्र के खैरानी, नौरंगिया समेत 23 गांवों के हजारों ग्रामीण रविवार को विकास की मांग को लेकर हाथों में कैंडल लेकर सड़कों पर उतर आए। आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बावजूद क्षेत्र में बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव से नाराज ग्रामीणों ने कैंडल मार्च निकालकर सरकार और प्रशासन का ध्यान अपनी समस्याओं की ओर आकर्षित किया। कैंडल मार्च में महिलाओं की भी बड़ी भागीदारी रही। ग्रामीणों ने कहा कि वर्षों से विकास के नाम पर केवल आश्वासन मिलता रहा, लेकिन आज तक क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। उनका कहना था कि सड़क नहीं होने से आवागमन मुश्किल है, बिजली के अभाव में बच्चे पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं, स्वास्थ्य सुविधाएं नदारद हैं और संचार व्यवस्था भी बेहद कमजोर है। ग्रामीणों ने कहा कि दोन क्षेत्र के 23 गांव आज भी विकास की मुख्यधारा से कटे हुए हैं। बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं, जिससे मरीजों, छात्रों और किसानों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।कैंडल मार्च के दौरान पूरे क्षेत्र में हमें हमारा अधिकार दो और दोन क्षेत्र को विकास दो जैसे नारों से माहौल गूंजता रहा।

स्कूली बच्चों को मेडिकल कैम्प में दी गयी टीबी की जानकारी

आदापुर। सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत बच्चों तक सुलभ और किफायती स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने के उद्देश्य से शनिवार को हरपुर पंचायत के विभिन्न विद्यालयों में मेडिकल कैम्प का आयोजन किया गया। मुख्य आयोजन नवसृजित प्राथमिक विद्यालय हरपुर उतरी टोला मे हुआ। कैम्प में बच्चों को संबोधित करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आदापुर में कार्यरत चिकित्सा पदाधिकारी पूजा कुमारी ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं टीबीमुक्त भारत अभियान के तहत आयोजित कैम्प में मुफ्त स्वास्थ्य जांच, दवा वितरण और गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान करके लोगों को बेहतर जीवनशैली के लिए जागरूक करना है। कैम्प में सहायक चिकित्साकर्मी प्रिया रानी ने बच्चों को बताया कि टीबी के मुख्य लक्षणों में दो सप्ताह से अधिक समय तक रहने वाली लगातार खांसी, शाम के समय हल्का बुखार, रात में सोते समय अत्यधिक पसीना आना और बिना किसी कारण के तेजी से वजन का कम होना प्रमुख है। चिकित्सा पदाधिकारी श्रीमती कुमारी ने बच्चों के बिमारियों के लक्षणों का जांच किया और मेडिकल स्टाफ पप्पू कुमार राय ने उन्हें निःशुल्क दवाइयां दी। कैम्प का व्यवस्थापन प्रधान शिक्षक शिव शंकर गिरि ने किया। मौके पर शिक्षक विनोद कुमार, राहुल कुमार, जियाउल हक, रंजीत कुमार पाठक,शामशाद आलम एवं विवेक कुमार, शिपराज कुमार, सूरज कुमार, सुमन कुमार, राधिका कुमारी, खुश्बू कुमारी, खुशी कुमारी, नाजमीन खातून, साजदा खातून, रुफैजा खातून, चांदनी कुमारी, रागिनी कुमारी, काजल कुमारी, रेशमी कुमारी, सलोनी कुमारी सहित दर्जनों बच्चे मौजूद थे।

चितवन सफारी में दिखा ममता का दुर्लभ नजारा, पीठ पर दो शावकों को लेकर जंगल पार करती दिखी भालू

प्रातः किरण संवाददाता



बगहा। नेपाल के चितवन राष्ट्रीय उद्यान में जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को वन्यजीवन का एक बेहद दुर्लभ और भावुक दृश्य देखने को मिला। एक मादा भालू अपने दो शावकों को पीठ पर बैठाकर जंगल के रास्ते एक स्थान से दूसरे सुरक्षित ठिकाने की ओर जाती हुई दिखाई दी। इस अनोखे पल को सफारी पर निकले पर्यटकों ने अपने कैमरे में कैद कर लिया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सफारी वाहन जंगल के रास्ते से गुजर रहा था, तभी अचानक सामने मादा भालू अपने दोनों शावकों के साथ दिखाई दी। शावक अपनी मां की पीठ पर सवार थे और मादा भालू बेहद सतर्कता के साथ आसपास का जायजा लेते हुए आगे बढ़ रही थी। कुछ देर बाद वह घने जंगल में ओझल हो गई। वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, मादा भालू अपने शावकों को संभावित खतरे से बचाने के लिए अधिक सुरक्षित स्थानों पर ले जाती है। ऐसे दृश्य बहुत कम देखने को मिलते हैं, क्योंकि भालू सामान्यतः इंसानों से दूरी बनाए रखते हैं। चितवन राष्ट्रीय उद्यान में कैद यह दुर्लभ नजारा वन्यजीव संरक्षण और प्राकृतिक आवास की महत्ता को भी दर्शाता है। वन विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि सफारी के दौरान वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें और उनकी प्राकृतिक गतिविधियों में किसी प्रकार का हस्तक्षेप न करें।

त्रिपुरेश्वर में आत्मदाह करने वाले गणेश की मौत

प्रातः किरण संवाददाता



बगहा। काठमांडू के त्रिपुरेश्वर स्थित पासपोर्ट विभाग के बाहर आत्मदाह का प्रयास करने वाले गणेश की इलाज के दौरान मौत हो गई। गंभीर रूप से झुलसे गणेश का अस्पताल में कई दिनों से उपचार चल रहा था। चिकित्सकों ने उन्हें बचाने के लिए हरसंभव प्रयास किए और इलाज के दौरान तीन बार कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन (सीपीआर) भी दिया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। नेपाल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गणेश राइड-शेयरिंग ऐप के लिए बाइक चालक के रूप में कार्य करते थे। घटना वाले दिन उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल पासपोर्ट विभाग के बाहर खड़ी की थी। महानगर पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल पर व्हील लॉक लगाए जाने के बाद उनकी पुलिसकर्मियों से कहासुनी हो गई। इसी दौरान उन्होंने बाइक से पेट्रोल निकालकर अपने ऊपर डाल लिया और आग लगा ली। परिजनों का आरोप है कि गणेश लंबे समय से आर्थिक तंगी, बार-बार लगने वाले जुमार्ने और कामकाज से जुड़ी परेशानियों के कारण मानसिक तनाव में थे। उन्होंने घटना से पहले अपने परिजनों को भेजे संदेश में भी व्हील लॉक और जुमार्ने की समस्या का उल्लेख किया था। घटना के बाद गंभीर रूप से झुलसे गणेश को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम लगातार उनका इलाज करती रही।

सिरसिया पुलिस की बड़ी कार्रवाई,21 पशुओं समेत वाहन बरामद, चालक सह पशु तस्कर गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

चनपटिया। सिरसिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बेतिया-लौरिया मुख्य मार्ग में आजाद चौक समीप से एक छोटे से पिक्प भान में ठुस ठुस कर तस्करी के लिए ले जा रहे 21 भैंस तथा पड़ा तथा पिक्प को जप्त किया है । जबकि चालक सह तस्कर को मौके से गिरफ्तार कर लिया है। थानाध्यक्ष अंनत कुमार ने बताया कि गिरफ्तार तस्कर सह चालक फैयाज अंसारी ने पुलिस को बताया है कि चनपटिया थाने के पोखरीया गांव से उक्त सभी पशुओं मोतिहारी ले जा रहे थे। थानाध्यक्ष ने बताया कि पशु क्रूरता तथा तस्करी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। जप्त पशुओं को ग्रामीणों के हवाले किया जा रहा है। सिरसिया पुलिस की इस कार्रवाई से पशु तस्करों में खलबली मच गया है।

वाल्मीकिनगर हवाई अड्डे के विस्तार को मिली रफ्तार, भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू

बगहा । वाल्मीकिनगर हवाई अड्डे के विस्तार की बहुप्रतीक्षित योजना अब धरातल पर उतरती नजर आ रही है। परियोजना को गति देने के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इसके तहत प्रभावित किसानों एवं भूमि स्वामियों से भूमि क्रय अथवा लीज के लिए सहमति पत्र भरवाए जा रहे हैं। सहमति पत्र में भू-स्वामी की व्यक्तिगत जानकारी के साथ खाता, खेसरा, रकबा एवं चौहद्दी का विस्तृत विवरण दर्ज किया जा रहा है। दस्तावेज में उल्लेख किया गया है कि भूमि स्वामी सरकार द्वारा निर्धारित मुआवजा अथवा लीज राशि के आधार पर अपनी भूमि हस्तांतरित करने के लिए सहमत हैं। साथ ही यह भी घोषणा ली जा रही है कि संबंधित भूमि किसी न्यायालयीन विवाद या अन्य कानूनी बाधा से मुक्त है तथा विभागीय नियमों के अनुरूप उसकी रजिस्ट्री कराई जाएगी।प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) चांदनी कुमारी, अंचलाधिकारी (सीओ) मोहम्मद वसीम अकरम, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राकेश कुमार तथा उप समाहर्ता अली अहमद अंसारी की देखरेख में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। परियोजना के तहत हवाई अड्डे के टर्मिनल भवन तक पहुंचने के लिए 20 मीटर चौड़ी संपर्क सड़क का निर्माण भी प्रस्तावित है।

उप विकास आयुक्त द्वारा परिवार नियोजन जागरूकत प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया गया रवाना

मोतिहारी। जनसंख्या स्थिरता दिवस के उपलक्ष्य में परिवार नियोजन पर जन समुदाय में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से पूर्वी चम्पारण जिला अंतर्गत सभी स्वास्थ्य संस्थानों में एवं जिला अस्पताल में परिवार नियोजन मेला का आयोजन किया गया साथ 11 जुलाई से 31 जुलाई तक परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा की शुरूआत का भी उद्घाटन डॉ प्रदीप कुमार डी. डी. सी. एवं सिविल सर्जन दिलीप कुमार सिंह के द्वारा किया गया। मौके पर डॉ. प्रदीप कुमार उप विकाश आयुक्त ने कहा की परिवार नियोजन के प्रति योग्य दंपतियों को जागरूक करना, परामर्श उपलब्ध करना बढ़ती जनसंख्या पर रोक हेतु बेहद जरूरी है। इन्हीं लाभ को आमजनों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सदर अस्पताल में ओपीडी के बाहर भी महिला को बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी के बारे में जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाकर परिवार नियोजन के बारे में परामर्श दिया जा रहा है साथ ही परिवार नियोजन के अस्थायी संसाधन जैसे कंडोम, माला, छाया, अंतरा, गर्भनिरोधक दवाएं वितरित की जा रहीं है। मौके पर डॉ. दिलीप कुमार सिंह सिविल सर्जन के द्वारा बताया गया की गर्भवस्था के दौरान माँ स्वास्थ्य रहे इसके लिए दो बच्चों के बीच अंतराल की आवश्यकता है इसलिए सभी दम्पतियों को हेल्थी टाइमिंग एंड स्पेशिंग प्रेगनेंसी विषय पर जागरूक होने की जरूरत है, जिससे अनचाहे गर्भ को रोका जा सके साथ अनमेट नीड को कम किया जा सके, इसके लिए नये गर्भनिरोधक साधन इमप्लान्ट को अपनाना बहुत हीं सुगम है एवं दम्पतियों के लिए बेहतर साधन है सिविल सर्जन एवं उपाधीक्षक सदर अस्पताल ने कहा कि सदर अस्पताल के साथ ही जिले सरकारी अस्पतालों में महिला बंध्याकरण व पुरुष नसबन्दी निःशुल्क कराई जाती है। उन्होंने कहा कि महिला बंध्याकरण से पुरुष नसबंदी की प्रक्रिया सरल है।

आधी सदी का इंतजार खत्म: ग्रामीणों ने चंदा जुटाकर बनाया 60 फीट लंबा लोहे का पुल



प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। पश्चिम चंपारण के रामनगर प्रखंड के एक गांव में ग्रामीणों ने वर्षों से चली आ रही समस्या का समाधान खुद ही निकाल लिया। सरकारी स्तर पर लंबे समय तक पुल निर्माण नहीं होने से परेशान ग्रामीणों ने आपस में चंदा जुटाया और श्रमदान कर पहाड़ी नदी पर करीब 60 फीट लंबा लोहे का पुल तैयार कर दिया। इस पहल की पूरे इलाके में सराहना हो रही है। बताया जाता है कि बरसात के दिनों में नदी पार करना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता था। स्कूल जाने वाले बच्चों, किसानों, मरीजों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से पुल निर्माण की मांग की गई, लेकिन वर्षों बीत जाने के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं निकला। इसके बाद गांव के लोगों ने स्वयं पहल करते हुए करीब ढाई लाख रुपये का चंदा एकत्र किया। इसके साथ ही ग्रामीणों ने सामूहिक श्रमदान कर लोहे का पुल तैयार किया। पुल निर्माण में युवाओं, बुजुर्गों और अन्य ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।ग्रामीणों का कहना है कि अब इस पुल से लोगों का आवागमन आसान हो जाएगा और बरसात के दौरान होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। यह पहल सामूहिक सहयोग और जनभागीदारी का एक प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है।

वन विभाग की कार्रवाई के विरोध में ग्रामीणों का अल्टीमेटम



प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर क्षेत्र के ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्यशैली के विरोध में प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर अपनी समस्याओं का समाधान करने की मांग की है। ग्रामीणों ने वाल्मीकिनगर थाना, अनुमंडल प्रशासन एवं वन विभाग के अधिकारियों को दिए गए आवेदन में आरोप लगाया है कि वन विभाग की कार्रवाई से उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है और ग्रामीणों का लगातार उत्पीड़न किया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि क्षेत्र के लोग वर्षों से कृषि, पशुपालन और मजदूरी के सहारे जीवन-यापन कर रहे हैं, लेकिन हाल के दिनों में वन विभाग की कार्रवाई से ग्रामीणों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कई बार बिना पर्याप्त सूचना के कार्रवाई की जाती है, जिससे आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान निकाला जाए तथा वन विभाग की कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराई जाए। आवेदन में चेतावनी दी गई है कि यदि सात दिनों के भीतर उचित कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र के लोग लोकतांत्रिक तरीके से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।ज्ञापन पर कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने और क्षेत्र के लोगों के अधिकारों एवं आजीविका की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

वाल्मीकिनगर पहुंचे पूर्व विधायक वीरेंद्र गुप्ता, बेदखली कार्रवाई का किया विरोध

बगहा। वाल्मीकिनगर वन क्षेत्र में वन भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान वन विभाग और ग्रामीणों के बीच हुई झड़प के बाद शनिवार को सिकटा के पूर्व माले विधायक वीरेंद्र गुप्ता वाल्मीकिनगर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और बैठक कर आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक वीरेंद्र गुप्ता ने बिहार सरकार पर गरीब किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के घर, जमीन और आशियाने उजाड़ने का काम कर रही है तथा भूमि खाली कराकर बड़े पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के कई किसान दो पीढ़ियों से संबंधित भूमि पर खेती कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। ऐसे किसानों को बेदखल करने के बजाय उनकी जमीन की बंदोबस्ती की जानी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) के गठन के बाद से वन विभाग जंगल संरक्षण के नाम पर वर्षों से बसे ग्रामीणों को हटाने का प्रयास कर रहा है। यह कार्रवाई गरीब किसानों के हितों के खिलाफ है और इसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

औरंगाबाद ने टेली-कंसल्टेशन में हासिल किया राज्य में प्रथम स्थान

प्रात : किरण संवाददाता



औरंगाबाद। स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुलभ एवं प्रभावी बनाने की दिशा में औरंगाबाद जिला लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। राज्य स्तर पर जारी टेली-कंसल्टेशन जिला रैंकिंग में औरंगाबाद ने एक बार फिर प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी उपलब्धियों में नया अध्याय जोड़ा है। जिला पदाधिकारी अभिलाषा शर्मा के कुशल नेतृत्व में 1 जुलाई 2026 से 10 जुलाई 2026 तक की अवधि में औरंगाबाद जिला ने 15,885 टेली-कंसल्टेशन दर्ज करते हुए बिहार के सभी जिलों में शीर्ष स्थान हासिल किया। इससे पूर्व 1 जुलाई से 9 जुलाई 2026 तक की रैंकिंग में भी औरंगाबाद 14,124 टेली-कंसल्टेशन के साथ प्रथम स्थान पर रहा था। लगातार बेहतर प्रदर्शन यह दशार्ता है कि जिले में टेलीमेडिसिन सेवाओं का प्रभावी संचालन किया जा रहा है तथा अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। जिला पदाधिकारी ने इस उपलब्धि पर स्वास्थ्य विभाग के सभी पदाधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं संबंधित कर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि टेली-कंसल्टेशन सेवा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने का एक सशक्त माध्यम बनकर उभरी है। उन्होंने निर्देश दिया कि इस सेवा की पहुंच को और व्यापक बनाया जाए ताकि अधिकाधिक लोग घर बैठे गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परामर्श प्राप्त कर सकें।सिविल सर्जन ने बताया कि जिले के स्वास्थ्य संस्थानों में टेली-कंसल्टेशन सेवाओं के प्रति लोगों की बढ़ती जागरूकता तथा स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भागीदारी के कारण यह सफलता प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी जिले को शीर्ष स्थान पर बनाए रखने के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित मॉनिटरिंग एवं जनजागरूकता गतिविधियां जारी रहेंगी। जिला प्रशासन ने इस उपलब्धि को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में जिले की सामूहिक प्रतिबद्धता और समर्पण का परिणाम बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों का आभार व्यक्त किया है।

शाहकुंड में अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़, भारी मात्रा में हथियार बरामद

प्रात : किरण संवाददाता



भागलपुर पुलिस ने अवैध हथियार बनाने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। शाहकुंड थाना क्षेत्र के हरनथ गांव में चल रही एक अवैध मिनी गन फैक्ट्री का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मौके से भारी मात्रा में निर्मित और अर्धनिर्मित हथियार के साथ हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि मुख्य आरोपी फरार हो गया।भागलपुर के सिटी एसपी अतुलेश झा ने प्रेस वार्ता में बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि शाहकुंड थाना क्षेत्र के हरनथ गांव स्थित मोहम्मद रिजवान के घर अवैध हथियार बनाने का काम किया जा रहा है। सूचना के आधार पर शाहकुंड थाना पुलिस, भागलपुर एसटीएफ और पश्चिम बंगाल एसटीएफ की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में निर्मित और अर्धनिर्मित हथियार, हथियार बनाने के कई उपकरण और अन्य सामान बरामद किया। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही मुख्य आरोपी मोहम्मद रिजवान मौके से फरार हो गया।पुलिस ने मौके से मोहम्मद कासिम, मोहम्मद समीम, मोहम्मद मिराज, मोहम्मद मैसर और जब्बार मंसूरी को गिरफ्तार किया है।इनमें चार आरोपी मुंगेर जिले के रहने वाले बताए जा रहे हैं जबकि जब्बार मंसूरी शाहकुंड थाना क्षेत्र का निवासी है सिटी एसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। साथ ही फरार आरोपी मोहम्मद रिजवान की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस पूरे नेटवर्क की भी जांच में जुटी है।

संक्षिप्त खबरें

सदर प्रखंड में 8 कर्मियों की विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

मुंगेर। स्थानांतरण के बाद सदर प्रखंड के सभागार में गुरुवार को विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी विद्यासागर सहित करीब आठ कर्मियों को भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार ने की, जबकि संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्वजीत कुमार तिवारी ने किया। अंगवस्त्र और फूलमाला पहनाकर दी विदाई:समारोह में सभी स्थानांतरित कर्मियों को अंगवस्त्र एवं फूलमाला पहनाकर सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। प्रखंड प्रमुख नरेश कुमार ने सभी के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इन लोगों ने सदर प्रखंड में रहकर पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य किया है। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं बीडीओ विश्वजीत कुमार तिवारी ने कहा कि जहां भी ये लोग जाएं, अपने कार्य से उसी तरह पहचान बनाएं जैसे सदर प्रखंड में बनाई है। उन्होंने सभी के स्वस्थ और कुशल जीवन की शुभकामनाएं दीं। कई पदाधिकारी रहे मौजूद ; कार्यक्रम में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी शिवम पुरी गोस्वामी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी भोगेंद्र कुमार प्रखंड स्वच्छता समन्वयक पूजा कुमारी सहित प्रखंड के सभी कर्मी उपस्थित थे और उन्होंने सभी को स्नेह पूर्वक विदाई दी।

सदर अंचल के जनता दरबार में आए 24 मामले, 4 का किया गया निष्पादन

मुंगेर। शनिवार को सदर अंचल कार्यालय में थाना अध्यक्ष एवं अंचलाधिकारी की अगुवाई में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न थानों से कुल 24 मामले पहुंचे। जिसमें से 4 मामलों का मौके पर ही 100 प्रतिशत निष्पादन कर दिया गया। शेष मामलों के निष्पादन की प्रक्रिया अगले आदेश में पूरी की जाएगी। समस्याओं का बारीकी से हो रहा निपटारा :- अंचलाधिकारी ने बताया कि जनता दरबार में आए हुए लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है। हम अपनी ओर से प्रत्येक मामले का बारीकी से अध्ययन कर त्वरित निष्पादन करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को उनके अधिकार और न्याय समय पर उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। जनता दरबार में बड़ी संख्या में फरियादी अपनी जमीन, दाखिल-खारिज, अतिक्रमण और अन्य राजस्व से जुड़ी समस्याएं लेकर पहुंचे थे।

हाईवा-ऑटो की आमने-सामने टक्कर में चार की मौत

प्रात : किरण संवाददाता



अरवल। अरवल जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर संडा के समीप शनिवार को पटना-औरंगाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-139) पर हाईवा और ऑटो की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर करीब एक घंटे तक एनएच-139 को जाम कर दिया। जानकारी के अनुसार, तेज रफ्तार हाईवा और ऑटो की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने इलाज के दौरान सदर अस्पताल में दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान परासी थाना क्षेत्र के परासी गांव निवासी राजगीर राम, उनकी पत्नी मनीषा देवी, गुल्ली बिगहा निवासी अमरजीत कुमार तथा सदर थाना क्षेत्र के भदासी निवासी रंजीत राजवंशी के रूप में हुई है। घायलों में मेहंदिया थाना क्षेत्र के वलिदाद निवासी सुनील कुमार तथा परासी थाना क्षेत्र के बल्लोपुर निवासी ऑटो चालक महेंद्र राम शामिल हैं। दोनों का इलाज सदर अस्पताल, अरवल में चल रहा है। बताया जाता है कि राजगीर राम अपनी पत्नी मनीषा देवी के साथ बैंक से रुपये निकालने के लिए अरवल आ रहे थे, लेकिन रास्ते में ही यह भीषण हादसा हो गया और दोनों की जीवन यात्रा हमेशा के लिए समाप्त हो गई।घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए। हादसे के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मुआवजे और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर लगभग एक घंटे तक एनएच-139 को जाम कर दिया। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। सूचना पर पहुंचे पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों को समझाकर सरकारी प्रावधानों के तहत हर संभव सहायता और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद जाम समाप्त हुआ और यातायात सामान्य हो सका। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर लिया है और फरार चालक की तलाश में छापेमारी शुरू कर दी है। मामले की जांच जारी है। यह हादसा एक बार फिर एनएच-139 पर तेज रफ्तार और लापरवाह वाहन संचालन के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मार्ग पर यातायात नियमों का सख्ती से पालन कराने और सड़क सुरक्षा के प्रभावी इंतजाम करने की मांग की है।

बारिश के मौसम को देखते हुए एसएसबी द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन में 200 से अधिक ग्रामीणों को मिला लाभ

प्रात : किरण संवाददाता



रक्सौल। बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए सशस्त्र सीमा बल की 47वीं बटालियन के मेडिकल कमांडेंट डॉ. निशि कान्त के निर्देशन में बटालियन की एच कंपनी, सेनुवारिया द्वारा वाइब्रेंट विलेज योजना के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय, सेनुवारिया गांव में मेडिकल सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. निशि कान्त, मेडिकल कमांडेंट, 47वीं बटालियन एसएसबी, रक्सौल ने की। चिकित्सा शिविर का संचालन प्रातः 10:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक किया गया। इस अवसर पर सहायक कमांडेंट दीपांशु चौहान अपने साथ 10 जवानों के साथ उपस्थित रहे। शिविर में प्राथमिक विद्यालय, सेनुवारिया के प्रधानाध्यापक नवल किशोर कुशवाहा, खतिया मठिया पंचायत के मुखिया तबरेज आलम तथा पंचायत के अन्य वार्ड सदस्य भी उपस्थित रहे। शिविर में ग्रामीणों की भारी सहभागिता देखने को मिली तथा 200 से अधिक ग्रामीणों ने निःशुल्क चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर के दौरान ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें निःशुल्क दवाइयां प्रदान की गईं। बारिश के मौसम को देखते हुए ग्रामीणों को स्वच्छता बनाए रखने, दूषित जल से बचने, स्वच्छ पेयजल का उपयोग करने, मच्छरों से बचाव के उपाय अपनाने तथा वर्षा ऋतु में होने वाले संक्रामक रोगों से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियों के संबंध में जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त खांसी, बुखार, उच्च रक्तचाप, मधुमेह (शुगर), त्वचा संबंधी संक्रमण, वायरल बुखार तथा अन्य सामान्य मौसमी बीमारियों से पीड़ित रोगियों की निःशुल्क जांच एवं उपचार किया गया। ग्रामीणों ने एसएसबी की इस पहल की सराहना करते हुए इसे अत्यंत लाभकारी बताया।एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार के चिकित्सा शिविरों का उद्देश्य सीमावर्ती एवं वाइब्रेंट विलेज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा एसएसबी और स्थानीय जनता के बीच आपसी विश्वास, सहयोग एवं सद्भाव को और अधिक सुदृढ़ करना है।

रेप पीड़िता के न्याय के लिए गोह में विरोध प्रदर्शन

गोह (औरंगाबाद)(सं.)। नाबालिग बच्चियों के साथ हो रहे दुष्कर्म एवं हत्या के विरोध में शुक्रवार को गोह में विरोध प्रकट किया गया। समाजसेवी दिलीप कुमार विश्वकर्मा, शिक्षक रविनंदन के नेतृत्व में स्कूली बच्चियां हाथ मे तख्ती लेकर सड़क पर उतरी। प्रखंड कार्यालय के पास अवस्थित संविधान निमार्ता बाबा साहब भीम राव अंबेडकर के प्रतिमा के पास श्रद्धांजलि सभा आयोजित किया गया। तख्ती पर देश की अबला करे पुकार, अब न सहेंगे अत्याचार, मुझे दरिंदो से बचाओ, मुझे भी जीने का हक है सहित कई हृदयविदारक नारे उल्लेख कर समाज एवं सरकार के कातिलों को फांसी देने की मांग कर रहे थे। दिलीप विश्वकर्मा, शिक्षक नेता बिट्टू सिंह ने कहा कि यह बड़े ही दुर्भाग्य की बात है कि 21 सदी में भी लोगो की सोच दकियानूसी हैं लड़कियों के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ लोगो को आगे आने की जरूरत है। कानून के साथ वैसे दरिंदो को सामाजिक बहिष्कार करने की जरूरत हैं। इस मौके पर पूर्व प्रमुख मुन्ना सिंह, सुरेंद्र चंदवंशी, समाजसेवी राहुल कुमार शर्मा, अशोक विश्वकर्मा, अरुण पासवान, शशि आनंद, सत्येंद्र पासवान, पूर्व मुखिया लड्डू सिंह, मानदीप कुमार कस्तूरबा गांधी विद्यालय के वार्डेन संगीता कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

जमालपुर में श्रम विभाग की छापेमारी

प्रात : किरण संवाददाता



मुंगेर। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग के अंतर्गत शनिवार को जमालपुर प्रखंड में विशेष धावा दल अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व विक्रम कुमार, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, जमालपुर ने किया। इस दौरान जमालपुर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न दुकान, प्रतिष्ठान, होटल, रेस्टोरेंट, मॉल, गैराजों में सघन जांच की गई। एक बाल श्रमिक को कराया गया मुक्त : जांच के दौरान जमालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक होटल/प्रतिष्ठान से 1 बाल श्रमिक को मुक्त कराया गया। मुक्त कराए गए बाल श्रमिक को बाल कल्याण समिति, मुंगेर के समक्ष प्रस्तुत कर बाल गृह में रखा गया है। इधर नियोक्ता के विरुद्ध संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। इस अवसर पर कानूनी प्रावधान की दी जानकारी श्रम अधीक्षक दिलीप कुमार झा ने दी उन्होंने ने बताया किः 1.बच्चों से प्रतिष्ठानों में काम कराना बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत गैर कानूनी है। 2. दोषी पाए जाने पर रुपए 20,000 से रुपए 50,000 तक जुमार्ना या 2 वर्ष तक का कारावास का प्रावधान है। 3. इसके अतिरिक्त माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर नियोक्ता से रुपए 20,000 की राशि भी वसूली जाएगी। उन्होंने बताया कि यह अभियान मुंगेर जिले में लगातार चलाया जाएगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक कुल 16 बाल श्रमिकों को मुक्त* कराया जा चुका है। छापेमारी दल में शामिल थे।

खड़गपुर झील परिसर में एबीवीपी ने चलाया स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया सन्देश

प्रात : किरण संवाददाता



हवेली खड़गपुर(मुंगेर)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 78वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत शनिवार को एबीवीपी हवेली खड़गपुर इकाई द्वारा नगर के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध खड़गपुर झील परिसर में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का उद्देश्य नगरवासियों के बीच स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। कार्यक्रम के दौरान परिषद् के कार्यकर्ताओं ने झील परिसर एवं उसके आसपास फैले प्लास्टिक, पॉलीथिन, बोतलें, कागज तथा अन्य कचरे को एकत्रित कर पूरे क्षेत्र की साफ-सफाई की। कार्यकर्ताओं ने झील परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने का संदेश देते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर एबीवीपी के पदाधिकारियों ने कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है। प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने लोगों से एकल उपयोग वाले प्लास्टिक का प्रयोग कम करने, कचरे का उचित निस्तारण करने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी बढ़ाने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों ने भी अभियान की सराहना करते हुए स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया। परिषद् कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्थापना दिवस सप्ताह के दौरान विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि युवाओं में सेवा, राष्ट्र निर्माण और सामाजिक दायित्व की भावना को और अधिक सशक्त बनाया जा सके।

मांग दिवस पर आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाओं का प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता



औरंगाबाद। बिहार राज्य आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका एवं कर्मचारी संघ (ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन), आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स फेडरेशन (आईफा) तथा सीटू के आह्वान पर शुक्रवार को मांग दिवस के अवसर पर जिले की आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर रोषपूर्ण प्रदर्शन किया। इस दौरान सेविका-सहायिकाओं ने काला बिल्ला लगाकर सरकार की नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया और जिला पदाधिकारी एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए संघ की जिला सह राज्य महामंत्री मीना कुमारी ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं वर्षों से अल्प मानदेय पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं, लेकिन सरकार उनकी समस्याओं के समाधान के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने मांग की कि सेविका-सहायिकाओं का सरकारीकरण किया जाए तथा अन्य राज्यों की तर्ज पर उन्हें सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में सेविका-सहायिकाओं को ग्रेच्युटी का लाभ, पेंशन की व्यवस्था, मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि तथा लंबे समय से लंबित बकाया मानदेय का शीघ्र भुगतान किया जाए। इसके अलावा संगठन की अन्य लंबित मांगों को भी तत्काल पूरा किया जाए। संघ के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो सेविका-सहायिकाएं चरणबद्ध एवं व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

सुल्तानगंज प्रखंड मुख्यालय में नये सीओ रमण कुमार के नेतृत्व में लगा जनता दरबार

भागलपुर जिले के सुल्तानगंज प्रखंड मुख्यालय में शनिवार को नये सीओ रमण कुमार के नेतृत्व में जनता दरबार लगाया गया/जिसमें अकबरनगर,बाथ थाना क्षेत्र एवं सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के विभिन्न जमीन संबंधित मामले आने पर तुरंत निष्पादन किया गया/और नये व पुराने मामले जमीन संबंधित होने पर उन्हें न्यायालय भेज दिया गया/इस मामले में नये सीओ रमण कुमार ने बताया कि जमीन संबंधित दर्जनों मामले आने पर निष्पादन कर दिया गया और जो निष्पादन नहीं हुआ है उसे अगले तिथि को बुलाया गया है/जिसका निष्पादन यहां नहीं हो पाया है उसे न्यायालय भेज दिया गया है कि बात कही/इस दौरान अकबरनगर थाना,बाथ थाना, सुल्तानगंज थाना के अधिकारी एवं दर्जनों जमीन संबंधित ग्रामीण मौजूद थे

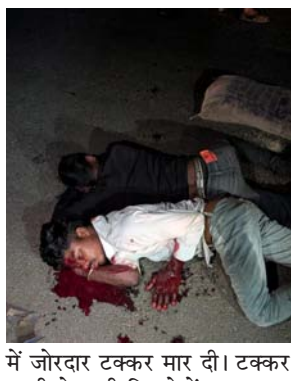
दिव्यांग बच्चों को मिलेंगे विभिन्न भत्ते

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। बारुण प्रखंड के प्रखंड साधन सेवी लाल बहादुर ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि बच्चों के हित में ससमय सहयोग की अपील करते हुए समावेशी शिक्षा के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिव्यांग (निःशक्त) छात्र-छात्राओं को विभिन्न प्रकार के भत्ते व छात्रवृत्ति का लाभ देने की प्रशासनिक प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू हो गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी, औरंगाबाद के पत्रांक 2650 दिनांक 09.07.2026 के आलोक में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, बारुण के मार्गदर्शन में प्रखंड के सभी राजकीय, राजकीयकृत प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। मामले को लेकर विस्तृत जानकारी देते हुए प्रखंड साधन सेवी (बीआरपी) समावेशी शिक्षा, लाल बहादुर ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने तथा उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से चार प्रमुख श्रेणियों में भत्ते दिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि चिन्हित छात्र-छात्राओं को तत्काल 05 माह की राशि सीधे उनके बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जाएगी। बीआरपी ने सभी विद्यालय प्रधानों को निर्देशित किया है कि आगामी सोमवार (13.07.2026) तक सभी प्रकार के दिव्यांग बच्चों से संबंधित रिपोर्ट की हार्ड कॉपी प्रखंड संसाधन केंद्र बारुण में निश्चित रूप से जमा करा दें। भत्तों का श्रेणीवार विवरण एवं निर्धारित राशिः बीआरपी लाल बहादुर के अनुसार, विभाग द्वारा स्वीकृत भत्ते और उनकी पात्रता का विवरण निम्नवत है। स्टाइपेंड फॉर गर्ल्स (Stipend for Girls): केवल दिव्यांग छात्राएं (वर्ग 01 से 12 तक) – 2,000/- (एकमुश्त) एस्कॉर्ट अलाउंस वर्ग 01 से 08 तक के दिव्यांग छात्र-छात्राओं के लिए – 3,000/- (एकमुश्त) रीडर अलाउंस वर्ग 01 से 12 तक के पूर्ण दृष्टिबाधित छात्र-छात्राएं – 2,000/- (एकमुश्त) ट्रांसपोर्ट अलाउंस केवल वर्ग 09 से 12 तक के दिव्यांग छात्र-छात्राएं – 1,000/- (एकमुश्त) आवेदन के साथ संलग्न किए जाने वाले आवश्यक दस्तावेज। ससमय राशि निर्गत करने हेतु विद्यालय स्तर से निम्नलिखित दस्तावेजों की स्पष्ट छायाप्रति संलग्न करने का निर्देश दिया गया है:बच्चे के पहचान हेतु पहचान दस्तावेज / आधार कार्ड की स्पष्ट छायाप्रति।सक्षम चिकित्सा प्राधिकार (मेडिकल बोर्ड) द्वारा निर्गत निःशक्तता प्रमाण पत्र बैंक पासबुक की स्पष्ट छायाप्रति। (विशेष ध्यान दें: खाता अनिवार्य रूप से बच्चे का होना चाहिए अथवा माता/पिता के साथ संयुक्त खाता होना आवश्यक है) विशेष निर्देश एवं अपील करते हुए बीआरपी लाल बहादुर ने बताया कि इस कार्य को बच्चों के व्यापक हित में सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है ताकि समीक्षा बैठक के उपरांत ससमय राशि बच्चों के खातों में भेजी जा सके। नियत समय सीमा (सोमवार) तक रिपोर्ट जमा करने में सभी नोडल शिक्षक (समावेशी शिक्षा) तथा प्रधानाध्यापक तत्परता दिखाएं, ताकि कोई भी योग्य बच्चा इस लाभकारी योजना से वंचित न रहे।

चांदपुरा के पास कार-बाइक टक्कर, दो युवक घायल, एक भागलपुर रेफर

प्रात : किरण संवाददाता



संग्रामपुर(मुंगेर)। तारापुरझ संग्रामपुर मुख्य मार्ग पर चांदपुरा के समीप शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे एक अनियंत्रित कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक की हालत नाजुक होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार बांका जिला अंतर्गत बेलहर थाना क्षेत्र के मधुकरपुर गांव निवासी 22 वर्षीय अनीश मांझी अपने साले राजेश मांझी के साथ असरगंज स्थित अपने ससुराल अखाड़ी पूजा का प्रसाद खाने जा रहे थे। इसी दौरान चांदपुरा के समीप सामने से तेज गति से आ रही एक अनियंत्रित कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों सड़क पर गिरकर लहूलुहान हो गए और बाइक के परखच्चे उड़ गए।घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना संग्रामपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, संग्रामपुर पहुंचाया। आरोप है कि पुलिस आने तक कुछ लोग घायलों की मदद करने के बजाय फोटो और वीडियो बनाते रहे।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद अनीश मांझी के सिर में गंभीर चोट होने के कारण उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं दूसरे घायल राजेश मांझी का संग्रामपुर में ही इलाज जारी है। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है।घटना के बाद कार चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार चालक की पहचान में जुटी है। इस हादसे के बाद ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर तेज गति से वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई और रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

सांस्कृतिक पहचान के लिए जिला का नाम परिवर्तन करने के निमित विशेष अभियान



औरंगाबाद। औरंगाबाद जिले की महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था केशव लोक मंच द्वारा औरंगाबाद जिले का नाम आदित्य नगर करने के निमित जिला प्रशासन, बिहार के मुख्यमंत्री, गृह मंत्रालय बिहार सरकार, माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार, माननीय गृह मंत्री भारत सरकार को ज्ञापन सौंपा जा चुका है। सभी बिहार विधानसभा सदस्य गण को भी प्रतिलिपि सौंपी गई है। जिला का नाम विशेष कालखंड में यहां की स्थानीय पृष्ठभूमि के अनुरूप नहीं है। यह सवाल सामान्य जनमानस के दिलों दिमाग में बना रहता है। इस प्रकार जिले वासियों की मांग है की नाम का अपना एक व्यापक प्रभाव होता है। हमारी ऐतिहासिक सामाजिक धार्मिक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि समृद्ध रहा है। और उसमें सूर्य को प्रतिनिधित्व करती हुई देव की प्राचीनतम सूर्य मंदिर हमारी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है।सूर्यदेव की संस्कृति से जोड़ते हुए जिला का नाम आदित्य नगर किया जाना चाहिए। जिसके लिए आप सबसे संपूर्ण जिलेवासी और केशव लोकमान्यवान करती है की 20 जुलाई से 24 जुलाई तक चलने वाली मानसून सत्र में विधानसभा के पटल पर आप इस मांग को उठाने का काम करें। संपूर्ण जनता मानसून सत्र में विधानसभा के पटल पर आपकी आवाज सुनने की अपेक्षा लगाए बैठी हुई है और आप सबसे जैसा कि आप सभी ने आश्वासन दिया है अपेक्षा भी है।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी गोल्ड लोन रैकेट का भंडाफोड़

नकली सोने पर बांटे 3.81 करोड़; 3 साल बैंक की आंखों में झोंकी धूल

नई दिल्ली, एजेंसी। नकली सोने के आभूषणों को असली बताकर करोड़ों रुपये का गोल्ड लोन पास करने वाले रैकेट का दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने भंडाफोड़ किया है। इस मामले में कंपनी के ही गोल्ड अप्रेजर को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान रोहिणी के बुद्ध विहार के पंकज कुमार के रूप में हुई है। वह वर्ष 2014 से साई फिनकार्प प्राइवेट लिमिटेड में गोल्ड अप्रेजर के पद पर कार्यरत था।

जांच में पता चला है कि आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर 683 फर्जी गोल्ड लोन अकाउंट तैयार किए और उनके जरिए 3.81 करोड़ रुपये से अधिक की रकम निकाल ली। हैरानी की बात यह है कि कंपनी को लंबे समय तक इस फर्जीवाड़े की भनक तक नहीं लगी। मामला तब सामने आया, जब इंटरनल ऑडिट के दौरान रिकॉर्ड में भारी गड़बड़ी मिली। ईओडब्ल्यू के उपायुक्त अमित वर्मा के मुताबिक, गोल्ड लोन देने वाली कंपनी ने नियमित इंटरनल ऑडिट कराया था। इसी दौरान सबसे पहले करीब 14.11 लाख रुपये कीमत के असली सोने के नौ पैकेट गायब मिले। इसके बाद जब लोन खातों की गहन जांच हुई तो पता चला कि वर्ष 2022 से 2025 के बीच 683 फर्जी गोल्ड लोन अकाउंट खोले गए थे। इन खातों में नकली सोने के आभूषण गिरवी दिखाकर 3.81 करोड़ का लोन जारी कर दिया गया। जांच में सामने आया कि पंकज कुमार कंपनी में गोल्ड अप्रेजर था। उसकी जिम्मेदारी गिरवी रखे गए सोने की जांच करना और उसकी शुद्धता का प्रमाण देना था। आरोप है कि उसने इसी जिम्मेदारी का दुरुपयोग किया। वह नकली और कृत्रिम सोने के आभूषणों को असली बताकर उनकी वैल्यू तय करता था। इसके बाद फर्जी केवाईसी दस्तावेज और काल्पनिक ग्राहकों के नाम पर लोन फाइल तैयार कर दी जाती थी। इसी आधार पर करोड़ों रुपये के गोल्ड लोन जारी कर दिए गए।

दिल्ली में 1 अगस्त से महिलाओं की फ्री बस यात्रा पर नया नियम, बिना पिंक सहेली कार्ड देना होगा किराया

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार द्वारा पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड को अनिवार्य किए जाने के बाद्र एक अगस्त से दिल्ली में महिला यात्री मुफ्त बस सेवा का लाभ नहीं उठा पाएंगी। महिला यात्रियों द्वारा पिंक सहेली कार्ड को अपनाने की धीमी गति को देखते हुए, दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने अपनी बसों में एक विशेष अभियान भी शुरू किया है, जिसमें महिलाओं को कार्ड बनवाने की सलाह दी गई है। डीटीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के मुताबिक एक अगस्त से, पिंक टिकट केवल उन महिला यात्रियों को जारी किए जाएंगे जिनके पास वैध पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड है, जिसे उन्हें बस में चढ़ते समय टैप करना होगा। ये महिला यात्री योजना की शर्तों के अनुसार मुफ्त बस सेवा का लाभ उठाना जारी रख सकेंगी। अधिकारियों के अनुसार, मौजूदा कागज आधारित पिंक टिकट को धीरे-धीरे बंद करने और मुफ्त बस यात्रा का लाभ उठाने के लिए स्मार्ट कार्ड आधारित प्रणाली पर स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इसलिए एक अगस्त से, जिन महिला यात्रियों के पास पिंक सहेली कार्ड नहीं है, उन्हें पिंक टिकट जारी नहीं किए जाएंगे और उन्हें डीटीसी और परिवहन विभाग (क्लस्टर) की बसों में यात्रा करने के लिए लागू किराया देकर सामान्य टिकट खरीदना होगा। डीटीसी द्वारा जारी एक आदेश में यह भी कहा गया है कि दिल्ली सरकार ने पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड जारी करने की सुविधा के लिए शहर भर में 50 अधिकृत केंद्र स्थापित किए हैं। योजना के तहत सभी पात्र महिलाएं परिवहन विभाग और डीटीसी द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार अधिसूचित केंद्रों और काउंटरों से पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड प्राप्त कर सकती हैं। इसमें आगे कहा गया है। अब तक शहर भर में लगभग 11 लाख कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, और सरकार का लक्ष्य जुलाई के अंत तक इस संख्या को 13 लाख तक बढ़ाना है।

आप और आईवीपी से आए पार्षदों को मिला इनाम

दिल्ली भाजपा में बगावत के सुर, ; वफादार भाजपाई रह गए खाली हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी के वार्ड कमेटियों के चुनाव में भाजपा आप और इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी से आए पार्षदों पर खूब मेहरबान दिखी है। भाजपा ने आप और से आए पार्षदों को तीन वार्ड समितियों में चेयरमैन और तीन वार्ड समितियों में डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया है।

वहीं, इन्हीं दोनों पार्टियों के दो पार्षदों को स्थायी समिति के सदस्य के रूप में भी नामांकित कर दिया। इससे करीब 12 वार्ड कमेटियों के चुनाव में 27 में से आठ पार्षद वे हैं, जो आप के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर आए थे, लेकिन वे पहले और कुछ अभी भाजपा में शामिल हुए।

शामिल होने के बाद उन्हें चेयरमैन, डिप्टी चेयरमैन और स्थायी समिति का सदस्य तक का पद मिल गया। जबकि तीन बार और दो बार भाजपा के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर आए पार्षद मुंह ताकते रह गए। जिन आप से आए पार्षदों को तीन जोन में चेयरमैन पद पर चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी भाजपा ने दी है, उसमें दक्षिणी जोन में धर्मवीर सिंह, सिटी एसपी जोन से ऊषा शर्मा और रोहिणी जोन में सुमन अनिल राणा का नाम शामिल हैं।

वहीं, आप से आए तीन पार्षदों को भाजपा ने वार्ड कमेटियों के डिप्टी चेयरमैन का प्रत्याशी बना दिया है। इसमें पश्चिमी जोन में सुनील कुमार चड्ढा आप के चुनाव चिह्न पर ही चुनाव जीतकर आए थे। इसी प्रकार नरेला जोन में दिनेश भारद्वाज भी पहले आप में थे और फिर इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी में चले गए थे।

भाजपा में शामिल होते ही प्रत्याशी: वह शुक्रवार को सुबह भाजपा में शामिल हुए और दोपहर को भाजपा ने उन्हें नरेला जोन में डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया। मध्य जोन में भी आप से आए प्रवीण कुमार को भाजपा ने डिप्टी चेयरमैन पद का प्रत्याशी बना दिया है। इसी प्रकार स्थायी



समिति जैसी महत्वपूर्ण समिति में सदस्य पद पर जाने वालों में मध्य जोन से हेमचंद्र गोयल का नाम है। वह आप से में गए थे और भाजपा में शुक्रवार की सुबह ही शामिल हुए थे।

शामिल होने के दो घंटे बाद भाजपा ने उन्हें स्थायी समिति के सदस्य के रूप में नामांकित कर दिया। इसी प्रकार नरेला जोन में आप से आए पवन सहरावत को भी भाजपा ने स्थायी समिति में सदस्य बनाकर भेजा है। हालांकि, सहरावत को भाजपा ने इनाम दिया है, क्योंकि सहरावत के वोट के कारण ही वर्ष 2023 में हुए स्थायी समिति के सदस्य के चुनाव में भाजपा अपने तीन सदस्य जिताने में कामयाब हुई थी। भाजपा के पार्षद वैसे तो आप से आए पार्षदों को निगम में जिम्मेदारी मिलने से नाराज हैं, लेकिन खुलकर कोई बोलने को तैयार नहीं है। क्योंकि चुनाव से पहले भी भाजपा ने कई आप और कांग्रेस के नेताओं को टिकट दे दिया था और अब आप से आए पार्षदों को लगातार तवज्जो दी जा रही है। एक भाजपा के वरिष्ठ पार्षद ने नाम न उजागर होने पर कहा कि दूसरे दलों के लोगों को भाजपा में शामिल कराने में दिक्कत नहीं है, लेकिन दिक्कत यह है कि वर्षों से भाजपा में रहकर जो लोग संघर्ष कर रहे थे, उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि आप से आए पार्षद को कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलती है तो वहां पर भाजपा के पार्षदों की सुनवाई नहीं होती।

डीयू में 4 वर्षीय ग्रेजुएशन के चौथे साल में बदला क्रेडिट सिस्टम; नए फैसले से नाराज हुए प्रोफेसर

नई दिल्ली, एजेंसी। डीयू ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 से चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम (यूजीसीएप-2022) के चौथे वर्ष में रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप को अधिक महत्व देने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, अब सातवें और आठवें सेमेस्टर में डिसर्टेशन, अकादमिक प्रोजेक्ट और एंटरप्रेन्योरशिप ट्रैक के लिए पहले के छह की जगह 10-10 क्रेडिट निर्धारित किए गए हैं।

दोनों सेमेस्टर के मिलाकर 20 क्रेडिट

इस तरह दोनों सेमेस्टर मिलाकर इन ट्रैक के कुल क्रेडिट 20 हो जाएंगे। वहीं इस निर्णय का इंडियन नेशनल टीचर्स कांग्रेस (इंटेक) ने विरोध किया है। इंटेक के चेयरमैन पंकज गर्ग का कहना है कि शिक्षण कार्यभार में होने वाली 8 क्रेडिट की कमी के मुद्दे पर तत्काल ध्यान देना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस अधिसूचना के तहत दो कोर पाठ्यक्रमों को समाप्त कर उनके स्थान पर रिसर्च और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए क्रेडिट 12 से बढ़ाकर 20 निर्धारित किए गए हैं और रिसर्च के क्रेडिट कार्यभार में शामिल नहीं किए जाते हैं। इस परिवर्तन से शिक्षण कार्यभार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा तथा अनावश्यक रूप से शिक्षकों के पदों में कमी आने की आशंका है। विश्वविद्यालय को तत्काल निर्णय लेते हुए डिसर्टेशन-प्रोजेक्ट के लिए निर्धारित 20 क्रेडिट को शिक्षण कार्यभार की गणना में शामिल



करना चाहिए, ताकि शिक्षण कार्यभार सुरक्षित रहे और किसी भी शिक्षक के पद पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। नई व्यवस्था के तहत चौथे वर्ष में डिसिप्लिन स्पेसिफिक कोर (डीएससी) के कुछ पाठ्यक्रमों को डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (डीएसई) पूल में स्थानांतरित किया गया है। छात्रों को प्रत्येक सेमेस्टर में तीन पाठ्यक्रम चुनने की सुविधा मिलेगी। वे तीन डीएसई, या दो डीएसई के साथ एक जनरल इलेक्टिव (जीई), अथवा एक डीएसई और दो जीई का विकल्प चुन सकेंगे।

बनी रहती है दुर्घटना की आशंका

दिल्ली में फुटपाथ पर बन रहे ईवी चार्जिंग स्टेशन, पैदल यात्रियों की बढ़ी मुश्किलें

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी के ट्रैफिक में चलना किसी दुरूह कार्य से कम नहीं। पैदल चलना उससे भी बड़ा जोखिम। हालांकि पैदल यात्रियों के लिए फुटपाथ बने हैं, जो उनका अधिकार भी है। पर अतिक्रमण के चलते ये कई जगह सिमट गए हैं तो कई जगह पर पैदल वालों के अधिकारों पर डाका भी डाल दिया गया है। घनी आबादी वाले इलाकों और कालोनियों में जहां फुटपाथ पर पैदल चलने की जगह भी मुश्किल से है, वहां ईवी चार्जिंग स्टेशन और बैट्री स्वैपिंग सेंटर बनाए जा रहे हैं। स्थिति यह कि सड़क पर वाहन खड़ा कर चार्जिंग करने से जाम की समस्या बढ़ रही है। दूसरी ओर पैदल चलने के लिए फुटपाथ भी नहीं मिल रहा है। वहीं सड़क पर पैदल चलने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। जामिया से मोदी मिल मार्ग पर सुखदेव विहार लाल बत्ती पर भी फुटपाथ पर ही चार्जिंग स्टेशन बनाया है। फुटपाथ पर ही लोग वाहनों को पार्क कर चार्ज करते हैं। इसके चलते पीक समय में जहां जाम लगते हैं, वहीं छात्रों और स्थानीय निवासियों को पैदल चलने में दुश्वारी होती है। वर्तमान में दिल्ली में 8998 चार्जिंग प्वाइंट हैं, जबकि आवश्यकता 36,177 तक की है। सरकार दिसंबर तक चार्जिंग प्वाइंट की संख्या 16,070 तक बढ़ाने में लगी है। सार्वजनिक उपक्रम और निजी बिजली कंपनियों को ईवी चार्जिंग स्टेशन लगाने

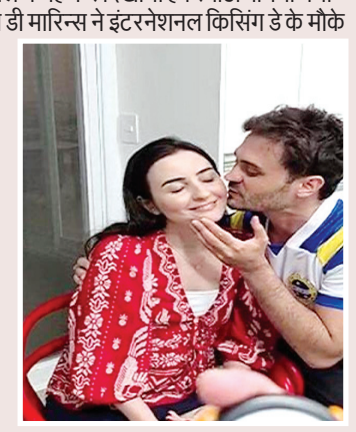


अनुमति दी गई है। वहीं, एमसीडी ने अलग-अलग हिस्सों में जमीन उपलब्ध कराने के साथ सार्वजनिक पार्किंग में भी चार्जिंग स्टेशन बनाने की छूट दी है। मेट्रो स्टेशनों के आस-पास चार्जिंग स्टेशन बनाने में दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड सहयोग कर रहा है।

ट्रांसको के मुताबिक जहां भी स्टेशन बनाए जाते हैं, वहां वाहनों को खड़ा करने की जगह का ध्यान रखा जाता है। उपलब्ध स्थान पर ही चार्जिंग स्टेशन बनाया जाता है।

डॉक्टर कपल ने 30 सैकंड में सैंकड़ों किस कर रचा इतिहास, गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ नाम

रियो डी जिनोरिया, एजेंसी। क्या कोई कपल सिर्फ 30 सेकंड में 195 बार किस कर सकता है? ब्राजील के एक डॉक्टर कपल ने यह कर दिखाया है। रेनाटो बायमा गैया और उनकी साथी नायारा रॉबर्टा रिबेरो डी मारिन्स ने इंटरनेशनल किसिंग डे के मौके पर यह अनोखा कारनामा कर अपना नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज करा लिया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, दोनों ने महज 30 सेकंड में 195 किस कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। कपल का कहना है कि उन्होंने यह चुनौती अपने रिश्ते और आपसी तालमेल का जश्न मनाने के लिए स्वीकार की। हर साल 6 जुलाई को मनाया जाने वाला इंटरनेशनल किसिंग डे दुनिया के कई देशों में प्यार और रिश्तों का प्रतीक माना जाता है। 32 वर्षीय रेनाटो और 33 वर्षीय नायारा दोनों डॉक्टर हैं और कोविड में अहम भूमिका निभाई थी। पेशे से डॉक्टर दोनों पिछले करीब डेढ़ साल से रिश्ते में हैं। दोनों कोविड-19 महामारी के दौरान फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में मरीजों की सेवा भी कर चुके हैं। यह रेनाटो का पहला गिनीज रिकॉर्ड नहीं है। इससे पहले भी वह कई अनोखे रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके हैं। इनमें सबसे तेजी से 10 किताबों को सजाकर गिराने और पुरुष वर्ग में सबसे अधिक पैर घुमाने जैसे रिकॉर्ड शामिल हैं। रेनाटो का कहना है कि इस बार वह चाहते थे कि उनकी साथी नायारा भी इस उपलब्धि का हिस्सा बनें। रेनाटो ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर है, लेकिन वह यह साबित करना चाहते हैं कि इस स्थिति के बावजूद मेहनत और आत्मविश्वास से बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं। 30 सेकंड का रिकॉर्ड बनाने के बाद अब यह कपल 1 मिनट में सबसे ज्यादा किस करने का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने की तैयारी कर रहा है। फिलहाल यह रिकॉर्ड जापान के चेरी योशिताके और कुमिको शिरातोरी के नाम है, जिन्होंने 1 मिनट में 277 किस किए थे। कपल का कहना है कि उनके लिए यह रिकॉर्ड सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि प्यार, विश्वास और टीमवर्क की मिसाल है।



आसमान में मौत से मुकाबला: उड़ान के बीच खिड़की उखड़ने से हवा में खिंचा यात्री

म्यूनिख, एजेंसी। माल्टा एयर की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान के दौरान विमान की एक खिड़की अपनी जगह से उखड़ गई। इस हादसे में 61 वर्षीय एक यात्री का सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की ओर खिंच गए। विमान में मौजूद अन्य यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर वापस अंदर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। यात्री को गर्दन और कंधे में चोटें आईं, साथ ही शरीर पर रगड़ लगने से जलन जैसी चोटें भी आईं। ग्रीस के एक अस्पताल के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी।

कहां जा रही थी फ्लाइट?: यह घटना उत्तरी ग्रीस के शहर थेसालोनिकी से जर्मनी के म्यूनिख के पास स्थित मेम्मिंगेन जा रही सुबह की फ्लाइट में हुई। इस विमान का संचालन रायनएयर की सहयोगी एयरलाइन माल्टा एयर कर रही थी। रायनएयर ने अपने बयान में कहा कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यात्री वाली एक खिड़की उड़ान के दौरान अपनी जगह से निकल गई, जिसके बाद विमान को वापस थेसालोनिकी लौटाना पड़ा।

खिड़की उखड़ते ही विमान में क्या हुआ?: यात्रियों के मुताबिक, अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। इसके तुरंत बाद ऑक्सीजन मास्क नीचे आ गए और विमान तेजी से ऊंचाई कम करने लगा। इससे विमान में बैठे लोगों के बीच घबराहट फैल गई और कई यात्री चीखने लगे। थेसालोनिकी रेडियो से बातचीत में क्रिस्टिना नाम की एक महिला यात्री ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। तभी जोरदार धमाका हुआ और सभी समझ गए कि



विमान के केबिन का दबाव कम हो गया है। उस व्यक्ति का पूरा सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की तरफ खिंच गए थे। उसके पास बैठे यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर अंदर खींच लिया। क्रिस्टिना ने आगे कहा कि आवाज बिल्कुल फटे हुए टायर जैसी थी, लेकिन उससे भी कहीं ज्यादा तेज। उसके बाद विमान तेजी से नीचे आने लगा। चारों तरफ चीख पुकार मच गई थी।

एयरलाइन के अनुसार, विमान सुरक्षित तरीके से थेसालोनिकी हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। सभी यात्रियों को टर्मिनल पर वापस ले जाया गया। घायल यात्री को जमीन पर ही चिकित्सकीय सहायता दी गई। बाद में यात्रियों को जर्मनी भेजने के लिए दूसरा विमान उपलब्ध कराया गया।

कौन कर रहा हादसे की जांच?

अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि विमान को दाहिने इंजन में आई समस्या और केबिन के दबाव में कमी आने के कारण वापस लौटना पड़ा। एजेंसी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहयोग करेगी। इस हादसे की मुख्य जांच रिपब्लिक ऑफ नॉर्थ मैसेडोनिया की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट एंड इंसिडेंट इन्वेस्टिगेशन कमेटी करेगी।

कितना पुराना था विमान?

यह विमान बोइंग 737-800 मॉडल का था, जिसमें अधिकतम 189 यात्री सफर कर सकते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान वर्ष 2008 में नया होने के बाद रायनएयर को सौंपा गया था। उड़ान के रिकॉर्ड बताते हैं कि विमान ने उड़ान भरने के करीब छह मिनट बाद लगभग 15 हजार फुट की ऊंचाई हासिल कर ली थी। इसके तुरंत बाद वह तेजी से नीचे उतरकर करीब छह हजार फुट की ऊंचाई पर आ गया और लगभग 30 मिनट तक ईंधन खर्च करने के बाद उड़ान भरने के करीब एक घंटे के भीतर थेसालोनिकी लौट आया।

144 किमी/घंटा की रफ्तार से बढ़ रहा खतरनाक तूफान बावी: 200 से ज्यादा उड़ानें रद्द और स्कूल बंद

टोक्यो, एजेंसी। टाइफून बावी के कारण जापान के दक्षिणी द्वीपों पर तेज़ हवाएं और बारिश हुई है, जबकि ताइवान और पूर्वी चीन इस शक्तिशाली तूफान के लिए तैयार हैं, लोगों को निकाला जा रहा है और हाई अलर्ट है। ताइवान के सेंट्रल वेदर एडमिनिस्ट्रेशन के अनुसार, अपने सेंटर के पास 144 केपीएच (89 एमपीएच) की अधिकतम लगातार हवाओं के साथ, टाइफून बावी शनिवार को ताइवान के उत्तर से गुज़रेगा।

200 से ज़्यादा उड़ानें रद्द

चीन के नेशनल मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, इसके पूर्वी चीन में झेजियांग की ओर बढ़ने की उम्मीद है और रविवार तड़के ज़मीन पर दस्तक देगा। जापान के पब्लिक ब्रॉडकास्टर ह्यू के अनुसार, ओकिनावा प्रांत में जापान के दक्षिणी द्वीपों में, स्थानीय अधिकारियों ने ऊंची लहरों, तेज़ हवाओं और तूफ़ानी लहरों की चेतावनी दी है, जिससे पूरे क्षेत्र में 200 से ज़्यादा उड़ानें रद्द हो गई हैं। इशिगाकी सहित द्वीपों पर तेज़ हवाओं और बारिश ने दस्तक दी है। शनिवार सुबह 8 बजे तक, ताइवान के सेंट्रल इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर ने टाइफून बावी से कम से कम 36 लोगों के घायल होने की जानकारी दी, जिनमें से कई लोग फिसलन भरी सड़कों पर बारिश और हवा में मोटरसाइकिल चलाते समय घायल हुए।



स्कूल और ऑफिस बंद

शनिवार सुबह तक पूरे आइलैंड से कुल 14,210 लोगों को निकाला गया था, जिसमें पूर्वी काउंटी हुआलियन और सेंट्रल शहर ताइचुंग शामिल थे। शनिवार को ताइवान के ज़्यादातर हिस्सों में स्कूल और ऑफिस बंद कर दिए गए। दक्षिण-पूर्वी चीन में, तट के पास के शहर टाइफून बावी के असर के लिए तैयारी कर रहे हैं। सरकारी शिन्हुआ न्यूज़ एजेंसी ने कहा कि फुजियान प्रांत के निंगडे शहर में, शुक्रवार शाम तक 3,700 से ज़्यादा लोगों को ज़्यादा खतरे वाले तटीय इलाकों से दूसरी जगह ले जाया गया।

17,000 से ज़्यादा इमरजेंसी बचाव कर्मचारियों को तैयार रखा

फुजियान प्रांत में अधिकारियों ने 17,000 से ज़्यादा इमरजेंसी बचाव कर्मचारियों को तैयार रखा है। चीन के नेशनल मौसम विज्ञान केंद्र ने ऑरेंज टाइफून अलर्ट जारी किया है, जो चार-टियर में दूसरा सबसे बड़ा अलर्ट है, जिसमें कई स्कूल और फेरी सर्विस बंद कर दी गई हैं। सैकड़ों फ़्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं, और कुछ हाई-स्पीड रेलवे सर्विस रोक दी गई हैं। सरकारी ब्रॉडकास्टर के मुताबिक, सेंटर ने शनिवार को साल का पहला बारिश वाला रेड अलर्ट भी जारी किया।

बाल सुरक्षा के दावों पर सवाल: कई सेफ्टी फीचर जांच में फेल, 4 प्लेटफॉर्म्स के सिर्फ 40% सुरक्षा उपाय ही प्रभावी

अल्बानी, एजेंसी। बच्चों और किशोरों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर सोशल मीडिया कंपनियों के दावों पर नए स्वतंत्र अध्ययन ने गंभीर सवाल खड़े किए हैं। शोध में पाया गया है कि टिकटॉक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और यूट्यूब पर उपलब्ध बच्चों की सुरक्षा से जुड़े आधे से अधिक फीचर या तो घोषित उद्देश्य के अनुरूप काम नहीं करते या फिर इतने जटिल हैं कि सामान्य उपयोगकर्ता उन्हें आसानी से खोज और इस्तेमाल नहीं कर पाते। शोधकर्ताओं का कहना है कि ऐसी स्थिति में बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के कंपनियों के दावे कमजोर पड़ जाते हैं। न्यूयॉर्क और नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी की साझा पहल साइबरसेफ्टी रिसर्च सेंटर की इस रिपोर्ट में चारों प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध 86 युवा सुरक्षा फीचर का परीक्षण किया गया। इनमें केवल 35 फीचर, यानी करीब 40 प्रतिशत, ही ऐसे मिले जो घोषित तरीके से काम करते हैं और बच्चों के लिए आसानी से उपलब्ध भी हैं। हालांकि संबंधित कंपनियों ने रिपोर्ट के निष्कर्षों से असहमति जताते हुए कहा कि उनके सुरक्षा फीचर प्रभावी हैं और अध्ययन सामान्य उपयोगकर्ता अनुभव को सही ढंग से नहीं दर्शाता। रिपोर्ट के अनुसार चारों प्लेटफॉर्म दावा करते हैं कि वे बच्चों को आत्महत्या, स्वयं को नुकसान पहुंचाने और खान-पान संबंधी विकार जैसी संवेदनशील सामग्री से बचाते हैं, लेकिन परीक्षण में यह व्यवस्था पूरी तरह प्रभावी नहीं मिली।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216

(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496